नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

देवघर स्थित बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करते बिहार के सीएम सम्राट चौधरी

• बोकारो, सोमवार 20 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 331 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

युवक की पत्थर से कूचकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/खूंटी। जिले के अड़की थाना क्षेत्र में रविवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब बीरबांकी-घाघरा रोड के किनारे एक युवक का शव बरामद हुआ। युवक की हत्या पत्थर से कूचकर किए जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान कोटोबेड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय चमरा मुंडा के रूप में हुई है। मृतक की पहचान उसके भाई हेसल मुंडा ने की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उसके सिर के पीछे गंभीर चोट के निशान मिले हैं जिससे साफ है कि हमलावरों ने बेरहमी से वारदात को अंजाम दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह टहलने निकले लोगों ने सड़क किनारे शव देखा जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया। शुरुआती पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि मृतक शनिवार को बीरबांकी साप्ताहिक हाट गया था। वहां उसे नशे की हालत में देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान या उसके बाद अज्ञात अपराधियों ने उसकी हत्या कर दी। इधर बीरबांकी ग्राम सभा के सदस्यों ने घटना पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं गांव की छवि को प्रभावित कर रही हैं। साथ ही प्रशासन से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए जांच में सहयोग का भरोसा भी दिया है। वहीं अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि एक युवक का शव बरामद हुआ है। परिजनों द्वारा शव की पहचान किए जाने के बाद पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटना के हर पहलू को खंगाला जा रहा है।

महिला-आदिवासी विरोधी है कांग्रेस : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित नहीं होने पर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस, झामुमो समेत उसके सहयोगियों को महिला विरोधी बताया है। रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में केंद्रीय मंत्री और असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनेवाल के साथ बिहार के जमुई से भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया। श्रेयसी सिंह ने कहा कि झारखंड की महिलाओं को मंईयां सम्मान के नाम पर ठगने वाले झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने उनको मिलने वाले संवैधानिक अधिकार की राह में रोड़े अटका दिए। जनता, खासकर महिलाएं आने वाले दिनों में कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों को उनके पाप की सजा देगी। वहीं, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनेवाल ने कहा कि झारखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ा है। राज्य सरकार को आधी आबादी की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का जो ऐतिहासिक कदम उठाया था उसे झामुमो एवं कांग्रेस ने नकार दिया। यह देश की महिलाओं के साथ छल है। श्री सोनेवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश की महिलाओं के साथ खड़ी है। उन्हें न्याय और संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए भाजपा की लड़ाई जारी रहेगी। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनेवाल ने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और सपा जैसी पार्टियां भ्रम फैला रही हैं कि इस बिल में एसटी, एससी महिलाओं को प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा था जबकि सीटें बढ़ने से इन जातियों के लिए प्रतिनिधित्व भी बढ़ रहा था। इसका सीधा फायदा आदिवासी और अनुसूचित जाति की महिलाओं को होता। कांग्रेस के लोग महिला और आदिवासी विरोधी हैं। इस वजह से उन्होंने बिल पास नहीं होने दिया। श्रेयसी सिंह ने कहा कि आबादी के हिसाब से परिसीमन करने की योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनाई थी। इससे समाज में प्रतिनिधित्व का नया अवसर तैयार होता। लोगों के विकास की अपेक्षा पूरी होती लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इसे संसद में रोकने का काम किया।

संक्षिप्त समाचार

नए एसपी शंभू कुमार सिंह ने संभाला पदभार

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के 22वें पुलिस अधीक्षक के रूप में शंभू कुमार सिंह ने रविवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान एसपी राजकुमार मेहता से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में एसपी शंभू कुमार सिंह ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए कहा कि जामताड़ा पुलिस पहले से बेहतर काम कर रही है, जिसे और मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। इसके बाद उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

भगोड़े अपराधी प्रिंस खान का करीबी गिरफ्तार

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। भगोड़ा अपराधी प्रिंस खान का करीबी सैफी उर्फ मेजर को धनबाद पुलिस ने कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। बताया जा रहा है कि सैफी, दुबई फरार होने की तैयारी में था लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। धनबाद पुलिस को उसकी गतिविधियों की गुप्त सूचना पहले ही मिल गई थी। इसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कोलकाता पुलिस से समन्वय स्थापित किया गया। धनबाद पुलिस ने सैफी की पूरी डिटेल्स साझा की जिसके आधार पर कोलकाता एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि सैफी से पूछताछ की जा रही है और उसे जल्द ही धनबाद लाने की प्रक्रिया जारी है।

जंगली हाथियों ने युवक को पटक-पटक कर मार डाला

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सतगावां थाना क्षेत्र स्थित कटैया गांव में बीती रात हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने पटक-पटक कर एक युवक की जान ले ली। मृत युवक की पहचान कटैया निवासी 35 वर्षीय रोहित कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में कटिया गांव निवासी पिंटू कुमार ने बताया कि 15 से 20 हाथियों का झुंड सतगावां के अलग-अलग इलाकों में लगभग एक महीने से भ्रमणशील है। दो दिन पहले भी हाथियों का झुंड कटैया पंचायत के गजघर गांव में प्रवेश कर वीरेंद्र राय के मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया था।

महिला की हत्या करने वाला धराया

रांची(नबिटा ब्यूरो)। राजधानी रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र में मोचोकनी देवी मर्डर केस को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस हत्याकांड को जमीन विवाद की वजह से अंजाम दिया गया था। पुलिस ने महिला की हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 17 अप्रैल को रांची के तमाड़ में एक महिला का शव मिला था। महिला की निर्ममता के साथ धारदार हथियार से हत्या की गई थी। बाद में शव की पहचान तमाड़ के उदय टोला की रहने वाली महिला मोचोकनी देवी के रूप में हुई थी।

झारखंड की सड़कों की हालत चिंताजनक : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार रविवार को अपने परिवार के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उनके आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की निगरानी में उन्हें सीधे मंदिर के गर्भगृह तक ले जाया गया। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार, बिहार सहित पूरे देश की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर में इस दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय दिखा। पूजा-अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने बाबा बैद्यनाथ के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की। साथ ही उन्होंने झारखंड सरकार पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए राज्य की सड़कों की खराब स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड के कई हिस्सों में सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जिससे आम लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में यात्रा करना जोखिम भरा हो जाता है। इसे जल्द सुधारने की जरूरत है। डॉ. प्रेम कुमार ने सरकार से अपील की कि सड़क मरम्मत और निर्माण कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से धार्मिक स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों की स्थिति सुधारने पर जोर देते हुए कहा कि इन मार्गों का बेहतर होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने अंत में भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की कि बाबा बैद्यनाथ सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें और देश-प्रदेश में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में व्यवस्था सुचारू रही और पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, 46 पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। केतार थाना क्षेत्र के ताली गांव में जमीन विवाद को लेकर दबंगई और मारपीट का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। करीब 46 लोगों ने एकजुट होकर एक परिवार के घर में हमला कर दिया जिसमें महिला समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस मामले में पुलिस ने 26 नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़ित भरदुल साह द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार विपक्षी पक्ष के लोग लाठी-डंडा, भाला, गड़ासा और बंदूक जैसे घातक हथियारों से लैस होकर उनके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि हमलावरों ने पीड़ित की बड़ी मां रुक्मणी देवी के साथ बदसलूकी की, उनके बाल पकड़कर घसीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए जमीन कब्जाने की कोशिश की। मिली जानकारी के अनुसार विवादित जमीन पर अंचलाधिकारी के आदेश से पहले ही रोक लगी हुई है। पीड़ित का आरोप है कि इसके बावजूद विपक्षी पक्ष द्वारा दबंगई दिखाते हुए वहां निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। जब परिवार ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने पथराव और लाठियों से हमला बोल दिया। इस हिंसक झड़प में भरदुल साह की आंख पर गंभीर चोट आई है जिससे काफी खून बहा है। वहीं उनके भाई गांधू साह का दांत टूट गया और होंठ फट गया है। बड़ी मां रुक्मणी देवी भी गंभीर रूप से जख्मी हैं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने सोने का झुमका छीन लिया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। केतार पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कांड संख्या 24/26 दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने जर्जर दामोदर पुल का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने रविवार को झारखंड गिद्दी-भुरकुंडा दामोदर पुल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पुल की स्थिति काफी खराब हो चुकी है और यह कभी भी गिर सकता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर राज्य सरकार और कोल इंडिया के चेयरमैन से बातचीत की गई है। उन्होंने बताया कि नया पुल का निर्माण और पुराने पुल की मरम्मत पर 19 करोड़ 44 लाख रुपये खर्च होंगे। इतना पैसा देने में कोल इंडिया प्रबंधन को प्रक्रिया के तहत तीन-चार महीने का समय लग सकता है। राज्य सरकार का कहना है कि प्रबंधन फिलहाल पांच करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करा देगी तो इसका निविदा निकाल देंगें लेकिन यह मामला अभी अटक गया है। इससे जुड़े मुद्दे को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री महाप्रबंधक से बातचीत करना चाह रहे थे लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। इसके विरोध में पूर्व केंद्रीय मंत्री और उनके समर्थको ने पुल के पास सड़क जाम कर दिया। सभी लोग धरना पर बैठे हुए थे।

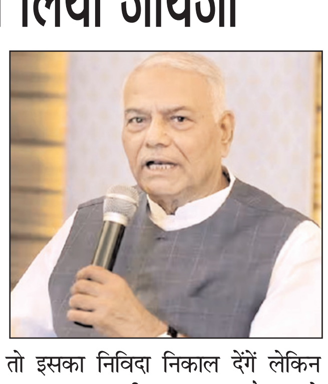

रांची रेलवे स्टेशन से प्रतिबंधित पटाखे बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ की सतर्कता की वजह से प्रतिबंधित पटाखे रखने वाले और शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरपीएफ के विशेष चेकिंग अभियान के तहत पकड़े गए हैं। आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन से ऑपरेशन 'संरक्षा' के तहत प्रतिबंधित पटाखा बरामद किया है। आरपीएफ के मंडलीय सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने बताया कि आरपीएफ पोस्ट रांची द्वारा ऑपरेशन 'संरक्षा' के अंतर्गत रांची रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार स्थित लगेज स्कैनर पर सघन जांच के दौरान एक यात्री संदिग्ध वस्तु के साथ पाया गया। पूछताछ के क्रम में उसकी पहचान पंकज कुमार (आयु 24 वर्ष), निवासी पलामू (झारखंड) के रूप में हुई। उसके दो बैग की तलाशी लेने पर कुल 09 पैकेट पटाखे बरामद किए गए। उक्त पटाखे ज्वलनशीलहोने के कारण रेलवे परिसर में ले जाना प्रतिबंधित है। इस संबंध में अभियुक्त कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका जिसके बरामद सामग्री को विधिवत जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट रांची में धारा 164 रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन से एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट बल ने रांची रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 18622 में एक संदिग्ध व्यक्ति को चिन्हित किया गया। जांच के क्रम में उक्त व्यक्ति के बैग की तलाशी लेने पर कुल 17 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने अपना नाम रंजीत कुमार (आयु 36 वर्ष), निवासी धनबाद बताया। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति उक्त शराब के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका तथा अवैध बिक्री हेतु इसे ले जाने की बात स्वीकार की। तत्पश्चात अभियुक्त को गिरफ्तार कर बरामद सामग्री को जब्त कर लिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष एवं मुख्य न्यायाधीश ने बाबा धाम में की पूजा अर्चना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। झारखंड के विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो रविवार सुबह 8 बजे बाबा धाम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने अपने परिवार के साथ ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। मंदिर पहुंचने के बाद वीआईपी गेट से वह मंदिर परिसर में प्रवेश किए और पुरोहितों ने उन्हें संकल्प कराया। संकल्प करने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच गर्भ गृह पहुंचे जहां पर सरदार पांडा ने विधानसभा अध्यक्ष को विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कराया। विधानसभा अध्यक्ष के पूजा करने के दौरान कुछ देर के लिए आम लोगों को गर्भ गृह में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। सुबह से मंदिर में भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रखे थे। विधानसभा अध्यक्ष के साथ देवघर के स्थानीय कार्यकर्ता भी उनके साथ मौजूद रहे। पूजा करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि बैद्यनाथ धाम ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने की लालसा प्रत्येक भक्त को होती है। उन्हें भी भगवान भोलेनाथ के बैद्यनाथ रूप को देखने की इच्छा थी और भगवान के आशीर्वाद से आज उनकी इच्छा पूरी हुई। उन्होंने कहा कि राज्य का एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्होंने राज्य की जनता के बेहतर भविष्य की कामना की और भगवान भोलेनाथ से आशीर्वाद लिया। विधानसभा अध्यक्ष के पूजा के दौरान आम लोगों को थोड़ी बहुत परेशानियों का सामना जरूर करना पड़ा लेकिन जिला प्रशासन के बेहतर इंतजाम की वजह से रूट लाइन में लंबी भीड़ नहीं देखने को मिली। मंदिर में पूजा करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो सीधे सर्किट हाउस के लिए रवाना हुए और फिर वहां से थोड़ी देर बाद अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान कर गए। वहीं झारखंड उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनाक रविवार को अपने परिवार के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की और रुद्राभिषेक कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। चीफ जस्टिस के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें सीधे गर्भगृह तक ले जाया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने बाबा बैद्यनाथ का अभिषेक किया जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूब गया। मीडिया से बातचीत में चीफ जस्टिस ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ की पूजा कर उन्हें आत्मिक शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने कामना की कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। इस दौरान बाबा धाम में श्रद्धालुओं के बीच खासा उत्साह देखने को मिला।

CMYK

चित्रांश समाज बुद्धिजीवी जमात, पुस्तकालय निर्माण में मिलेगा सहयोग : सुदित्य कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बस स्टैंड स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति भवन का उद्घाटन नगर विकास मंत्री सुदित्य कुमार सोनू ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चित्रांश समाज एक बुद्धिजीवी जमात है और पुस्तकालय निर्माण में उनका पूरा सहयोग रहेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा सर्वसमाज के लिए काम किया है और आगे भी हर जरूरत पर साथ खड़े रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रकाश सहाय ने कहा कि भवन के ऊपर एक सुदृढ़ पुस्तकालय का निर्माण किया जाएगा। ट्रस्ट के सेटलर पी. के. दत्ता ने गरीब लड़कियों और मेधावी छात्रों को निशुल्क शिक्षा के लिए सहयोग देने की बात कही। वहीं डॉ. रितेश सिन्हा ने रक्तदान शिविर आयोजित करने की घोषणा की इससे पूर्व वरिष्ठ चित्रांश सदस्यों को शॉल और बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश सिन्हा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सिंकू सिन्हा ने दिया और स्वागत भाषण संजीव नाथ धुल्लू ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम में पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रमोहन प्रसाद, नित्यानंद प्रसाद, पूनम सहाय, पुष्पा सिन्हा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। अधिवक्ता संघ के महासचिव चुन्नूकांत ने समाज को एकजुट होकर कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

वार्डों में घर-घर जाकर किया अभ्यास, डिजिटल मकान गणना की प्रक्रिया समझाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। जनगणना 2026-27 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना को लेकर आयोजित द्वितीय बैच के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शनिवार को शाम सारण जिले के एकमा स्थित अलख नारायण सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय में हो गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षु प्रगणकों को व्यावहारिक अनुभव देने के उद्देश्य से नगर पंचायत एकमा बाजार के विभिन्न वार्डों में मॉक ड्रिल अभ्यास कराई गई। अपराह्न सत्र में वार्ड संख्या-7 में पर्यवेक्षक प्रशांत कुमार, मंजीत कुमार तिवारी, रंजीत प्रसाद, ओम प्रकाश सिंह आदि के नेतृत्व में रंजीत पासवान, के.एम. पंडित, धीरेंद्र सिंह, संजय मांझी, रोहित कुमार महतो, सोनम मिश्रा, दीपक कुमार, दिग्विजय कुमार गुप्ता, कमल कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, साकेत कुमार, संदीप कुमार, ब्रजेश कुमार, गुप्तेश्वर चौधरी, उमेश सिंह, चंद्रमणि सिंह समेत अन्य प्रगणकों ने घर-घर जाकर जनगणना कार्य का अभ्यास किया। जिसमें प्रगणकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

मॉक अभ्यास के दौरान सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने जनगणना प्रक्रिया की बारीकियों को समझते हुए वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव प्राप्त किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य उन्हें डिजिटल माध्यम से होने वाली मकान गणना के लिए पूरी तरह तैयार करना था। कार्यक्रम के निरीक्षण एवं मार्गदर्शन के लिए नगर चार्ज जनगणना अधिकारी सह बीडीओ डॉ. अरुण कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी शशि कुमार, अपर चार्ज पदाधिकारी मिथलेश कुमार मेहता तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी योगेन्द्र बैठा मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में मकानों की गणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, इसलिए कार्य में सटीकता और गंभीरता बनाए रखना बेहद जरूरी है। इस दौरान आईटी सहायक सैयद अंसारी, शिक्षक निर्भय कुमार सिंह, मास्टर ट्रेनर विशाल कुमार चंदेल, शशि कपूर, सुनील सिंह, सिकंदर कुमार, अरुण ओझा, सतीश कुमार, सुनील कुमार, रितेश कुमार, सत्यप्रकाश सिंह सहित अन्य मास्टर एवं फील्ड ट्रेनरों ने मार्गदर्शन किया। साथ ही प्रशिक्षु मंजीत कुमार तिवारी, शैलेश कुमार सिंह, दीपक कुमार, सुनील कुमार सिंह, योगेश कुमार सिंह, दिग्विजय कुमार गुप्ता, कमल कुमार सिंह, सच्चिदानंद आजाद, छविनाथ मांझी, रंजीत कुमार पासवान, कृष्ण मोहन पंडित, राजेश कुमार सिंह, शालिनी शुक्ला, ज्योति कुमारी सहित अन्य प्रशिक्षु मौजूद रहे। सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

घर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

मनसाही /कटिहार (नबिटासं)। मनसाही थाना क्षेत्र के कुरेठा काली मंदिर के पास अवस्थित एक घर में मनसाही पुलिस ने रविवार को संदिग्ध अवस्था में फंदे से लटका हुआ एक युवक का शव बरामद किया है।शव की पहचान जीवच कुमार मंडल (21) पिताफागु मंडल के रुप हुई। बताया जाता है कि युवक घर का अकेला सदस्य था और माता-पिता के गुजरने के बाद वह अकेले उस घर में रह रहा था। रविवार की दोपहर तक घर नहीं खुलने से आसपास के लोगों को कुछ

शक हुआ और तब कुछ लोग उनके घर के अंदर झांक कर देखा तो युवक का शव फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस प्रशासन को दी। इसके बाद जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ मनसाही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घटना की जांच करते हुए शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम हेतु कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना को लेकर लोग जितने मुंह उतनी बातें कर रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस घटना की जांच में जुट गई है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है।

फतुहा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सीएनजी टेंपो से 200 लीटर विदेशी शराब बरामद

फतुहा/पटना (नबिटासं)। फतुहा थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार की देर रात रात्रि गश्ती के दौरान सैदपुर गौरैया स्थान के पास पुलिस ने एक सीएनजी टेंपो से करीब 200 लीटर विदेशी शराब बरामद की। हालांकि, मौके का फायदा उठाकर सभी तस्कर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात्रि गश्ती पर तैनात सब-इंस्पेक्टर नीतीश गौतम जब सैदपुर गौरैया स्थान के समीप पहुंचे, तो उन्होंने सड़क किनारे एक संदिग्ध

सीएनजी टेंपो खड़ा देखा। टेंपो के पास मौजूद 3-4 लोग पुलिस टीम को देखते ही भागने लगे और अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए टेंपो की तलाशी ली, जिसमें हाआॅफिसर चॉइसह ब्रांड की टेट्रा पैक में रखी गई करीब 200 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। बरामद शराब उत्तर प्रदेश निर्मित बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से टेंपो और शराब को जब्त कर लिया है। फतुहा थाना में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

राष्ट्रकवि दिनकर की स्मृति में 16 और 17 मई को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

टिकारी (नबिटासं)। मां निर्दोष सेवा केंद्र एवं हिंदी विभाग, गया कॉलेज, गया जी के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की स्मृति में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 16 एवं 17 मई 2026 को गया कॉलेज स्थित प्रेमचंद्र सभागार में किया जाएगा। संस्था के सचिव ई हिमांशु शेखर ने बताया कि दिनकर के व्यक्तित्व और उनकी रचनाओं पर इस संगोष्ठी में जगजीवन महाविद्यालय गयाजी, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित

की गई है। श्री शेखर ने बताया कि इस तरह का आयोजन संस्था पिछले डेढ़ दशक से मनाती आ रही है। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नेता, साहित्यकार, विद्वान एवं शोधार्थी भाग लेंगे और राष्ट्रकवि दिनकर के साहित्यिक अवदान पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को साहित्य के प्रति प्रेरित करने और उनकी रचनात्मक सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं आयोजन समिति के सदस्य एवं रामेश्वर प्रसाद उच्च विद्यालय, बेलागंज के प्राचार्य अबरार आलम ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से अनेक ख्यातिप्राप्त कवियों की सहभागिता के लिए सहमति प्राप्त हो चुकी है। आयोजन समिति के सदस्य डॉ रुद्र चरण मांझी ने कहा कि इस वर्ष शोधार्थियों के शोध पत्र को यूजीसी से मान्यता प्राप्त पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा। सभी शोधार्थी अपने शोध पत्र समिति के पास भेजेंगे। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्रों के बीच राष्ट्रकवि दिनकर द्वारा रचित कविताओं का पाठ भी कराया जाएगा, जिससे नई पीढ़ी को उनके साहित्य से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों एवं बुद्धिजीवियों से इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

पोस्टडेट प्रेग्नेंसी व गंभीर एनीमिया के बावजूद सुरक्षित सामान्य प्रसव

मरसी हॉस्पिटल में सफल नॉर्मल डिलीवरी, मां और नवजात दोनों स्वस्थ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मरसी हॉस्पिटल में एक जटिल गर्भावस्था के मामले में चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक सामान्य प्रसव नॉर्मल डिलीवरी कराकर मिसाल पेश की है। जानकारी के अनुसार, गर्भवती महिला एक सप्ताह से अधिक समय पोस्टडेट की प्रेग्नेंसी और गंभीर एनीमिया से पीड़ित थी इससे पहले, गिरिडीह के एक नर्सिंग होम में उसे एलएससीएस ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई थी।

हालांकि, मरसी हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने स्थिति का सावधानीपूर्वक आकलन करते हुए लेबर इंडक्शन की प्रक्रिया अपनाई चिकित्सकीय टीम के प्रयासों से सफलतापूर्वक सामान्य प्रसव कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि मां और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस सफलता को अस्पताल की टीमवर्क और सही निर्णय का परिणाम बताया जा रहा है।

रानीतालाब में घर के सामने मिला किशोर का शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिक्रम। रानीतालाब थाना के बराह गांव में एक 13 वर्षीय किशोर का शव उसके घर के सामने संदिग्ध रूप से मिलने से सनसनी फैल गई इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।मृतक बच्चे की पहचान रामकुमार यादव का 13 वर्षीय पुत्र भोला कुमार के रूप में हुई है। इधर शव मिलने के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के पिता रामकुमार यादव ने बताया कि उनका पुत्र शनिवार को शाम 4बजे से घर से बाहर था हम जब सुबह चार बजे काम करके घर आए तो देखा कि मेरा बेटा भोला घर के बाहर लेटा हुआ है जब उसके पास गया तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है उसके शरीर पर चोट के निशान है किसी ने उसकी हत्या कर शव को घर के बाहर छोड़ कर भाग गया है। हालांकि मौत कैसे और कब हुई है ये अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है लेकिन परिवार के लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पालीगंज डीएसपी 2 पंकज शर्मा एवं स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी एफएसएल टीम को सूचना दी गई है। एफएसएल टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। रानीतालाब थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी विनय रंजन ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है।

जनगणना की तैयारी को लेकर बारसोई में प्रगणकों को प्रशिक्षण

हर घर तक पहुँचने एवं डेटा की गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। भारत की जनगणना 2027 को दृष्टिगत रखते हुए नगर पंचायत कार्यालय बारसोई में रविवार को प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी रजनीश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों को जनगणना प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया गया।

उन्हें निर्देश दिया गया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रत्येक घर तक पहुँचकर जनसंख्या संबंधी समस्त आँकड़े संग्रहित किए जाएँ, प्रपत्र सावधानीपूर्वक भरे जाएँ तथा संबंधित दस्तावेजों का समुचित सत्यापन किया जाए। साथ ही, संग्रहीत सूचनाओं की गोपनीयता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।ईओ रजनीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है और यह देश की समस्त विकास योजनाओं का आधार है। उन्होंने सभी प्रगणकों को पूर्ण ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की नसीहत देते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि बारसोई का कोई भी परिवार या व्यक्ति जनगणना से वंचित न रहे।कार्यक्रम में नगर एवं प्रखंड के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं नगर पंचायत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

नवनिर्मित डिग्री कॉलेज बना नशेड़ियों का अड्डा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बलिया। अनुमंडल क्षेत्र के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा की उम्मीद जगाने वाला नवनिर्मित डिग्री कॉलेज अब अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। करोड़ों की लागत से बना यह भव्य भवन छात्रों की जगह अब नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों का केंद्र बन चुका है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की टीम ने कॉलेज परिसर सर्वेक्षण अभियान चलाया। इस दौरान एबीवीपी उत्तर बिहार के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दयानिधान गिरी ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस भवन को छात्रों की कलम से रोशन होना था, उसे नशेड़ियों ने अंधेरे में धकेल दिया है। कॉलेज की सभी खिड़कियों के कांच टूटे हुए हैं।बहुत सारे (गेट) को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है और पूरे परिसर में भारी गंदगी फैली हुई है। ऐसा लगता है कि सरकार भवन बनाकर भूल गई है।" सुरक्षा गार्ड की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों ने न केवल यहाँ नशाखोरी की है। बल्कि सरकारी संपत्ति को भी जमकर नुकसान पहुँचाया है। कमरों के अंदर शराब की बोतलें, सिगरेट के डब्बे, सुलेशन,सिरप और कचरा बिखरा पड़ा है। यदि करोड़ों की लागत से बनी इस संपत्ति का यही हाल रहा, तो यह जल्द ही खंडहर में तब्दील हो जाएगी। एबीवीपी बलिया के नगर मंत्री श्रीराम एवं खेलो भारत के जिला सह संयोजक धनंजय प्रियांशु ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों का इस गंभीर विषय पर कई बार ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन उनके द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कॉलेज की टूटी खिड़कियां क्षतिग्रस्त गेट और फैला हुआ कचरा उनकी अनदेखी का जीता-जागता प्रमाण है। क्षेत्र के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े, इसके लिए इस कॉलेज का निर्माण हुआ था। लेकिन जनप्रतिनिधियों की इच्छाशक्ति की कमी के कारण आज यह परिसर असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों की शरणस्थली बन गया है।एबीवीपी बलिया के नगर सह मंत्री मंगलेश मयंक एवं कोषाध्यक्ष रौशन कुमार ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वर्षों के संघर्ष के पश्चात ही बलिया में डिग्री कॉलेज का सपना साकार हो सका है।

वाहन चेकिंग अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। थाना क्षेत्र में पुलिस ने बदमाशों पर नकेल कसने तथा अपराध पर नियंत्रण हेतु एसडीपीओ कुंदन कुमार के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। नावकोठी थाना मुख्य द्वार, मुखिया जी चौक पहसारा के करीब वाहन चेकिंग अभियान में दर्जनाधिक चार पहिया वाहन, दो पहिया वाहन के डिक्की की तलाशी ली गई। हेलमेट सहित सभी कागजात की जांच की गई। आयोजित वाहन चेकिंग अभियान के तहत ट्रीपल लोडेड बाइक सवार , बिना नंबर प्लेट की गाड़ी, छोटी, बड़ी 45 वाहन के कागजात सहित अन्य बिन्दुओं की जांच कर चलाना काटा गया। आगामी भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई।

जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के तहत सखी वार्ता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय नगर। जिला महिला एवं बाल विकास निगम के गढ़पुरा परियोजना के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्र संख्या-43 में जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के तहत सखी वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत अन्नप्राशन, पोषण पखवाड़ा के तहत गोद भराई एवं बच्चों के जन्मदिन का आयोजन भी किया गया।कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना, गढ़पुरा के पदाधिकारी अनूप कुमार जायसवाल सहित जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के जिला मिशन समन्वयक राज कुमार सिन्हा एवं वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ सुजीत कुमार उपस्थित रहे।इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा महिला एवं बाल विकास निगम की विभिन्न योजनाओं एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।जिनमें पोषण पखवाड़ा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बाल विवाह निषेध, नशा मुक्ति, साइबर क्राइम जागरूकता तथा वन स्टॉप सेंटर जैसी योजनाएं शामिल रहीं।अपने संबोधन में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने महिलाओं को कम बजट में संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बच्चों के समग्र विकास के लिए उन्हें परिवार के बुजुर्गों के साथ समय बिताने तथा प्राकृतिक वातावरण से जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

मां जगदम्बा मंदिर परिसर खानपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा/मांझी (सारण)। एकमा प्रखंड के सीमावर्ती मांझी प्रखंड क्षेत्र के खानपुर गांव स्थित मां जगदंबा मंदिर परिसर में रविवार को भगवान परशुराम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान मंदिर प्रांगण वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजता रहा और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। सुबह से ही भगवान परशुराम की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। यजमान के रूप में नरेंद्र तिवारी ने अपनी पत्नी के साथ श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न कराई।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रही, जो मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होकर भाव-विभोर हो उठे। इस दौरान मौजूद लोगों ने भगवान परशुराम के जीवन दर्शन पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। पूजा समिति के अध्यक्ष शिवेंद्र तिवारी ने बताया कि भगवान परशुराम मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है और इसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। कार्यक्रम में एकमा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र प्रताप मिश्रा, डॉ. अमित तिवारी, मंजीत तिवारी, विश्वजीत पांडेय, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि आशुतोष तिवारी, बंटी ओझा, अविनाश चंद्र उपाध्याय, विभूति नारायण तिवारी, छोटू दुबे, अखिलेश्वर ओझा, संदीप सिंह ह्ममनुह्न, सुबोध चौबे, मंजेश पाठक, विजय देशबंधु पांडेय उर्फ दही बाबा, पूजा समिति के सदस्य गुड्डु ओझा, मंटू मिश्रा, पंडित मिश्रा, महादेव ओझा सहित विभिन्न समाज के अन्य लोग मौजूद थे।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहीं पंचायत की योजनाएं

गंदे नाले के पास छठ घाट निर्माण का ग्रामीणों ने किया विरोध

निर्माण रोकने की अपील, पंचायत में कर रहे 'मुखियागिरी'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा औरंगाबाद। ग्राम पंचायत में विकास योजनाओं के चयन और क्रियान्वयन में बरती जा रही अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। ताजा मामला कुटुंबा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बलिया का है, जहाँ गंदे नाले के समीप छठ घाट बनाए जाने के निर्णय के विरोध में ग्रामीणों और वार्ड सदस्यों ने मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने इस योजना का पूर्ण बहिष्कार करते हुए मुखिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वार्ड सदस्य धर्मेंद्र कुमार और ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में किसी भी योजना के चयन के लिए अनिवार्य 'ग्राम सभा' का आयोजन नहीं किया जा रहा है। मुखिया मनमाने ढंग से योजनाओं का चयन कर रहे हैं, जबकि नियमों के अनुसार कोई भी योजना ग्रामीणों की सहमति और ग्राम सभा की अनुशंसा के बाद ही धरातल पर उतरनी चाहिए। आरोप है कि ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है जहां कमीशन का खेल आसान हो, जबकि मूलभूत जरूरतों जैसे पेयजल, नाली और गली को नजरअंदाज किया जा रहा है। छठ के लिए बनाए जा रहे घाट के स्थान को लेकर सबसे अधिक नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां छठ घाट बनाया जा रहा है, वहां समीप ही गंदा नाला बहता है। जिसमें गांव के कई शौचालयों का पानी बहता है। धार्मिक भावनाओं और स्वच्छता के मानकों को ताक पर रखकर ऐसी जगह का चयन करना समझ से परे है। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक घाट का स्थान नहीं बदला जाता, वे निर्माण कार्य नहीं होने देंगे। पंचायत में तकनीकी अनियमितता का एक और बड़ा मामला सामने आया है। नियमों को ताक पर रखकर पूर्व में बनी पीसीसी ढलाई के ऊपर ही पेवर ब्लॉक बिछाने का काम किया गया है। तकनीकी जानकारों के अनुसार, यह केवल सरकारी राशि के बंदरबांट का तरीका है। वार्ड सदस्य ने कहा कि जहां नई सड़क की जरूरत है, वहां

काम न कर बनी-बनाई सड़कों पर अनावश्यक खर्च किया जा रहा है। वार्ड सदस्य व ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से मुखिया पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत के विकास कार्यों में उनकी कोई भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा रही है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि पंचायत में पिछले कुछ समय में हुई योजनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाए।

शिक्षा व्यवस्था जिस कंधे पर टिकी है, वही कंधा अब भ्रष्टाचार के बोझ तले दबकर राजनीति की बिसात पर मोहरा बन गया है। जहां सरकारी स्कूलों के शिक्षक बच्चों को ककहरा सिखाने के बजाय पंचायत के विकास कार्यों में 'दलाल' की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। ग्रामीण आरोप लगा रहे हैं कि शिक्षक अजय कुमार मेहता स्कूल में हाजिरी लगाने के बाद सीधे मुखिया के 'कैंप ऑफिस' या पंचायत भवन पहुंच जाते हैं, जहां वे विकास योजनाओं की फाइलें निपटाने से लेकर कमीशन के खेल तक में सक्रिय हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जब विद्यालय के समय में शिक्षक को क्लास में होना चाहिए, तब वे मुखिया के साथ सरकारी ठेकों की बंदरबांट और कागजी खानापूर्ति में व्यस्त रहते हैं। शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से दूर रहना है, लेकिन यहां स्थिति उलट है। शिक्षक न केवल मुखिया के सलाहकार बन गए हैं, बल्कि योजनाओं के चयन से लेकर भुगतान की प्रक्रिया तक में उनकी दखलअंदाजी इतनी बढ़ गई है कि वे ही 'अघोषित मुखिया' की तरह काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पढ़े-लिखे होने के कारण ये शिक्षक मुखिया को प्रशासनिक पेंचीदगियों से बचने के रास्ते बताते हैं। बदले में, मुखिया के प्रभाव के कारण इन शिक्षकों की मनमानी पर ब्लॉक स्तर के अधिकारी भी आंखें मूंद लेते हैं। एक तरफ स्कूलों की छतें जर्जर हैं और शौचालय की सुविधा तक नहीं है, वहीं दूसरी तरफ शिक्षक पंचायत के बजट के प्रबंधन में अपनी ऊर्जा खपा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि शिक्षा विभाग और प्रखंड विकास कार्यालय के बीच इस मिलीभगत की शिकायतें कई बार हो चुकी हैं।

फल्गु नदी को स्वच्छ बनाने के लिए किया गया श्रमदान

चौथे रविवार को भी लोगों ने किया श्रमदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। लगातार प्रत्येक रविवार को फल्गु नदी को स्वच्छ, साफ रखने हेतु श्रमदान से सफाई कार्यक्रम चलाते हुए आज चौथे रविवार को चौक स्थित सीढिया घाट पर अभियान एवं जनजागरण चला।

सफाई अभियान श्रमदान एवं जनजागरण मे शामिल अभियान के संयोजक विजय कुमार मिट्ठू, सह संयोजक गौतम सिंह, गणेश कुमार, टिंकू गिरी, अभिषेक आनंद, मंगल कुमार, आनंद सिंह, मिथिलेश प्रसाद, रोहित कुमार, शुभम कुमार, कमलेश कुमार, रमेश कुमार, सुजीत गुप्ता आदि ने कहा कि गयाजी का ऐतिहासिक सीढिया घाट पर गन्दगी का अम्बार, कुड़ा, तथा नाली का पानी बहनें से स्थानीय लोग जो सुबह, शाम यहां बैठते थे, लोग स्वस्थ लाभ हेतु इस घाट पर घूमते थे, उनका अब यहां गन्दगी के कारण यहां आना , जाना बिल्कुल बंद हो गया है।

नेताओं ने कहा कि फल्गु नदी के प्रमुख घाटों पर घनी आबादी के बीच श्रमदान से इसकी साफ, सफाई हेतु छुट्टी के दिन प्रति रविवार को सुबह एक घंटा काम करने हेतु गयाजी के सम्मानित जनता को आग्रह करते हुए विश्व प्रसिद्ध, मोक्ष दायनि , अंतह सलीला को स्वच्छ रखने से गयाजी स्वच्छ बनेगा। नेताओं ने स्थानीय प्रशासन एवं गया नगर निगम से सीढिया घाट की जर्जर स्थिति का जीर्णोद्धार, सीढियों का मरम्मत, गंदगी, कूड़े का नियमित उठाव तथा बहते हुए नाले का बेहतर निर्माण कराने की मांग किया है।

लेनिन जयंती व मजदूर दिवस की तैयारी को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा। बसस्टैंड के समीप का. रामशरण यादव पुस्तकालय भवन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को हुई। संचालन मनोज कुमार यादव ने किया। बैठक में पार्टी की एजेंडा व मार्क्स वाद नेता लेकिन की जयंती , मजदूर दिवस की तैयारी सहित संगठन मजबूती को लेकर विस्तार से चर्चा अंचल मंत्री अधिवक्ता चन्द्रशेखर सिंह ने किया। पूर्व जिला मंत्री जगनारायण सिंह विकल ने पार्टी के उदेश्यों को विस्तार से चर्चा करते हुए लेनिन की जयंती पर सीपीआई के पूराने साथियों को सम्मानित करने , लेनिन का बड़ा चित्र लगाने के अलावा संगठन मजबूती पर बल दिया। वहीं पूर्व प्रमुख नागेश्वर यादव , विजय कुमार , अरुण कुमार रंजन , सतेन्द्र कुमार , कामेश्वर सिंह , अवध किशोर सिंह, राम एकबाल सिंह , योगेंद्र राजवंशी , विजय यादव , नंदगोपाल सिंह , राजकुमार , अर्जुन यादव , महेंद्र प्रसाद ,श्रीकिसुन प्रसाद, बालेश्वर राजवंशी , रामदेव सिंह , रामंती देवी, अंजानो देवी ने मार्क्स लेनिन की जयंती 22 अप्रैल व 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव लिया। जिसे सभी कार्यकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी के साथ शामिल होने व ऐतिहासिक रूप से मनाने के लिए सहमति जताया।

मदनपुर में नहीं है डंपिंग जोन, जीटी रोड के किनारे फेंका जा रहा कचरा

अधिकारियों की अनदेखी से लोग परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर बाजार में इन दिनों स्वच्छ भारत अभियान की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। यहां स्वच्छ भारत मिशन के लाख दावे और योजनाओं के बावजूद बाजार के आसपास सफाई व्यवस्था की स्थिति काफी चिंताजनक बनी हुई है। कचरा निस्तारण की सुदृढ़ व्यवस्था नहीं होने के कारण बाजार का आसपास का बड़ा हिस्सा कचरा डंपिंग जोन में तब्दिल हो गया है। वर्षो से जीटी रोड के किनारे लोग कूड़ा फेंकते आ रहे हैं और अब यह आदत एक परंपरा की तरह बन गई है। दुकानदारों से लेकर आमजन इसी स्थान को कचरा डालने का सहज स्थल मानकर चल रहे हैं। इसके कारण सड़क का यह हिस्सा अब एक बदबूदार कचरा घाट बन चुका है। सबसे गंभीर स्थिति प्रखंड मुख्यालय स्थित जयप्रभा कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास दिखाई देती है। सड़क के दक्षिणी किनारे फैला कैचरे का अंबार छात्रों और शिक्षकों के प्रतिदिन परेशानी का कारण बन रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी के कारण रास्ते से होकर गुजरना मुश्किल हो गया है। कचरे से निकलने वाली दुर्गंध न केवल असहनीय है बल्कि इससे मच्छर, मक्खी और संक्रामक जीवाणु तेजी से पनप रहे हैं। ऐसे हालात में बाजारवासियों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। कचरे के ढेर पर बकरी और आवारा कुत्ते भोजन करते देखते जातो हैं जिससे गंदगी और संक्रमण की आशंका और बढह्व जाती है। लोगों का कहना है

कि अधिकारियों की नजर प्रतिदिन इस कचरे के ढेर पर पड़ती है पर किसी तरह का कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है तबतक यहां के लोगों में उम्मीद जगती है। अबतक मदनपुर बाजार में कोई स्थाई समाधान नहीं मिल सका है। बाजार में सूखे और गीले कचरे के लिए कूड़ेदान भी नहीं लगाए गए है परंतु कचरा उठाव की व्यवस्था नियमित नहीं होने से वह भी बेकार होती जा रही है। लोगों का मानना है कि यदि जल्द ही कचरा निस्तारण की ठोस व्यवस्था नहीं हुई तो मदनपुर बाजार में बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ सकती है।

श्री शिव प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ शुरू

24 को महाभंडारा के साथ यज्ञ का होगा समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के वार्ड नं-चार स्थित रामाबांध में श्री श्री 1008 श्री शिव प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ का शनिवार से प्रारंभ है। महायज्ञ में रेडक्रॉस के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता, भाजपा नेता कौशल सिंह उर्फ पिंटू सिंह, वार्ड नं.चार के पार्षद राजू पासवान सहित पहुंचे। यज्ञ कमेटी के सदस्यों ने अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा। कहा कि यज्ञ होने से क्षेत्र का वातावरण शुद्ध होता है। साथ ही वातावरण भक्तिमय बना रहता है। बता दें कि शनिवार को कलश यात्रा के साथ महायज्ञ का शुभारंभ हुआ था। यज्ञ परम पूज्य श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य पूज्य श्री जीयर स्वामी जी महाराज के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया जाएगा। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर सिर पर कलश लेकर यज्ञ मंडप पहुंचे। इसके बाद पंचाग पूजन, मंडप प्रवेश, महाआरती एवं रात्रि में कथा की गई। रविवार को वेदी पूजन, अरणीमंथन, हवन प्रारंभ, जलाधिवास एवं भंडारा का आयोजन किया गया। वहीं आज 20 अप्रैल को वेदी पूजन, अन्नाधिवास एवं महाआरती एवं भंडारा किया जाएगा। 21 अप्रैल को वेदी पूजन, घृताधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास, मिष्ठानधिवास होगा। 22 अप्रैल को समस्त आधिवास, नगर भ्रमण, शच्याधिवास होगा। 23 अप्रैल को न्यास सहित प्राण प्रतिष्ठा, राजोपचार पूजन किया जाएगा। 24 अप्रैल को सार्वजनिक हवन, पूणार्हुति एवं महाभंडारा के साथ यज्ञ का समापन किया जाएगा। वहीं रात्रि में कलाकारों द्वारा रामलीला एवं रासलीला कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

जमीन विवाद में चली गोली, दो घायल

नवबिहार टाइम्ससंवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के खरोखर गांव में जमीन विवाद को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें गोलीबारी और मारपीट की घटना सामने आई है। इस घटना में दोनों पक्षों के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान 60 वर्षीय कौशल सिंह और 35 वर्षीय सुरेश सिंह के रूप में की गई है।घटना के बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने कौशल सिंह की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान कौशल सिंह ने बताया कि उनका हार्वेस्टर गरवा गांव में काम कर रहा था, जहां से वे करीब 5 लाख 600 रुपये लेकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के पास पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी।

कौशल सिंह के अनुसार, आरोपियों में अर्जुन सिंह, संतोष सिंह, कलेक्टर सिंह, बृजमोहन सिंह और केदार सिंह शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले उनके कपड़े उतरवाए गए और फिर उनके पास मौजूद पैसे छीन लिए गए। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने फायरिंग कर दी, जिसमें एक गोली उनके कंधे में जा लगी। उन्होंने बताया कि गोली की आवाज सुनकर गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे, जिससे उनकी जान बच सकी।

वहीं, दूसरे पक्ष के सुरेश सिंह भी इस झड़प में घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

इस संबंध में रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर पहले से विवाद चल रहा है। उन्होंने कहा कि कौशल सिंह के भाई की कोई संतान नहीं थी और उनकी बेटी द्वारा जमीन बेची जा रही है, जबकि कौशल सिंह इस पर आपत्ति जता रहे हैं। इसी विवाद को लेकर पहले भी दो बार प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और धान कटनी के दौरान भी मारपीट की घटना हुई थी।थानाध्यक्ष ने गोलीबारी की घटना से इनकार करते हुए कहा कि पुलिस को घटना की सूचना पहले ही मिल गई थी, लेकिन जब तक टीम मौके पर पहुंचती, तब तक दोनों पक्ष आपस में भिड़ चुके थे। फिलहाल घायलों का इलाज कराया जा रहा है और आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो अभियुक्त गिरफ्तार

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के लहास गांव में मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लहास गांव निवासी रामप्रवेश यादव और उनके पुत्र हीरा लाल कुमार के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, मामला कांड संख्या 523/25 से संबंधित है, जिसमें दोनों पर मारपीट का आरोप है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 शांतिपूर्ण संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। जिले में झारखण्ड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 का आयोजन सभी 09 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु व्यापक प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्यवेक्षक-सह-स्टैटिक दण्डाधिकारी, गश्ती दण्डाधिकारी एवं फ्लाईंग दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। साथ ही, आवश्यकता अनुसार पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा गया।

उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि परीक्षा निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके। इस क्रम में उपायुक्त द्वारा पुलिस अधीक्षक, खूंटी कार्यालय परिसर में स्थापित परीक्षा नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया गया।

उन्होंने नियंत्रण कक्ष के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों पर संचालित गतिविधियों का गहन अवलोकन किया एवं आवश्यक निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त के साथ अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नरेंद्र पांडे हुए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद/बालाघाट। शिक्षा, समाज सेवा एवं रचनात्मक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री कृष्णा नगर, औरंगाबाद निवासी तथा झारखंड में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत शिक्षक नरेंद्र पांडे को इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट द्वारा वाचस्पति की मानद उपाधि, अर्थात डॉक्टरेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 18 अप्रैल को आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया, जिससे उनके परिवार, परिचितों और समाज में खुशी का माहौल है। नरेंद्र पांडे पिछले दो वर्षों से अपने शोध पत्रों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों को ऑनलाइन माध्यम से संस्थान को उपलब्ध कराते रहे हैं। उनके शैक्षणिक कार्यों और अनुसंधान को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने उन्हें इस प्रतिष्ठित उपाधि के योग्य माना। संस्थान ने विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की, जिसमें नीति आयोग द्वारा प्राप्त पुरस्कार, पलामू शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए नामांकन तथा जीईपीसी के माध्यम से अपने विद्यालय को स्वर्ण प्रमाणपत्र दिलाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही नरेंद्र पांडे के मार्गदर्शन में कई विद्यार्थियों ने सिविल सेवा सहित देश के विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर सफलता प्राप्त की है।

विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को भी संस्थान ने उनके मार्गदर्शन और समर्पण का परिणाम मानते हुए विशेष रूप से सराहा है। नरेंद्र पांडे की रुचि केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। कविता लेखन और साहित्यिक अभिरुचि के कारण वे रचनात्मक क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान रखते हैं। उनकी इसी बहुआयामी

प्रतिभा और समाज के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने ऑनलाइन साक्षात्कार के माध्यम से उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि के लिए चयनित किया। संस्थान की विशेषता यह भी है कि यह अपने आप में विश्वस्तरीय पहचान रखता है। यहां संकरी रेल पथ (यूनी गेज रेलवे) से संबंधित कई ऐतिहासिक वस्तुएं भौतिक रूप से संरक्षित हैं, जो इसे अन्य संस्थानों से अलग और विशिष्ट बनाती हैं।

गिट्टी लदा हाइवा व बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए कठोर कार्रवाई की जा रही है। इसी के मद्देनजर जिला खनन विभाग एवं औरंगाबाद पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो ट्रैक्टर एवं दो हाइवा जब्त किया गया है। यह कार्रवाई खान निरीक्षक प्रत्यूष कुमार के नेतृत्व में की गई। इस दौरान रिसियप थाना क्षेत्र से कोयला लदा हाइवा जब्त किया गया है। फेसर थाना क्षेत्र से अवैध डस्ट लदा हाइवा तथा दाउदनगर थाना क्षेत्र से दो ट्रैक्टर जब्त किया गया। इस दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी और अवैध खननकर्ता तथा चालक मौके से भाग निकले। इसके बाद सभी वाहनों को जब्त कर संबधित थानों को सौंप दिया गया। हालांकि इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। खान निरीक्षक प्रत्यूष कुमार ने बताया कि अवैध रूप से बालू व गिट्टी ढुलाई मामले में छापेमारी करते हुए यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगा। हाल के दिनों में कई अवैध गिट्टी व बालू लदे हाइवा व ट्रैक्टरों को जब्त किया जा चुका है, जिससे इस अवैध धंधे में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

दो ट्रैक्टर जब्त

दाउदनगर (औरंगाबाद) । अवैध बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त किया गया है। चालक फरार हो गया। जिला खनन पदाधिकारी की टीम एवं पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की कार्रवाई की। बताया गया कि पुलिस को देखते ही दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए। रविवार की सुबह थाना क्षेत्र के मखरा मोड़ से लगभग आधा किलोमीटर उत्तर दिशा में, एक निजी स्कूल के समीप छापेमारी की गई। दोनों ट्रैक्टरों पर लगभग 100-100 सीएफटी सोन बालू लदा हुआ पाया गया।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर मॉकड्रिल और जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड अग्निशामालय द्वारा बिहार अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर रविवार को सुबह करीब 1050 बजे व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर मॉकड्रिल आयोजित कर लोगों को आग से बचाव और आपदा के समय सही कदम उठाने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के तहत कासमा रोड स्थित राइस मील, मखदमपुर में राइस मिल तथा चरकावा पंचायत के रजा नगर स्थित एक निजी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रतिष्ठान में विशेष रूप से मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों ने आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, आग बुझाने के तरीके और सुरक्षा उपायों का लाइव प्रदर्शन किया।

इस मौके पर लोगों के बीच कुल 75 पंपलेट वितरित किए गए, जिनमें आग से बचाव के उपाय, सतर्कता बरतने के तरीके तथा आपातकालीन नंबर 101 और 112 सहित अन्य सरकारी मोबाइल नंबरों की जानकारी दी गई।

प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को आगजनी की घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूक करना और समय रहते सही कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में सतर्कता बढ़ती है और किसी भी आपदा की स्थिति में नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अग्निशमन विभाग की पहल की सराहना की।

कोयला लदा ट्रक जब्त

अंबा औरंगाबाद। अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रिसियप थाना की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर रविवार को अवैध कोयले से लदे एक ट्रक को जब्त किया है। थानाध्यक्ष संजीत राम ने बताया कि अवैध रूप से खनन किया गया कोयला एक बाइस चक्का ट्रक के जरिए ले जाया जा रहा था।

सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य मार्ग पर नाकेबंदी कर दी। जांच के दौरान जब एक संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई, तो उसमें भारी मात्रा में कोयला पाया गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया है। शुरूआती जांच में पता चला है कि कोयले से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज चालक के पास मौजूद नहीं थे। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध खनन और तस्करी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर यह अभियान आगे भी जारी रहेगा ताकि माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके। पुलिस फिलहाल ट्रक मालिक का पता लगा रही है और दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

शिक्षकों पर लगाये गये आरोपों को निरस्त करने की मांग

दाउदनगर (औरंगाबाद) । शिक्षक संघर्ष मोर्चा के सदस्यों एवं बिहार स्टेट टीचर एसोसिएशन (गोप गुट) के प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत कुमार सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ (गोप गुट) के जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, दाउदनगर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार रत्न तथा प्रखंड सचिव परवेज आलम के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, दाउदनगर के साथ एक शिष्टमंडल वार्ता की गई।

वार्ता सकारात्मक एवं सार्थक रही। जनगणना प्रशिक्षण के दौरान 33 शिक्षकों पर लगाए गए आरोपों को निरस्त करने की मांग की गई, जिसे पदाधिकारी ने स्वीकार करते हुए सभी शिक्षकों को दोषमुक्त करने का आश्वासन दिया। साथ ही, इस संबंध में कल ही पत्र निर्गत करने की बात कही गई। इसके अतिरिक्त, बीएलओ कार्य में लगे सभी शिक्षकों का भुगतान शीघ्र कराने का भी आश्वासन दिया गया। पूर्व में उत्पन्न सभी गलतफहमियों को दूर कर लिया गया है।

सभी शिक्षकों से अपील की गई है कि वे प्रशिक्षण कार्य को शांतिपूर्वक एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित पदाधिकारी से संपर्क करें।

आपसी रंजिश में पांच बीघे की फसल जलाने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बारुन थाना क्षेत्र के बरवाडीह गांव में बीते दिनों एक खलिहान में आगलगी से किसान को भारी नुकसान हुआ था। मामले में पीड़ित किसान ने गांव के ही एक महिला पर आपसी रंजिश में आग लगाने का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित शिकायत की है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उस गांव निवासी राजेश्वर सिंह ने बारुण थाने में दिए आवेदन में बताया कि घटना बीते दिन 15 अप्रैल की है। उनके खलिहान में पांच बीघे के गेहूं की फसल का लगभग 500 बोझा रखा हुआ था। अचानक खलिहान से आग की लपटें उठने लगीं। शोर मचाने पर ग्रामीण जुटे और दमकल की गाड़ी को सूचना दी गई। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक फसल पूरी तरह जल चुकी थी। पीड़ित किसान राजेश्वर सिंह ने आवेदन में स्पष्ट रुप से आरोप लगाया है कि उनके खलिहान में आग गांव के ही कुसुम देवी ने लगाई है। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने कुसुम देवी को खलिहान के पास में देखा था और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि रंजिश के कारण इस घटना को अंजाम दिया गया है।

अग्नि कांड में किसान को भारी आर्थिक क्षति हुई है। राजेश्वर सिंह के अनुसार, जलकर नष्ट हुए गेहूं की कीमत करीब 50 हजार रुपए से अधिक है। पीड़ित ने थाने पहुंचकर कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आवेदन स्वीकार कर लिया है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि इस मामले की जांच एएसआई शम्भू महतो को सौंपी गई है। पुलिस गांव में जाकर मामले की छानबीन कर रही है ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों और आरोपी की संलिप्तता का पता लगाया जा सके।

ग्लोबल आइकन अवार्ड्स 2026 से सैकड़ों शिक्षक हुए सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ । स्थानीय टाउन हॉल में ग्लोबल आइकन अवाड्र्स 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के सैकड़ों प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का शुभारंभ एकेडमी ऑफ ग्लोबल अचीवर्स की चेयरमैन सह चाणक्य फाउंडेशन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक एवं पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की प्रत्याशी डॉ. दिव्या ज्योति, डॉ. अशोक गगन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।
यह आयोजन उन शिक्षकों के सम्मान में समर्पित था, जो शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।
अपने संबोधन में डॉ. दिव्या ज्योति ने कहा कि यह धरती केवल ज्ञान की भूमि ही नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक चेतना का भी केंद्र रही है। उन्होंने कहा कि नालंदा से उठी आवाज हमेशा पूरे बिहार की दिशा तय करती रही है और अब समय आ गया है कि शिक्षक समाज की आवाज भी यहां से और मजबूत होकर उभरे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा और राजनीति का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि नीति निर्माण के बिना शिक्षा व्यवस्था में सुधार संभव नहीं है।
डॉ. ज्योति ने अपने संबोधन में विशेष रूप से वित्त रहित शिक्षकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वर्षों से सेवा देने के बावजूद इन शिक्षकों को न तो उचित वेतन मिल रहा है और न ही सेवा सुरक्षा की गारंटी। उन्होंने आश्वासन दिया कि वित्त रहित शिक्षकों के सम्मान, नियमितीकरण और आर्थिक सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा और इस मुद्दे को प्राथमिकता के साथ सदन में उठाया जाएगा।
इस दौरान उन्होंने औपचारिक रूप से घोषणा की कि वह पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी का चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव शिक्षकों के अधिकार, सम्मान और भविष्य की लड़ाई होगा।
इस अवसर पर डॉ. अशोक गगन ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि नालंदा जैसी ऐतिहासिक भूमि से शिक्षा सुधार का संकल्प लेना पूरे राज्य के लिए प्रेरणादायक है।
कार्यक्रम के अंत में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए शिक्षकों और प्राचार्यों को शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मान विभिन्न श्रेणियों में प्रदान किए गए, जिनमें एकेडमिक एक्सीलेंस एंड लीडरशिप अवार्ड, एजुकेटर एक्सीलेंस एंड लीडरशिप अवार्ड, नेशन बिल्डर अवार्ड तथा विद्या ज्योति अवार्ड शामिल हैं।
कार्यक्रम का सफल संचालन हेमंत कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. अर्जुन सिन्हा, अजीता पांडेय, डॉ. गुड़िया झा, तुलिका शांडिल्य, वंदन सिंह, ऋतु सिंह, अमरेंद्र पासवान, प्रभात शर्मा, मुकेश सिन्हा, पंकज कुमार, इंजीनियर आशीष सिन्हा, इंजीनियर धीरज कुमार, दिलीप शर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

निकली डॉ. अंबेडकर शोभायात्रा, 'जय भीम' के नारों से गूंजा शहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिसुआ । संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर रविवार को हिसुआ नगर में श्रद्धा और उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा। 'अंबेडकर शोभायात्रा' के दौरान हजारों की संख्या में जुटे अंबेडकरवादियों ने नीले झंडों और जय भीम के गगनभेदी उद्घोष से पूरे शहर को गुंजायमान कर दिया।
झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र : शोभायात्रा की सबसे खास बात इसमें शामिल महापुरुषों की जीवंत झांकियां थीं। भगवान बुद्ध, ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले ,महाराजा बिजली पासी ,भगवान बिरसा मुंडा ,एतवा रजवार ,कांशीराम ,संत रविदास ,साहू जी महाराज चंद्रशेखर आजाद रावण और बाबा साहब समेत अन्य के जीवन दर्शन को दर्शाती झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। युवाओं और महिलाओं की टोली हाथों में भारत का संविधान और नीला झंडा थामे समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प दोहरा रही थी।
समतामूलक समाज का संकल्पः शोभायात्रा में शामिल भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र राजवंशी ने कहा, ₹आज की यह भीड़ केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि बाबा साहब के उस सपने को पूरा करने की प्रतिबद्धता है, जिसमें ऊंच-नीच और भेदभाव का कोई स्थान न हो। हम संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित हैं।

शिक्षा ही एकमात्र हथियारः युवाओं को संबोधित करते हुए गौरव गजराज ने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के नारे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जो कलम की ताकत हमें दी है, उसी के जरिए हम समाज की मुख्यधारा में मजबूती से खड़े हो सकते हैं।
यात्रा में शामिल उपमुख्य पार्षद टिंकू चौधरी ने सावित्रीबाई फुले का स्मरण करते हुए कहा कि आज की नारी शिक्षित और जागरूक हो रही है, यह बाबा साहब की ही देन है। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए महिलाओं का आगे आना अनिवार्य है।
सुरक्षा के कड़े इंतजाम : हजारों की भीड़ को देखते हुए हिसुआ पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।
अन्य वक्ताओं ने कहा यह शोभायात्रा केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज के वंचित और शोषित वर्ग की एकजुटता का प्रतीक बनकर उभरी। हिसुआ की सड़कों पर उमड़ा यह कारवां इस बात का प्रमाण है कि बाबा साहब के विचार आज भी करोड़ों दिलों में मशाल की तरह जल रहे हैं।
मौके पार भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र राजवंशी, भीम आर्मी नवादा नगर अध्यक्ष बिल्लू चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष निशांत चौधरी, हिसुआ नगर उपाध्यक्ष टिंकू चौधरी ,अशोक चौधरी ,संजय चौधरी ,सुरेश चौधरी ,गौतम चौधरी ,सकलदेव मांझी ,विनोद रविदास ,दिलीप अधिवक्ता ,अरविंद सिंह ,जिला परिषद उमेश यादव ,तुलसी चौधरी ,सुबोध कुमार ,दीनबंधु मांझी ,रामकरण पासवान ,रंजीत चौधरी ,कौशल कुमार, पिंटू पासवान, जोगिंदर राजवंशी, प्रिंस चौधरी, अमन कुमार, संतोष कुमार, चंदन चौधरी, विनय चौधरी , कौशल चौधरी , सकलदेव मांझी ,मुकेश मांझी ,मोहम्मद कलाम ,असगर अली ,मिथुन चौधरी आदि लोग उपस्थित हुए हैं।

हिसुआ-नवादा रोड पर सड़क हादसा

एक की मौत, पांच घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । जिले के हिसुआ-नवादा मार्ग पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हिसुआ से नवादा की ओर सवारी लेकर जा रहे एक टोटो को विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। पिकअप वाहन पर मोटरसाइकिलें लोड थीं, जिन्हें शोरूम ले जाया जा रहा था।
टक्कर इतनी भीषण थी कि टोटो में सवार छह लोगों में से एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य पांच लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान 60 वर्षीय शिवानंद गुप्ता के रूप में हुई है, जो नवादा थाना क्षेत्र के जसैली गांव निवासी थे। घायलों में महदेव गांव की सुलेखा देवी और नरहट के देवर गांव की रेणु देवी की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। अन्य तीन घायलों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें हिसुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद घर भेज दिया गया। सूचना मिलते ही हिसुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य चलाया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

सत्संग आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। संत निरंकारी मिशन शाखा राजगीर में रविवार को सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सत्संग के दौरान ह्लएक को जानो, एक को मानो, एक हो जाओ का संदेश प्रमुख रूप से दिया गया।संबोधित करते हुए सूर्यमणि बहन ने कहा कि समय के सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज रहबर के रूप में धरती पर अवतरित होकर मानव समाज को सही दिशा दिखा रही हैं।
अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि मानव मिट्टी का पुतला है और इस संसार में परमपिता परमात्मा ने हमें कर्म करने के लिए भेजा है। गीता के संदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कर्म प्रधान विश्व करि राखा, जो जस करिए तस ही फल चाखा– यह संसार कर्म पर आधारित है, लेकिन लोगों ने इसे धर्म प्रधान बना दिया है, जो उचित नहीं है।

परीक्षा में बेहतर करने वाले बच्चे हुए पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। रविवार को पकरीबरावां प्रखण्ड की उत्तरी ग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालय सुदनपुर उर्दू में बच्चों को पुरस्कृत किया गया। साप्ताहिक परीक्षा में बेहतर करने वाले बच्चों को सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट प्रदीप कुमार के हाथों सम्मानित किया गया। विद्यालय के बच्चे हबीबा, अमृता, जैनब, रूही, मुज्जमिल आदि को पुरस्कृत किया गया। डिप्टी कमांडेंट ने बच्चों को कहा कि खेल- खेल में एवं गतिविधियों के माध्यम से सीखें। हर हमेशा सकारात्मक सोच रखें। कहा कि नियमित रूप से विद्यालय आएं। गृह कार्य प्रत्येक दिन बनाएं। कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का बड़ा महत्व होता है। इस कारण अनुशासित रहें। इस बीच विद्यालय के बच्चों ने उनसे कहा कि विद्यालय में ओएमआर के माध्यम से परीक्षा ली जाती है।

प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। भारत की जनगणना - 2027 को लेकर रविवार को नारदीगंज प्रखंड अंतर्गत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण इंटर विद्यालय नारदीगंज में शुरू हुआ। इस प्रशिक्षण में चतुर्थ व पंचम बैच के जनगणना कर्मियों को मकान सूचीकरण आनलाइन प्रक्रिया करने के बारें में जानकारी दी जा रही है। आगामी दो मई 2026 से प्रगणक के माध्यम से मकान सूचीकरण आनलाइन प्रक्रिया होना है। प्रशिक्षक में मास्टर ट्रेनर अवधेश कुमार, प्रशिक्षक राकेश कुमार,पंकज कुमार व रवि रंजन कुमार के माध्यम से जनगणना करने की जानकारी दी जा रही है।
उन्होंने कहा कि आप सभी आपसी तालमेल कर जनगणना कार्य करेंगे। प्रथम दिवस पर उपस्थित प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना अधिनियम एवं परिभाषाओं तथा एचएलओ व एचएलबी के बारे में पूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में 85 जनगणना कर्मियों को शामिल किया गया है। मौके पर प्रगणक दीपक कुमार, अशोक कुमार, कौशल पांडेय समेत अन्य रहे हैं।

लूट के एक लाख रुपये बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, नवादा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जिले में हुई लूट की एक घटना का पुलिस ने महज पांच दिनों के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए लूटे गए एक लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। इस कार्रवाई से जिले में पुलिस की तत्परता और सक्रियता एक बार फिर सामने आई है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 अप्रैल 2026 को वादी कौशलेंद्र कुमार, निवासी ग्राम कुंभी, थाना वारिसलीगंज, जिला नवादा ने थाने में लिखित आवेदन देकर बताया कि उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक, वारिसलीगंज से एक लाख रुपये की निकासी की थी। पैसे लेकर घर लौटने के दौरान महिला कॉलेज के पास, वारिसलीगंज से लगभग 30 मीटर पहले, मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात अपराधियों ने अचानक उन्हें रोक लिया और धक्का देकर उनके पास रखे पैसे छीनकर फरार हो गए।
घटना के बाद वारिसलीगंज थाना में कांड संख्या 256/26 दर्ज कर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें वारिसलीगंज थाना पुलिस एवं तकनीकी टीम को शामिल किया गया।
जांच के क्रम में पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का गहन विश्लेषण किया। साथ ही तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से अपराधियों की पहचान की गई। जांच के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान अमन यादव एवं मोनू यादव, निवासी ग्राम शेखोपुरा, थाना कादिरगंज के रूप में हुई।
इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान मोनू यादव के घर से अलमारी में रखे पैंट से लूटे गए एक लाख रुपये बरामद कर लिए गए। हालांकि, दोनों आरोपी मौके से फरार पाए गए, जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस सफलता से नवादा पुलिस की कार्यशैली और अपराध नियंत्रण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। जिलेवासियों ने भी इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

विधि-व्यवस्था व भ्रष्टाचार नियंत्रण को ले डीएम-एसपी ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में विधि-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने को लेकर जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की ।
बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान लंबित मामलों, संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति एवं अपराध नियंत्रण के उपायों की विस्तार से समीक्षा की गई।
जिला पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने एवं आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को आरटीपीएस केंद्र, सदर अस्पताल, निबंधन कार्यालय, माइनिंग एवं पीडीएस दुकानों पर छापेमारी कर दलालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिया। साथ ही जन शिकायत निवारण शिविरों में आने वाले लोगों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र एवं राजस्व मामलों के लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन पर भी बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, गश्ती व्यवस्था सुदृढ़ करने और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में भ्रष्टाचार पर चिंता जताते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही गई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, पुलिस उपाधीक्षक सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा नालंदा मंडल ने मनाई परशुराम जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। भाजपा नालंदा मंडल द्वारा परशुराम जयंती मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित होकर भगवान परशुराम जी के प्रति अपनी आस्था एवं श्रद्धा प्रकट किए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने भगवान परशुराम जी से प्रार्थना की कि वे सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें तथा बिहार राज्य निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे।
इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष भाजपा सुधीर कुमार, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, मंडल पदाधिकारी भूषण , सफेद पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि स्पेंदु कुमार , पिंटू कुमार, रोशन कुमार, कौशल किशोर , विमल , मिथिलेश प्रसाद, डोनाल्ड कुमार, रंजीत कुमार, प्रज्ञा, सुषमा , ममता कुमारी एवं अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक मूल्यों एवं राष्ट्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

जन सुराज के जिलाध्यक्ष बने त्रिवेणी सिंह, महिलाध्यक्ष बनीं सुलेखा कुमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । जिले के मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में रविवार को जन सुराज पार्टी की जिला सलाहकार समिति और जिला एकल पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई। जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने नव नियुक्त पदाधिकारियों की सूची जारी की। इस दौरान मनोज भारती ने नवादा के नए जिलाध्यक्ष के रूप में त्रिवेणी सिंह, महामंत्री सरयू प्रसाद कुशवाहा, कोषाध्यक्ष ललन शर्मा, महिला अध्यक्ष सुलेखा कुमारी, मुख्य प्रवक्ता मिथिलेश प्रसाद सिंह, सरस्वती देवी सहित अन्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की।
नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्प माला पहनाकर पदभार ग्रहण करवाया गया। जिलाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने कहा कि जिले में जन सुराज को गांव-गांव, पंचायत स्तर पर मजबूत करेंगे। वर्तमान में जन

सुराज ही विपक्ष के रूप में जनता के सामने दिख रही है, हम जनता के दिलों में जरूर हैं, हम जनता के बीच रहकर जनता के मुद्दों को उठाएंगे।
इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि नालंदा क्षेत्रीय कोर कमिटी की अनुशंसा के आधार पर नवादा जिला की सलाहकार समिति एवं जिला एकल पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष ने नियुक्त तमाम पदाधिकारियों को बधाई दी। साथ ही सभी जिला एकल पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी दी कि पार्टी के विस्तार के लिए 15 दिनों में अपनी जिला कमिटी की सूची क्षेत्रीय कमिटी को सौंपे। कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता सैयद मसीह उद्दीन, डॉ मधुकर कुमार, अजय कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।
कमल किशोर बिंदु, अशोक कुमार सिंह, राधा देवी, पृथ्वीराज बसंत, मो. हैदर साकिब को जिला सलाहकार समिति का सदस्य बनाया गया है।
जिलाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह, महामंत्री सरयू प्रसाद कुशवाहा, कोषाध्यक्ष सह कार्यालय प्रभारी ललन शर्मा, महिला अध्यक्ष सुलेखा कुमारी, युवा अध्यक्ष नीरज कुमार, किसान अध्यक्ष मुकेश कुमार बब्लू, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉक्टर रविन्द्र प्रसाद सिंह, व्यावसायिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष राहुल कुमार, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, अंबेडकर मंच अध्यक्ष देवराज पासवान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष हाजी जुबैर आलम, मुख्य प्रवक्ता मिथिलेश प्रसाद सिंह, सरस्वती देवी को मुख्य प्रवक्ता का पदभार सौंपा गया।

सवर्ण महिला मंच की स्थापना कर महिलाओं ने दिखाई ताकत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । शहर में आज एक नए सामाजिक संगठन ह्यसवर्ण महिला मंचह्न की औपचारिक स्थापना की गई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही, जहां एकजुटता, जागरूकता और सशक्तिकरण का स्पष्ट संदेश देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. मधु सिन्हा और डॉ. चंद्र भूषण ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद मंच से वक्ताओं ने कहा कि समाज में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने संगठन के माध्यम से सामाजिक समरसता और आपसी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया।
इस आयोजन का संचालन खुशबू सिन्हा, बंटी सिंह और गौरी रानी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान ह्लसवर्ण महिला करे पुकार, बिहार में एकता हो इस बारह्व का नारा गूंजता रहा, जिसने माहौल को ऊर्जावान बना दिया। आयोजन को सफल बनाने में पुष्पा देवी, वर्षा रानी, राजकुमारी, संगीता कुमारी, एडवोकेट रेखा, बेबी देवी, महारानी, नूतन और वीणा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी सहयोगकर्ताओं ने कार्यक्रम को व्यवस्थित और प्रभावी बनाया। समापन सत्र में सभी अतिथियों एवं सहयोगकताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह मंच भविष्य में महिलाओं को संगठित कर सामाजिक कार्यों और जागरूकता अभियानों को गति देगा।

जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के छात्रों ने रचा सफलता का नया कीर्तिमान

नवादा । चर्चित शिक्षण संस्थान जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार सफलता हासिल की है। हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में छात्रों ने बेहतरीन अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल बना हुआ है। परीक्षा परिणामों में कई छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई। इनमें सत्यम कुमार ने 79.4%, दीपा कुमारी ने 93.8%, सलोनी भारती ने 92.8%, रवि प्रकाश ने 92.4%, राज नंदनी ने 92% और रंजन कुमार ने 91.8% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इन विद्यार्थियों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।
विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर आर.पी. शाहू ने बताया कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ नियमित टेस्ट, विशेष कक्षाएं और व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

मनाया गया सतर्कता दिवस

नवादा ।जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे संगठन तटवासी समाज न्यास ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। इसमें पंचायत प्रतिनिधि व आशा यूनिटों ने भी सहयोग दिया और जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। तटवासी समाज न्यास जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर नवादा जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा है। तटवासी समाज न्यास देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।

ज्ञान विज्ञान समिति का 12वां जिला सम्मेलन आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा । ज्ञान विज्ञान समिति का 12 वां नवादा जिला सम्मेलन रविवार को प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय नवादा के सभा कक्ष में संपन्न हुआ । सम्मेलन की अध्यक्षता अध्यक्ष मंडल के साथी समिति के उपाध्यक्ष पुष्पा कुमारी और भोला ने की। जबकि वामपंथी नेता सह ज्ञान विज्ञान समिति के प्रदेश अध्यक्ष प्रो नरेशचंद्र शर्मा पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रो नरेशचंद्र शर्मा ने ज्ञान विज्ञान समिति के स्थापना से लेकर अब तक के संघर्षों का ऐतिहासिक स्वरूप पेश किया। उन्होंने भोपाल गैस त्रासदी के उत्पन्न परिस्थितियों से समिति के संघर्ष गाथा को जोड़ते हुए वर्तमान में इसकी भूमिका और औचित्य पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की । खासकर मानवीय चेतना के चहुमुखी विकास के लिए किए जाने वाले समस्त प्रयासों को ज्ञान विज्ञान और कला जत्था का वास्तविक प्रयास बताया । पुष्पा कुमारी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए सन 1992 में महिलाओं के लिए चलाए गए अभियानों से परिचित कराया और कहा कि उस समय लड़कियां साइकिल चलाना सोच भी नहीं सकती थी लेकिन समिति के प्रयास से जत्थे में निकल कर लड़कियां साइकिल चलाना सीखने लगी । समिति के सचिव ने पिछले दो वर्षों के कार्यकाल में ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा किए गए कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया ।

उद्बोधन सत्र में दर्जनों वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे और ज्यादा से ज्यादा लोगों को संगठन से जोड़ने की कवायद पर जोर दिया । सांगठनिक सत्र में नए कार्यकारणी का विधिवत चुनाव किया गया जिसमें भोला शंकर वर्णवाल को अध्यक्ष, राकेश कुमार विभूति को सचिव , अनिल प्रसाद सिंह को उपाध्यक्ष , पुष्पा कुमारी को सहसचिव और भगीरथ प्रसाद को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया । इसके अलावी अवधेश कुमार , अशोक समदर्शी, रेणु कुमारी, राजकुमारी दिनेश अकेला, विनीता कुमारी समेत 15 लोगों को कार्यकारणी सदस्य बनाए गए वक्ताओं में अशोक समदर्शी , अवधेश कुमार, राजकुमारी देवी, अनिल प्रसाद, मथुरा पासवान, चंदेश्वर प्रसाद , दिनेश कुमार अकेला आदि शामिल थे

सदन में महिला आरक्षण बिल पारित नहीं होना, महिलाओं के साथ धोखा : सीएम

पीएम नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ने लगातार महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोकसभा से बहुचर्चित महिला आरक्षण विधेयक के पास नहीं होने को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने काला दिन बताया है। उन्होंने कहा कि इससे आरक्षण का अपमान हुआ और महिलाओं के साथ धोखा हुआ है। राजद, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि इससे विपक्ष का महिला विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। मुख्यमंत्री रविवार को पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में इस विषय पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर एनडीए के सभी घटक दलों की महिला जनप्रतिनिधि भी मौजूद थीं। इन्होंने भी विपक्ष पर हमलावर तेवर अख्तियार करते हुए उन्हें आड़े हाथों लिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद पहले भी बिल फड़वा चुके हैं। उनके घर की बेटी और कांग्रेस के राहुल गांधी की बहन संसद बने तो इन्हें कोई गुरेज नहीं है, लेकिन ये कतई नहीं चाहते कि किसी गरीब-गुरबा की बेटी कभी भी सांसद बने। इस बिल का विरोध करके इन्होंने अपनी यह मानसिकता उजागर कर दी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की सोच रही है कि हमारे घर की बहन और बेटी तो सांसद बन जाये लेकिन गरीबों के परिवार का कोई महिला सदस्य सांसद नहीं बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर महिला आरक्षण बिल पास हो जाता तो बिहार विधानसभा में महिला जनप्रतिनिधि की संख्या 29 से बढ़कर कम से कम 122 हो जाती। इसी तरह देश के संसद में सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाती जिसमें 216 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाती जब देश की आबादी 70 करोड़ थी, तब भी संसद में 543 सीटें थीं। आज जब आबादी बढ़कर 140 करोड़ हो गई है तब भी सीटों की संख्या उतनी ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार तो 850 तक सांसदों की संख्या बढ़ाने का भरोसा तक दे रहे थे। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आज जो देश की महिलाओं के साथ धोखा हुआ है उसके खिलाफ एनडीए एकजुट होकर देश में अभियान चलाएगी और उनसे जवाब भी मांगेगी। कांग्रेस से पूछा जाएगा कि आपके परिवार के लोग पीएम, सुपर पीएम, सांसद बन रहे हैं, इस देश के गरीब महिला कब सांसद बनेगी। यही प्रश्न सपा, राजद, टीएमसी से भी पूछा जाएगा। लोकतंत्र में वह दिन काला अध्याय है जिस दिन महिला आरक्षण बिल, नारी शक्ति के आरक्षण को रोकने का काम यूपीए के लोगों ने किया है। उन्होंने कहा कि 2006 में जब बिहार में एनडीए की सरकार बनी तो पंचायत और नगर निकायों में 50 फीसदी महिला आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई। इसका परिणाम है कि बिहार में पंचायती राज व्यवस्था और नगर निकायों में महिला जनप्रतिनिधि की संख्या 59 प्रतिशत से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि मंडल कमीशन हो या सवर्ण को 10 फीसदी आरक्षण देने का निर्णय हो, ये सभी काम एनडीए सरकार ने ही किए हैं। बिहार और देश की महिला को मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया जाएगा। प्रेस वार्ता में राज्यसभा की सांसद दर्शना सिंह, पूर्व मंत्री लेसी सिंह, राष्ट्रीय लोक मोर्चा की विधायक स्नेहलता कुशवाहा, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की विधायक ज्योति देवी, लोजपा (रामविलास) महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिन्हा पासवान, एमएलसी अनामिका सिंह पटेल, निवेदिता सिंह, एमएलए संगीता कुमारी, महापौर सीता साहू, पटना जिला परिषद की अध्यक्ष स्तुति गुप्ता, महिला आयोग की अध्यक्ष सजल झा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अनामिका पासवान, प्रीति शेखर भी उपस्थित थी।

सौ प्रतिशत एचएलए मैच कैंप का आयोजन, राज्यपाल ने बढ़ाया उत्साह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मां वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा संचालित मां ब्लड सेंटर, दरियापुर में आज100 प्रतिशत एचएलए मैच कैंप का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। वर्ष 2009 से पीड़ित मानवता की निःस्वार्थ सेवा में संलग्न इस संस्था के सेवा कार्यों का अवलोकन करने एवं पूरे बिहार से आए 45 से अधिक थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों जिनका अपने सगे भाई-बहनों के साथ 100% बोन मैरो मैच हुआ है, को आशीर्वाद प्रदान करने हेतु बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त)सैयद अता हसनैन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में राज्यपाल ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यहां आकर उन्हें अत्यंत संतोष एवं गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने संस्था को सभी धर्मों एवं समुदायों के लिए सेवा की उत्कृष्ट मिसाल बताया। साथ ही उन्होंने रक्तदान, थैलेसीमिया जागरूकता, मुक्तिरथ एवं बॉडी फ्रीजर एवं चश्मा बैंक जैसी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने स्वयं संस्था को पांच चश्मा देने की बात कही। राज्यपाल ने आगामी 21 जून 2026 को प्रस्तावित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति प्रदान की। साथ ही 8 मई को विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम हेतु उन्हें आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जगजीवन सिंह, नंद किशोर अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, राम मनोहर सिंघानिया, पंकज लुहारुका, अशोक शर्मा, कन्हैया अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। एम पी जैन ने बताया कि इसके अतिरिक्त कोषाध्यक्ष प्रकाश कुमार अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, मोनू खत्री, अमन राज, बबलू कुमार, सौरभ कश्यप, राकेश शर्मा, अनंत अग्रवाल, किशन बंका, विनय बजाज, पवन शर्मा, जितेंद्र जीतू जी, कन्हैया अग्रवाल कन्नू एवं सज्जन चौधरी ने भी कार्यक्रम की सफलता में सराहनीय भूमिका निभाई। समिति परिवार ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी मानवता की सेवा के इस संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने का विश्वास व्यक्त किया।

बिहार में हादसा पीड़ितों का 1.5 लाख तक फ्री इलाज

राज्य में लागू होगा आईटीएमएस : विजय कुमार चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ उप मुख्यमंत्री सह परिवहन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने रविवार को परिवहन विभाग की एक अहम समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभागीय कार्यशैली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोपयोगी बनाने पर जोर दिया। परिवहन सचिव राज कुमार ने उन्हें विभाग की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। बैठक में सड़क सुरक्षा, ड्राइविंग टेस्टिंग, जल परिवहन और परिवहन व्यवस्था को लेकर सकारात्मक निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करने और घायलों को गोल्डन आवर में चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। परिवहन सचिव ने उप मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि अब आपातकालीन ट्रॉमा सेंटर में सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को 1 लाख 50 हजार रुपए तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाएगा। राजधानी सहित राज्य के प्रमुख शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था को स्मार्ट और सुगम बनाने के लिए पीपीपी मोड पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लागू करने का निर्णय लिया गया है।

परशुराम जयंती पर डॉ. प्रेम कुमार का संदेश, भगवान परशुराम के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

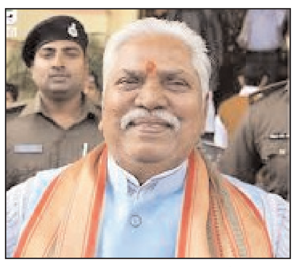

पटना। भगवान परशुराम की जयंती के अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्हें शक्ति, तप, त्याग और धर्म का अद्भुत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है और वे ऐसे महान योद्धा थे जिन्होंने अपने जीवन को अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष के लिए समर्पित कर दिया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भगवान परशुराम का जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। वे जन्म से ब्राह्मण थे, लेकिन उनके कर्म एक महान क्षत्रिय योद्धा के समान थे। उनके हाथ में धारण किया गया परशु, अर्थात कुल्हाड़ी, उनके नाम का प्रतीक बन गया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें यह सिखाता है कि जब समाज में अन्याय और अधर्म बढ़ता है तब उसे समाप्त करने के लिए साहस, दृढ़ संकल्प और धर्मनिष्ठा आवश्यक होती है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान परशुराम ने अत्याचारी राजाओं का विनाश कर समाज में न्याय की स्थापना की और यह संदेश दिया कि शक्ति का उपयोग सदैव धर्म और न्याय की रक्षा के लिए होना चाहिए। डॉ. प्रेम कुमार ने उन्हें केवल एक पराक्रमी योद्धा ही नहीं, बल्कि एक महान गुरु के रूप में भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम ने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को शिक्षा प्रदान की जो उनके ज्ञान और तपस्या की महानता को दर्शाता है। डॉ. प्रेम कुमार ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भगवान परशुराम के आदर्शों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में हमें उनके आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं, सत्य का साथ दें और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने इस पावन अवसर पर सभी से संकल्प लेने का आग्रह किया कि वे सत्य और धर्म के मार्ग पर चलेंगे, अन्याय और भ्रष्टाचार का विरोध करेंगे तथा समाज में सद्भाव और एकता को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यदि उनके आदर्शों को जीवन में उतारा जाए तो एक बेहतर और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण संभव है। अंत में डॉ. प्रेम कुमार ने सभी प्रदेशवासियों को परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

अब खुद भरें जनगणना फॉर्म, उपमुख्यमंत्री ने शुरू की डिजिटल प्रक्रिया

डिजिटल तरीके से शुरू हो रहे स्व जनगणना कार्य की दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनगणना 2027 के तहत होने वाले मकान सूची करण कार्य को लेकर हो रहे स्व-गणना के बारे में उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने खुद डिजिटल तरीके से स्व-गणना फॉर्म भरा। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि स्व गणना में नई टेक्नोलॉजी विकसित की गई है। यह बहुत अच्छा मॉडल प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पहले भी स्व गणना के कार्य होते थे, लेकिन यह नहीं था। यह नई प्रक्रिया शुरू की गई है यह बहुत अच्छा है। इसके पूर्व जनगणना अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को स्व गणना के बारे विस्तार से जानकारी दी और उन्हें बताया कि पहले इसके लिए प्रगणक आते थे। इस बार भी प्रगणक आएंगे, लेकिन लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह डिजिटल प्रक्रिया शुरू की गई है ताकि लोग खुद डिजिटल तरीके से अपना डेटा भर सकें।

बापू टावर में शिक्षा संकल्प सम्मेलन सह शिक्षा सम्मान समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बापू टावर, गर्दनी बाग में जागरूकता अभियान संस्था द्वारा आयोजित शिक्षा संकल्प सम्मेलन में बदलते शैक्षिक परिदृश्य पर व्यापक चर्चा के साथ राज्यव्यापी शिक्षा संकल्प यात्रा का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रवण कुमार, विशिष्ट अतिथि ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी नागालैंड के प्रो-चांसलर प्रो. (डॉ.) ए के नायक, एडीजी बीएसएनएल अनिल कुमार, शिक्षाविद कुमार अरुणोदय, उच्च शिक्षा विभाग बिहार के सहायक निदेशक दीपक कुमार सिंह, नागरिक सुरक्षा के पुलिस अधीक्षक हिमांशु त्रिवेदी, समाजसेवी एवं दंत चिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार चंद्रवंशी, एमिटी यूनिवर्सिटी पटना की डॉ. रेखा तिवारी, जस्टिस वेंचर इंडिया ट्रस्ट के संजू सिंह, बापू टावर के निदेशक विनय कुमार, कार्यक्रम संयोजक निमेष शुक्ला एवं सह संयोजक परमेश्वर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि शिक्षा संकल्प यात्रा राज्य में शिक्षा के समग्र विकास, जागरूकता और गुणवत्ता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षा के स्वरूप में तेजी से परिवर्तन हो रहा है, ऐसे में आधुनिक तकनीक, डिजिटल लर्निंग और कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना आवश्यक है। वहीं अपने संबोधन में कार्यक्रम संयोजक निमेष शुक्ला ने कहा कि शिक्षा संकल्प यात्रा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस पहल के जरिए शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने और हर वर्ग को इससे जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला विरोधी हैं ममता, माफ नहीं करेंगी बंगाल की माता-बहनें : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व मंत्री व पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी मंगल पांडेय ने ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए उन्हें निशाने पर लिया। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण बिल न पास होने का ठीकरा ममता की पार्टी टीएमसी पर फोड़ा। श्री पांडेय ने कहा कि बंगाल की निर्मम सरकार महिला विरोधी है। यहां महिलाओं के साथ हिंसक घटनाएं व अत्याचार के मामले देश भर में सबसे अधिक हैं। बंगाल की 'क्रूर सरकार' के खिलाफ राज्यभर में जन-आक्रोश है। अब बंगाल की जनता परिवर्तन के लिए तैयार है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को टीएमसी और कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया। पीएम मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण को नई दिशा मिलती। मगर ममता बनर्जी की महिला विरोधी मानसिकता ने उसे रोक दिया। बंगाल की महिलाएं 33 प्रतिशत आरक्षण चाहती थीं और पीएम मोदी ने इसे सुनिश्चित किया। टीएमसी को डर था कि अगर बंगाल की बेटियां बड़ी संख्या में विधायक और सांसद बन गईं तो उनके 'महा जंगलराज' का अंत हो जाएगा। इसीलिए टीएमसी और कांग्रेस ने मिलकर साजिश रची और महिलाओं को उनका हक मिलने से रोक दिया। श्री पांडेय ने कहा कि पीएम मोदी ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनगिनत कार्य किए हैं। यही कारण है कि देश के हर राज्य में बहनें और बेटियां भाजपा को सबसे अधिक आशीर्वाद देती हैं।

महिला आरक्षण बिल पारित नहीं होने के विरोध में एनडीए की लाखों महिलाएं सोमवार को पहुंचेंगी गांधी मैदान, दिखेगा आक्रोश

आक्रोश प्रदर्शन में शामिल महिलाओं को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे संबोधित : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। महिला आरक्षण विधेयक के संसद में पारित नहीं होने के बाद में एनडीए की महिलाएं आक्रोशित हैं। अब प्रदेश की महिलाएं अपने हक और अधिकार के इस विधेयक के पारित नहीं होने के विरोध में सड़क पर उतर रही हैं। बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में कल यानी सोमवार को लाखों की संख्या में महिलाएं एकत्रित होंगी और विपक्ष के खिलाफ जमकर आक्रोश प्रदर्शन करेंगी। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि इस आक्रोश प्रदर्शन में प्रदेश के सभी जिलों से लाखों की संख्या में एनडीए की महिला कार्यकर्ताओं के अलावा आम महिलाएं भाग लेंगी और संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने में रोड़ा अटकाने वाले विपक्ष के नेताओं से जवाब मांगेगी। उन्होंने कहा कि इस आक्रोश प्रदर्शन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी है। गांधी मैदान में एक भव्य मंच तैयार किया जा रहा है। प्रदेश भर से आई लाखों महिलाओं को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा एनडीए के कई दिग्गज नेता भी उन्हें संबोधित करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पारित नहीं होने को लेकर बिहार की आधी आबादी निराश और खुद को अपमानित महसूस कर रही है। कल गांधी मैदान में इन आक्रोशित महिला नेत्रियों का हुंकार इसी का प्रकटीकरण होगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में आम महिलाएं भी शामिल होंगी जो राजद और कांग्रेस से यह सवाल भी पूछेंगी कि उनकी घर की महिलाएं जब सांसद बन सकती है तो हम गांव की महिलाओं को इस हक और अधिकार से वंचित क्यों किया गया।

रूह की खुराक है साहित्य : प्रो अबु बकर रिजवी

वार्षिक पत्रिका संरचना का विमोचन, पटना में साहित्यिक ऊर्जा का संगम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच के तत्वावधान में रविवार को स्थानीय किलकारी बाल भवन, सैदपुर में लघुकथा पाठ-सह-लोकार्पण संध्या का सफल और भव्य आयोजन किया गया। लघुकथाकारों, साहित्यकारों, आलोचकों और साहित्य प्रेमियों की भारी संख्या ने इस कार्यक्रम को साहित्यिक उत्साह और रचनात्मकता से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं प्रख्यात शायर-आलोचक प्रो. अबु बकर रिजवी ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर लघुकथा-केंद्रित वार्षिक पत्रिका संरचना (संपादकः डॉ. कमल चोपड़ा) का विधिवत लोकार्पण हुआ।

इस अवसर पर प्रो. रिजवी ने कहा कि संरचना जैसी पत्रिकाएं लघुकथा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाली सेतु हैं जो रचनाकारों की संवेदनाओं को राष्ट्रव्यापी मंच प्रदान करती हैं। पत्रिका के संपादक डॉ कमल चोपड़ा के संपादकीय दृष्टिकोण और लघुकथा विधा के प्रति उसके समर्पण की उन्होंने भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं 'नई धारा' पत्रिका के संपादक प्रो. शिवनारायण ने 'संरचना' की सराहना करते हुए कहा ऐसी पत्रिकाएं रचनाकारों को न केवल मंच देती हैं, बल्कि लघुकथा को समकालीन मुद्दों से जोड़कर नई दिशा भी प्रदान करती हैं। लघुकथा का विस्तार आज आवश्यक है क्योंकि यह समाज की नब्ज को संक्षेप में पकड़ लेती है–चाहे वह पर्यावरण हो, लैंगिक असमानता हो या डिजिटल युग की चुनौतियां। उनके इस कथन ने उपस्थित श्रोताओं में उत्साह भर दिया। मंच के महासचिव डॉ. ध्रुव कुमार ने अपने स्वागत भाषण में लघुकथा की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा आज के दौर में लघुकथा सबसे सशक्त विधाओं में से एक है। यह कम शब्दों में गहन संवेदनाओं, सामाजिक विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों को व्यक्त करने की अद्भुत क्षमता रखती है। मंच इस विधा को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने के लिए कटिबद्ध है।

बिंदी से शुरू हुई कहानी, अब बन गई ग्लोबल टिकुली आर्ट की यात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार संग्रहालय में रविवार को 'संवादः टिकुली कला-कलाकारों की नजर में' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के प्रतिष्ठित कलाकारों ने भाग लेकर इस पारंपरिक कला की समृद्ध विरासत पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने किया। पद्मश्री अशोक कुमार विश्वास, राज्य पुरस्कार से सम्मानित शबीना इमाम, संतोष कुमार टिकुली कलाकार रुचि कुमारी और मनीषा कुमारी ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने बताया कि टिकुली कला बिहार की एक अत्यंत प्राचीन और विशिष्ट लोक कला है जिसकी शुरुआत लगभग 800 वर्ष पहले मानी जाती है। 'टिकुली' शब्द संस्कृत के 'टिका' से बना है जिसका अर्थ होता है माथे पर सजाया जाने वाला बिंदु या बिंदी। प्रारंभिक दौर में यह कला मुख्यतः कांच के टुकड़ों पर सोने की पॉलिश और नाजुक चित्रकारी के रूप में विकसित हुई थी जिसे विशेष रूप से महिलाओं के श्रृंगार के लिए उपयोग किया जाता था। कलाकारों ने बताया कि समय के साथ इस कला में कई बदलाव आए। महंगे कांच और सोने की जगह अब लकड़ी, हार्डबोर्ड और एनामेल रंगों का प्रयोग होने लगा है। आज टिकुली कला केवल बिंदी तक सीमित नहीं है, बल्कि ट्रे, कोस्टर, दीवार सज्जा, ज्वेलरी बॉक्स, कपड़े और अन्य सजावटी वस्तुओं पर भी इसका प्रयोग किया जा रहा है। प्रसिद्ध कलाकार पद्मश्री अशोक विश्वास ने बताया कि 1973 में मैट्रिक पास करने के बाद उपेंद्र महारथी संस्थान में टिकुली पेंटिंग के जरिये पेंटिंग तैयार किया करते थे जिसके कारण उन्हें हर बार नये-नये काम मिलते रहे। 1982 में नई दिल्ली में आयोजित एशियन गेम में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हाथों 5000 खिलाड़ियों को 4-4 यानी कुल 20,000 टिकुली पेंटिंग भेंट के तौर पर दी गयी थी। टिकुली कलाकार रुचि कुमारी ने कहा कि टिकुली कला को कैनवास से उतार कर वस्त्र पर तैयार किया है। इसके जरिये तैयार किये गये पोशाक अपने-आप में बेहद खास है। बिहार संग्रहालय में लगे प्रदर्शनी में इस पोशाक में धोती-गमछा पर टिकुली आर्ट के जरिये खास कलाकृति तैयार की गयी है। खासकर भागलपुर की तस्र सिल्क साड़ी पर टिकुली पेंटिंग का काम अनोखा काम किया गया है।

दिगम्बर जैन मंदिरों में अक्षय तृतीया धूमधाम से मनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पावन पर्व अक्षय तृतीया के अवसर पर पटना के श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मीठापुर, मुरादपुर, कमलदह, कालीबीबी का कटरा, गुरारा, खाजेकलां पंचायती दिगम्बर सहित सभी दिगम्बर जैन मंदिरों में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ अक्षय तृतीया पर्व मनाया गया। यह जानकारी देते हुए जैन संघ के मीडिया सचिव एम पी जैन ने बताया कि इस अवसर पर भगवान ऋषभदेव के प्रथम आहार ग्रहण दिवस के रूप में विशेष पूजन, अभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान से सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में हजारों श्रद्धालुओं एवं आमजन को इक्षु रस (गन्ने का रस) पिलाया गया। इस सेवा कार्य में समाज के युवाओं एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे। जैन समाज के एम पी जैन ने बताया कि अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है क्योंकि इसी दिन प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने एक वर्ष की कठोर तपस्या के पश्चात इक्षु रस से पारणा किया था। इसी परंपरा को निभाते हुए यह सेवा कार्य प्रतिवर्ष किया जाता है। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट विमाना और ऑपेरियन लांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एसएसआई मल्टी-स्पेशियल्टी रोबोटिक सर्जरी कांफ्रेंस 2026 के दौरान एसएस इन्नोवेशंस इंटरनेशनल ने अत्याधुनिक तकनीकों प्रोजेक्ट विमाना और प्रोजेक्ट ऑपेरियन का अनावरण किया। ये तकनीकें भविष्य की सर्जिकल और आपातकालीन चिकित्सा प्रणाली को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। तीन दिवसीय सम्मेलन में 1500 से अधिक डॉक्टरों और 250 विशेषज्ञों ने भाग लिया जहां रोबोटिक सर्जरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेली-सर्जरी पर चर्चा हुई तथा लाइव सर्जरी का प्रदर्शन किया गया। प्रोजेक्ट विमाना एक उन्नत बैटलफील्ड सर्जिकल सिस्टम है जो ड्रोन के माध्यम से आपात स्थिति में सर्जरी संभव बनाता है जबकि प्रोजेक्ट ऑपेरियन एक मोबाइल ऑपरेटिंग रूम सिस्टम है जिसे दूरदराज और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया जा सकता है। सम्मेलन में एसएसआई काया ह्यूमनॉइड एप्लिकेशन भी पेश किए गये जो स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, लॉजिस्टिक्स, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक क्षेत्रों में मानव क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि भारत तेजी से मेडटेक क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। वहीं एसएस इन्नोवेशंस के सीईओ डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने इन तकनीकों को सर्जिकल सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी के वृहद मेगा हेल्थ कैम्प में मरीजों ने जांच कराई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी राजेंद्र नगर रोड नंबर 7 के द्वारा निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन सोसाइटी के अस्पताल प्रांगण में प्रातः 10 बजे से किया गया जिसमें विभिन्न रोगों से ग्रसित करीब चार सौ से अधिक लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच कराई। सोसाइटी के अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की निःशुल्क जांच कराना तथा दवा उपलब्ध कराना था। बंसल ने बताया कि यह जांच शिविर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, न्यू बहादुरपुर, पटना के सौजन्य से किया गया। सचिव दिनेश अग्रवाल ने बताया कि इस जांच शिविर में 21 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच की गई। इनमें प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अभिनव एवं डॉ राजेश कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चारु मोदी, प्रसिद्ध एलर्जी रोग विशेषज्ञ डॉ गौतम मोदी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ श्रवण कुमार एवं कृष्ण केशव ठाकुर, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विनीत कुमार, जनरल फिजिशियन डॉ. पूनम नंदन, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक कुमार एवं डॉ शिल्पी अग्रवाल तथा डॉ प्रवीण कुमार, न्यूरो फिजिशियन डॉ हेमंत कुमार, होमियोपैथ के डॉ कन्हैया अग्रवाल, सीनियर न्यूरोथैरेपी विशेषज्ञ नितिन बहुगुणा, पैरालाइसिस विशेषज्ञ डॉ हिमांशु शेखर, एक्स रे डॉ शाहीन रिजवान सहित कुल 21 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को देखा। सबसे अधिक हड्डी एवं आंख के मरीजों ने अपना इलाज कराया।

संपादकीय

परिसीमन संवेदनशील मुद्दा, दक्षिण भारत के राज्यों की आशंका भी दूर करना जरूरी

तमिलनाडु में इस मसले पर व्यापक असंतोष उभर रहा है। तेलंगाना, कर्नाटक और केरल आदि राज्यों में भी परिसीमन में आबादी के आधार पर लोकसभा की सीटों में वृद्धि होने पर तीखे सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या दक्षिण भारतीय राज्यों को परिवार नियोजन को लेकर बेहतर प्रदर्शन का खमियाजा उठाना पड़ रहा है। एक संवेदनशील मुद्दे पर देश के अलग-अलग राज्यों में इस स्तर के मतभेद पैदा नहीं होने चाहिए थे और इससे जुड़ी चिंताओं का समाधान वक्त की जरूरत है। इसमें कोई दोराय नहीं कि संसद में सीटों की संख्या में बढ़ोतरी समय की जरूरत हो सकती है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसमें बदलाव हो सकते हैं। मगर इस वर्ष परिसीमन की कवायद को लेकर कई सवाल उभरते दिख रहे हैं। खासतौर पर दक्षिण भारत के राज्यों की ओर से यह आशंका जताई जा रही है कि परिसीमन के ताजा प्रस्ताव के तहत जो प्रारूप सामने आया है, अगर वह अमल में आया तो यह व्यापक स्तर पर भेदभाव का कारण बनेगा। हालांकि इस तरह के कदम उठाने से पहले देशभर में सर्वसम्मति कायम करने की अपेक्षा की जाती है, ताकि राज्यों के बीच मतभेद न उपजे, लेकिन परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार की पहल के बाद तमिलनाडु में जिस तरह का विरोध उभर रहा है, उससे कई सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन की कवायद के खिलाफ विरोध को तेज करते हुए इससे संबंधित विधेयक की प्रति जला कर और काला झंडा दिखा कर पूरे राज्य में आंदोलन की शुरुआत कर दी। इससे पहले स्टालिन ने यहां तक कहा था कि तमिलनाडु की चिंता को दूर किए बिना अगर परिसीमन को आगे बढ़ाया गया, तो राज्य में एक समय चले हिंदी विरोधी आंदोलनों जैसी स्थिति बन सकती है।निश्चित रूप से एक संवेदनशील मुद्दे पर देश के अलग-अलग राज्यों में इस स्तर के मतभेद पैदा नहीं होने चाहिए थे और इससे जुड़ी चिंताओं का समाधान वक्त की जरूरत है। मगर हैरानी की बात यह है कि क्या केंद्र सरकार को इसका आभास नहीं था कि लोकसभा में सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के क्रम में उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच जिस तरह का असंतुलन पैदा होने वाला है, उससे कई स्तर पर असंतोष उभर सकता है! दरअसल, सरकार परिसीमन को महिला आरक्षण के साथ जोड़ कर पेश करने का प्रयास कर रही है, ताकि इसे लेकर उठने वाली आपत्तियों को कमजोर किया जा सके।मगर विपक्षी दलों की ओर से ऐसे सवाल उठाए जा रहे हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग राज्यों में लोकसभा की सीटों में बढ़ोतरी संसद के समीकरण में वैसे राज्यों को मजबूत स्थिति में खड़ा करेगा, जहां भारतीय जनता पार्टी ताकतवर है। सीटों के फिर से बंटवारे के क्रम में जो नया समीकरण बनेगा, उसमें दक्षिण भारत के राज्यों के प्रतिनिधित्व और अधिकारों में काफी कमी आने की आशंका जताई जा रही है। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे कई राज्यों की नुमाइंदगी में काफी बढ़ोतरी हो जाएगी।शायद यही वजह है कि तमिलनाडु में इस मसले पर व्यापक असंतोष उभर रहा है। तेलंगाना, कर्नाटक और केरल आदि राज्यों में भी परिसीमन में आबादी के आधार पर लोकसभा की सीटों में वृद्धि होने पर तीखे सवाल उठाए जा रहे हैं।

आधी आबादी बनाम आधी सोच- सदन में ठहरा न्याय

आधी आबादी बनाम आधी सोच- सदन में ठहरा न्यायलोकतंत्र केवल बहुमत का खेल नहीं, वह मूल्य और मर्यादा का विधान भी है। और जब वही लोकतंत्र उस प्रस्ताव के सामने ठहर जाए, जो आधी आबादी को निर्णय के केंद्र में स्थापित करने का साहस रखता हो, तब प्रश्न केवल एक विधेयक का नहीं, उस सोच का होता है, जो परिवर्तन से कतराती है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए आवश्यक संविधान संशोधन बिल का सदन में पारित न हो पाना एक राजनीतिक घटना भर नहीं है, यह उस मानसिकता का अनावरण है, जो नारी के सम्मान की बातें तो करती है, पर उसे सत्ता-संरचना में वास्तविक स्थान देने से हिचकती है।

(प्रणय विक्रम सिंह)

भारतीय संस्कृति में नारी केवल शक्ति नहीं, बल्कि 'मेधा' और 'लोक-मंगल' की अधिष्ठात्री रही है। यह वही भूमि है जहां गार्गी प्रश्न करती हैं, मैत्रेयी ज्ञान को सर्वोपरि मानती हैं और द्रौपदी सत्ता से धर्म का उत्तर मांगती है। ऐसे देश में नारी के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सीमित रखना केवल विरोधाभास नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विस्मरण है। 'नारी वंदन अधिनियम' उसी सनातन संस्कार का आधुनिक संसदीय रूप था, जहां परंपरा नीति में रूपांतरित होती और श्रद्धा व्यवस्था में प्रतिष्ठित होती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह केवल एक राजनीतिक पहल नहीं थी, बल्कि एक व्यापक दृष्टि का विस्तार थी, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का स्वाभाविक उत्कर्ष, जिसमें नारी केवल सहभागी नहीं, बल्कि सह-निर्माता बनती है। जनधन, उज्ज्वला, शौचालय, मातृत्व सुरक्षा और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जो आधार निर्मित हुआ, वही इस अधिनियम में अपनी तार्किक परिणति पाता।

परंतु संसद में जो हुआ, वह केवल एक विधेयक का रुकना नहीं है, यह भारत की वैचारिक परंपरा के साथ एक विचलन का क्षण है।

ज्ञातव्य है कि महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत, अर्थात 352 मतों की आवश्यकता थी। किंतु इसके पक्ष में मात्र 298 मत ही प्राप्त हो सके, जबकि 230 सांसदों ने इसका विरोध किया और इसी के साथ यह ऐतिहासिक अवसर अधूरा रह गया।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के तर्क न केवल विरोधाभासी थे, बल्कि वे इस मूल प्रश्न से भी विमुख दिखाई दिए कि क्या नारी को समान प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए या नहीं। वैसे भी मातृशक्ति को अधिकार देने के मामलों में कांग्रेस हमेशा पीछे हटी है। शाहबानो मामले में पीछे हटी, ट्रिपल तलाक में पीछे हटी और अब महिला आरक्षण में भी पीछे हट गई।

वहीं समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने तुष्टीकरण की एक नई रेखा खींचते हुए महिला आरक्षण के भीतर अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए पृथक कोटा की मांग कर दी। यह मांग न केवल व्यावहारिक दृष्टि से असंगत है, बल्कि सिद्धांततः भी संविधान की मूल भावना के प्रतिकूल है। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था को स्वीकार नहीं करता है।

संसद में केवल एक प्रस्ताव नहीं ठहराज ठहर गया डॉ. भीमराव आंबेडकर का वह संवैधानिक स्वप्न, जिसमें समानता केवल शब्द नहीं, अधिकार थी।

डॉ. राम मनोहर लोहिया का वह सामाजिक संघर्ष ठहर गया, जो स्त्री-पुरुष समानता को लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त मानता था।जयप्रकाश नारायण का वह लोकनैतिक आग्रह ठहर गया, जिसमें सत्ता को समाज के प्रति उत्तरदायी होना था।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की वह कल्पना भी ठहर गई, जिसमें नारी को नैतिक नेतृत्व का केंद्र माना गया था। और यह केवल उत्तर भारत की चेतना नहीं थी, दक्षिण की धरती पर सावित्रीबाई फुले के संघर्ष से लेकर पेरियार के सामाजिक विद्रोह तक, नारायण गुरु के समता संदेश से लेकर किट्टूर रानी चेनम्मा के साहस तक, हर धारा ने नारी को केवल सहायक नहीं, बल्कि परिवर्तन का अग्रदूत माना। वे सब हार गए क्योंकि उनका मूल विश्वास यही था कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक उसमें नारी की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित न हो।

दुर्भाग्य यह रहा कि विपक्ष ने इस ऐतिहासिक अवसर को अपनी संकीर्ण राजनीति की भेंट चढ़ा दिया। जिस विषय पर राष्ट्र एकमत हो सकता था, वहां विरोध केवल असहमति नहीं, बल्कि उस परिवर्तन के प्रति भय का संकेत है, जो स्थापित समीकरणों को तोड़ देता है। यह विरोध तर्क का नहीं, सत्ता के संरक्षण का था।

यह दृश्य अनायास ही महाभारत की उस सभा की स्मृति जगा देता है जहां द्रौपदी प्रश्न कर रही थी और सत्ता मौन थी। उस दिन केवल दुशासन दोषी नहीं था, वह मौन भी दोषी था, जिसने अन्याय को होने दिया। आज भी प्रश्न वही हैज क्या हम फिर उसी मौन के सहभागी बन रहे हैं?

यह केवल विधेयक का गिरना नहीं था, यह उस अवसर का चूकना था, जहां भारतीय लोकतंत्र स्वयं को और अधिक समावेशी और संतुलित बना सकता था। यह उस विश्वास पर आघात था, जो करोड़ों महिलाओं ने इस आशा के साथ जोड़ा था कि अब उनकी आवाज निर्णयों में दिखाई देगी।

परंतु इतिहास साक्षी है कि भारत में नारी कभी पराजित नहीं होती। प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने इस विषय को जिस स्पष्टता और दृढ़ता से उठाया है, वह यह सिद्ध करता है कि यह संघर्ष रुकने वाला नहीं है। क्योंकि यह किसी दल का नहीं, भारत की आत्मा का प्रश्न है।

अब प्रश्न है कि इस संशोधन अधिनियम की सियासी बिसात पर कौन जीता? विपक्ष भले ही अपनी जीत का जश्न मना रहा हो किंतु इस बिसात पर चित और पट दोनों ही पक्ष भाजपा के साथ दिखाई देते हैं।

ध्यातव्य है कि यदि विधेयक लोकसभा में पारित हो जाता, तो यह नारी सशक्तीकरण की ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में भाजपा के खाते में जाता और अब जब यह ठहर गया है, तब विपक्ष का नारी विरोधी चरित्र उजागर हो गया है।

पार्टी ने इस मुद्दे को तुरंत जनआंदोलन का रूप देते हुए अपनी महिला सांसदों को आगे किया है, धरना-प्रदर्शन शुरू हो चुके हैं और विपक्ष पर सीधे हमले तेज़ हो गए हैं। यह मुद्दा भावनात्मक हो गया है। आधी आबादी की संसद से सड़क तक पीड़ा दिखने लगी है। स्थिति यह है कि विपक्ष, विधेयक को रोककर भी सहज नहीं है। उसके नेता भले ही अपनी 'रणनीतिक जीत' पर संतोष व्यक्त कर रहे हों, लेकिन जनमानस में उठ रहे प्रश्न और भाजपा की आक्रामक रणनीति ने उन्हें रक्षात्मक स्थिति में ला खड़ा किया है।

आश्चर्य होता है कि लोकसभा चुनाव के समय जो दल 'संविधान बचाने' की दुहाई दे रहे थे, उन्होंने ही डॉ. आंबेडकर के संवैधानिक स्वप्न (समानता) का गला घोंटा है। विपक्ष का असाधारण दोहरापन एक बार फिर बेनकाब हो गया।

विदित हो कि जब-जब इतिहास ने कठिन प्रश्न खड़े किए हैं, तब-तब इसी परंपरा ने उत्तर दिया है। धारा 370 का अंत हो, 35ए का निष्कासन, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का स्वप्न साकार होना या सीएए जैसा साहसिक निर्णयज हर बार असंभव को संभव करने का संकल्प इसी विचारधारा ने निभाया है।

अब पुनः वही क्षण है।

आधी आबादी को नेतृत्व में भागीदारी अब केवल एक विधेयक का प्रश्न नहीं रहा, यह राष्ट्रव्यापी जनचेतना का विषय बन चुका है।

सदन भले ठहर गया हो पर समाज चल पड़ा है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

व्यवस्था का कड़वा सच- ईमानदार लोग ही क्यों पड़ जाते हैं अकेले

(तोमर सिंह)

हर सफल संस्था की रीढ़ ईमानदार और परिश्रमी लोगों से बनती है। किसी दफ्तर, विद्यालय या शासन व्यवस्था की गाड़ी उन गिने-चुने लोगों के श्रम, निष्ठा और जिम्मेदारी से चलती है, जो अपने कर्तव्य को धर्म समझते हैं। ऐसे लोग बिना किसी पुरस्कार या प्रशंसा की अपेक्षा के अपने हिस्से का काम पूर्ण मनोयोग से करते हैं। इन्हीं लोगों के परिश्रम के कारण ही कई खोटे सिक्के भी सहजता से चल जाते हैं। वे जानते हैं कि संस्था की साख इन ईमानदार लोगों से बनी है, इसलिए खोटे कर्मचारियों के दोष उसी उज्ज्वल साख की परछाई के पीछे छिप जाते हैं।

एक कहावत है कि खोटे सिक्के खरे सिक्कों की आड़ में चल पाते हैं। यह तथ्य केवल बाजार या मुद्रा तक सीमित नहीं, यह तो जीवन के हर क्षेत्र में लागू होती है। वैसे सरकारी दफ्तरों का उदाहरण देखा जा सकता है, जहां असंख्य खरे सिक्के भी हैं, ईमानदार, कर्मठ, जिम्मेदार कर्मचारी, पर इनको अक्सर खोटे सिक्कों के साथ सहअस्तित्व बना कर चलना पड़ता है। ये राष्ट्र की सेवा का भाव लेकर काम करते लोग, अपने काम को साधना समझते लोग, सुबह समय पर पहुंचते लोग, समय से फाइलें निपटाते लोग, घर लौटते समय यह संतोष रखते हैं कि आज का दिन निष्कलंक गया, फलदायी गया। मगर यथार्थ में ऐसे लोग ही धीरे-धीरे सबसे अधिक अकेले पड़ जाते हैं, क्योंकि वे व्यवस्था के 'गैरलिखित नियमों' को नहीं जानते। वह नियम, जो कहता है कि यहां काम से नहीं, जनसंपर्क से, कुशल व्यवहार से हर गति है।

धीरे-धीरे ये खरे सिक्के यह महसूस करते हैं कि उसकी चमक आसपास के लोगों की आंखों को चुभती है। उसके खिलाफ एक अनकही अस्वीकार्यता का वातावरण तैयार हो जाता है। नतीजतन, उसे अलग-थलग कर दिया जाता है। उसके उत्साह को 'दिखावा' उसके परिश्रम को बेमानी कहा जाता है। मनुष्य का मनोविज्ञान यही है, जिसके श्रम के कारण हमारी सुस्ती प्रकाश में आए, उसके श्रम को ही असहज बना दिया जाए। धीरे-धीरे वही होता है, जो नहीं होना चाहिए। औसतपन एक आदर्श बन जाता है और जिस आदर्श कार्यशैली से सबको प्रेरणा लेनी चाहिए थी, वह बुझती हुई खंभा-बत्ती बन कर रह जाती है। इस प्रवृत्ति की वजह से किसी भी संस्थान के संवेदनशील न होने का पता चलता है, एक विचित्र दांवपेच को बढ़ावा मिलता है, योग्य और सक्षम लोगों को दरकिनार होना पड़ता है, लेकिन इसका खमियाजा समूचे संस्थान को उठाना पड़ता है। इसके बावजूद समाज को इस प्रकृति से बहुत ज्यादा गुरेज नहीं होता। सरकारी तंत्र में तो यह प्रवृत्ति और गहरी है। वहां समय के साथ 'खोटे सिक्के' एक-दूसरे के लिए कवच बन जाते हैं। वे एक-दूसरे की गलतियां ढकते हैं, एक-दूसरे की उपस्थिति को आवश्यक बनाते हैं। जबकि जो 'खरे' हैं, वे अपने ही ईमान की सजा भुगतते हैं। कोई भी उन्हें खुलकर बुरा नहीं कहता, बस उनके आसपास एक अजीब-सी चुप्पी बुन दी जाती है। यह एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक बहिष्कार है, सूक्ष्म और घातक। इसके असर का अंदाजा लगाना क्या इतना मुश्किल है? मनुष्य का मन सदैव समूह की स्वीकृति चाहता है। इसलिए वह अपने अंतर्मन की सच्चाई के बजाय समूह के मानदंडों को सत्य मानने लगता है। जब औसतपन एक आदर्श बन जाता हो, तो अपनी क्षमता पर संदेह होना स्वाभाविक है। मनुष्य सबसे अधिक सहज तब होता है, जब उसे अपने गलत होने का डर नहीं रहता। यही बात कार्यालयों पर भी लागू होती है। वहां जो व्यक्ति नियम तोड़ता है, यह जानता है कि वह अकेला नहीं। काम करने वालों की अपेक्षा काम न करने वाले सदैव संख्या में अधिक रहेंगे। यही संख्या बल का आत्मविश्वास उसे निर्भीक बनाता है, और यही निर्भीकता ईमानदारों की असहजता का कारण बनती है। एक उदाहरण देखा जा सकता है। किसी दफ्तर में दो कर्मचारी हैं। पहला हर महीने समय पर फाइलें पूरी करता है, किसी से रिश्वत नहीं लेता। दूसरा काम टालता है, कभी किसी की फाइल रोक देता है, कभी 'चाय पानी की भाषा' में बात करता है। मगर जब अहम वक्त आता है, तो दूसरे वाले की 'मिलनसार प्रवृत्ति' और 'सामाजिक बुद्धिमत्ता' की तारीफ की जाती है। जबकि वास्तविक रूप में कार्य करने वाले की अच्छाई केवल तब तक अच्छी लगती है, जब तक वह दूसरों को आईना नहीं दिखाती।खोटे सिक्के चल पाते हैं, क्योंकि उनका चलन सामूहिक समझौते से बनता है। कोई उन्हें रोकता नहीं, क्योंकि हर कोई कहीं-न-कहीं वैसा थोड़ा-थोड़ा बन चुका होता है। व्यवस्था में इसे 'मौन सहमति' प्राप्त होती जाती है। धीरे-धीरे यह स्थिति इतनी सामान्य हो जाती है कि खरे सिक्के स्वयं को अनुपयोगी समझने लगते हैं।

कमजोर मानसून और आपदा प्रबंधन

हमारे देश में मानसूनी बरसात पर निर्भरता अधिक है। जहां खेती में मानसूनी बरसात की निर्भरता बहुत अधिक है तो दूसरी और पेयजल को लेकर भी मानसून पर निर्भरता अधिक है। जलाशयों में पानी के भण्डारण और भूजल स्तर भी बरसाती पानी पर ही निर्भर है। हमारी खेती मुख्यतः मानसून पर निर्भर हैं। आगामी मानसून को लेकर के पहला पूर्वानुमान जारी करने के साथ ही मौसम विभाग ने आने वाले मानसूनी सत्र में सामान्य से कम बरसात के संकेत दे दिए हैं। हांलाकि अभी मानसून के पूर्वानुमान और भी जारी किये जाएंगे पर यह आरंभिक सूचना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सामान्य से 8 फीसदी तक कम बरसात की संभावना जताई गई है। देश के कई हिस्सों में कम बरसात होने के संकेत है तो कुछ हिस्सों में सामान्य बरसात भी हो सकती है। माना जा रहा है कि अल नीनो इफेक्ट के चलते मानसून कमजोर रहेगा। यह भी सही है कि हमारे मौसम मंत्रालय द्वारा जारी पूर्वानुमान अब काफी हद तक आसपास रहने लगे हैं। यहां तक कि दो से तीन घंटों में बरसात होने या आंधी तूफान या ओलावृष्टि तक के पूर्वानुमान खरे उतरने लगे हैं। ऐसे में मौसम विभाग के पूर्वानुमानों को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्यों की सरकारों को अभी से पूर्व तैयारियां करने में जुट जाना चाहिए। खासतौर से आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से भावी रणनीति तय करनी होगी। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है जिसके अनुमानों के अनुसार 81 सेमी तक रहने की आशंका है। पूर्वानुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले आठ सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देष में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है।

हमारे देश में मानसूनी बरसात पर निर्भरता अधिक है। जहां खेती में मानसूनी बरसात की निर्भरता बहुत अधिक है तो दूसरी और पेयजल को लेकर भी मानसून पर निर्भरता अधिक है। जलाशयों में पानी के भण्डारण और भूजल स्तर भी बरसाती पानी पर ही निर्भर है। हमारी खेती मुख्यतः मानसून पर निर्भर हैं। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कमी के कारण मानसून पर खेती 55 से 64 प्रतिशत निर्भर है। पीने के पानी की समस्या भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती है। हमारे यहां मानसून का समय जून से सितंबर तक का रहता है। अब सवाल उठता है कि पिछले सालों में मानसून सामान्य से अच्छा रहने के बावजूद कमजोर मानसून की स्थिति से निपटने में हमारी तैयारी कोई अच्छी नहीं मानी जा सकती। अत्यधिक भूजल दोहन और जल संचयन की दीर्घकालीक नीति के अभाव में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हो पाये हैं। ऐसा नहीं है कि नीति नहीं बनती हो या ऐसा भी नहीं है कि जल संचयन के प्रयास नहीं होते हो पर जो परिणाम देखने में आए हैं वह कोई आशाजनक नहीं माने जा सकते। पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की बात करना तो हमारे यहां बेमानी ही रही है। प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण व संधारण में भी हम कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा हमारे यहां दुर्भाग्यजनक बात यह है कि तात्कालिक प्रयास होते हैं। शहरीकरण की आड़ में प्राकृतिक जल स्त्रोत या तो नष्ट हो गए हैं या उनमें बरसात के पानी जाने के रास्ते अवरुद्ध या बंद हो गए हैं। नदी नालों के रास्ते या तो बंद हो गए हैं या अवरुद्ध हो गए हैं। बरसात के पानी के जलाशयों में रास्तों में अनधिकृत कब्जें, निर्माण और रिसोर्ट बना दिए है। एक समय ऐसा भी आया कि जब विशेषज्ञों ने

बरसात के पानी जाने के रास्तों में जगह जगह एनिकट बनाने की सलाह दे ड़ाली और छोटे छोटे एनिकट बनने से नदियों-जलाशयों में पानी की आवक प्रभावित हो गई। इससे तात्कालीक यानी कि एनिकटों में पहले पानी एकत्र तो हुआ पर बाद में इनका रख रखाव नहीं होने से दोहरा नुकसान हुआ। इसी तरह से वर्षा जल संचयन के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए सरकार ने अरबों रुपये खर्च किये पर उनके निर्माण के आंकड़ें पूरे करने के चक्कर में हम भूल गए कि बरसात के पानी इनमें कितना व कैसे जा पाएगा। फिर बरसात से पहले इनकी देखरेख पर भी ध्यान नहीं देने से जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल सके हैं। एक और हमारे दैनिक उपभोग में भी पानी का उपयोग अधिक बढ़ा है आज पेयजल से कई गुणा अधिक पानी टायलेट और कुलरों में उपयोग होने लगा है। समय रहते टायलेट में कम पानी के उपयोग की कोई राह निकाली जाती तो हालात में सुधार ही होता। इसी तरह से देशभर में वाटर ट्रिमेंट सिस्टम लगाने का अभियान चला पर इनके परिणाम भी ज्यादा अच्छे नहीं देखे जा रहे है। रिसाइकिल पानी को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति तय हो तो कुछ हद तक समाधान हो सकता है। खैर यह तो हालात की तस्वीर है।

सौ टके का सवाल यह है कि कमजोर मानसून के हालात से निपटने की कार्ययोजना हमें अभी से बनानी होगी। मौसम विभाग ने अप्रेल में यह चेतावनी दे दी है। मानसून जून में आएगा। ऐसे में अभी मई का महीना हमारे पास है। अभी से सरकार को कमर कसनी होगी। कमजोर मानसून के हालात में हमें कम पानी से अधिक बेहतर हालात बनाने के प्रयास करने होंगे। इसके लिए जहां पानी की एक एक बूंद को सहेजने की रणनीति तैयार करनी होगी वहीं कृषि मंत्रालय को खरीफ के लिए इस तरह की रणनीति बनानी होगी जिसमें कम पानी के उपयोग से बेहतर फसल तैयार होने वाली फसलों और किस्मों के लिए किसानों को प्रेरित हो सके। खेती किसानी भी प्रभावित ना हो और पैदावार भी अच्छी हो इसकी रणनीति बनानी होगी। अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती ना करने के लिए किसानों को उत्साहित करना होगा। इसी तरह से जलाशयों, बांधों में उपलब्ध पानी का प्रबंधन योजनाबद्ध तरीके से करना होगा। अभी से आमजन को पानी के अपव्यय को रोकने के लिए प्रेरित करना होगा। कहने का अर्थ है कि जब आने वाले हालात की तस्वीर हमारे सामने कमोबेस आ चुकी है तो फिर समय रहते इस तरह की रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून में भी हमारी जल प्रबंधन क्षमता बेहतर रह सके। आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से संबंधित मंत्रालयों खासतौर से कृषि, जल आपूर्ति करने वाले विभागों, बांधों एवं जलाशयों का प्रबंधन करने वाले विभागों, जल संसाधन विभागों से समन्वय बनाकर रणनीति तैयार करनी होगी। इसके साथ ही आमजन को भी पानी के उपयोग को लेकर अधिक सजग और जिम्मेदार नागरिक के रुप में भूमिका निभानी होगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

आतंकी गिरोह से संलिप्तता के आधार पर कटिहार निवासी दिल्ली से गिरफ्तार

कटिहार (नबिटासं)। जिले के मनिहारी नवाबगंज बालू टोला से मो. सोहेल से पूछताछ को लेकर दिल्ली पुलिस, आईबी की टीम व स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम 10 अप्रैल रात संयुक्त कार्रवाई की थी।प्रारंभिक पूछताछ के बाद 11 अप्रैल की सुबह मो. सोहेल को छोड दिया गया था। लेकिन दिल्ली पुलिस व आईबी की टीम मो. सोहेल के पिता मुमताज, उनकी बहन एवं सोहेल का मोबाईल फोन जप्तकर अपने साथ ले गयी थी। जांच दल ने मो. सोहेल को 14 अप्रैल को दिल्ली बुलाया था। प्रथम दृष्ट्या कंटरपंथी वीडियो व अन्य संदिग्द्ध राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने

को लेकर इसकी गिरफ्तारी की गयी है। सोसल मीडिया के माध्यम से युवाओ को उसकाने व फंडिंग करने का आरोप है। सोसल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी विचारधारा फैला रहे थे। पेशे से प्लंबर मो. सोहेल अपने अन्य सयोगियों के साथ मिलकर रिमोट कंट्रोल से चलनेवाला आईईडी बम बनाने की कोशिश मे थे। इनके पास से बाल बैरिंग, खिलोने कार जैसे आईईडी बनाने के सामान मिले हैं। दिल्ली मे धमाके की थी तैयारी - लाल किला एवं इण्डिया गेट की कर चुके थे रेकी। मो. सोहेल की मां आंगुरी खातून को अपने मनसूबे की भनक तक नहीं है। जानकारी दी कि उसके बेटे की उम्र 20-21 वर्ष है. वह स्थानीय हाई स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा वर्ष 2021 मे पास की है. वह प्लंबर का काम करता था। वह कभी दिल्ली नहीं गया. घर से भाग कर बंगलोर गया था। जहां तबियत बिगडने की वजह से 10-12 दिन मे ही वापस आ गया था। मो सोहेल को दो भाई एवं एक बहन भी है।

14 साल की लड़कियों को ग्राडाशील वैक्सीन लेने के लिए किया गया प्रेरित

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहनपुर, मध्य विद्यालय मोहनपुर एवं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय साहबनगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही के द्वारा 14 वर्ष पूरे हुए एवं 15 वर्ष से कम उम्र के छात्राओं को ग्राडाशील वैक्सीन लेने

की अपील प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अनवर आलम ने किया। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर प्रेमराज ने कहा कि संडे एवं हॉलीडे को छोड़कर प्रत्येक दिन यह टीका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में लगाया जा रहा हैं 14 वर्ष पूरे किए लड़कियां इस वैक्सीन को ले। साथ ही प्रत्येक मध्य एवं उच्च विद्यालय में इस वैक्सीन को लेने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया जा रहा हैं । उन्होंने कहा कि यह टीका खास करके लड़कियों के लिए फायदेमंद है। इससे सर्विलांस कैंसर होने की संभावना समाप्त हो जाती हैं। जो लड़कियां एचपीभी का प्रथम वैक्सीन नहीं लिए हैं। वे ग्राडाशील वैक्सीन ले सकते हैं।

होमगार्ड हत्याकांड का मुख्य आरोपी सुनील यादव गिरफ्तार

बरारी /कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड के सेमापुर थाना क्षेत्र के काबर पंचायत अंतर्गत झाड़ी टोला में हुए निलंबित होमगार्ड उमेश यादव की हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सुनील यादव को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से ही पुलिस लगातार आरोपी

की तलाश में छापेमारी कर रही थी। थानाध्यक्ष रामशंकर कुमार अपर थाना अध्यक्ष अमरेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रघु चौक इलाके में छापेमारी अभियान चलाया गया। जहां से आरोपी सुनील यादव को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। जिससे घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। बीते दिनों देर रात भूमि विवाद को लेकर झाड़ी टोला में विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। इसी दौरान निलंबित होमगार्ड उमेश यादव पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी और परिजनों में कोहराम मच गया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। आखिरकार पुलिस को सफलता मिली और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

बारसोई में दो दर्जन से अधिक लोग घायल

बारसोई /कटिहार (नबिटासं)। बारसोई प्रखंड क्षेत्र में रविवार को एक पागल कुत्ते के आतंक से अफरा-तफरी मच गई। कुत्ते ने अलग-अलग गांवों में घूम-घूमकर दो दर्जन से अधिक महिला,पुरुष एवं बच्चों को काटकर जख्मी कर दिया। सभी घायलों का इलाज अनुमंडल अस्पताल बारसोई में किया गया। जहां उन्हें एंटी रेबीज के टीके लगाए गए।घायलों में कशिपारा के मो. शहादत (22), जौहरपुर के मो. सादिक (60), हाफिज (10), बघवा के साहब (9), जौहरपुर की इस्मत आरा (22), बालूपाड़ा की मसीफा खातून (45) समेत कई अन्य शामिल हैं।ग्रामीणों ने बताया कि रविवार सुबह करीब 6 बजे से ही कुत्ता उग्र अवस्था में विभिन्न गांवों में घूमते हुए लोगों पर हमला कर रहा था, जिससे क्षेत्र में

भय का माहौल बन गया। कई लोग अचानक हुए हमले से संभल नहीं पाए और घायल हो गए।अनुमंडल अस्पताल बारसोई के चिकित्सक डॉ. राजीव नयन प्रसाद ने बताया कि सभी जख्मी लोगों का प्राथमिक उपचार कर एंटी रेबीज टीका लगाया गया है। उन्होंने कहा कि कुत्ता काटने के बाद पांच डोज का टीकाकरण बेहद जरूरी है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही जानलेवा हो सकती है। सभी मरीजों को निर्धारित समय पर अस्पताल आकर पूरा टीकाकरण कराने की सलाह दी गई है।

दिव्यांग छात्राओं को डीएम ने दी ट्राइसाइकिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसनगंज (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के बलुआ पंचायत के भारीडीह गांव से एक सराहनीय और मानवीय पहल सामने आया है। यहां एक दिव्यांग स्कूली छात्रा नेहा कुमारी को जिला प्रशासन की ओर से बड़ी राहत मिली है। जानकारी के अनुसार नेहा कुमारी को दिव्यांगता के कारण स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जिससे उसकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। जैसे ही इस बात की सूचना जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी को मिली। उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपनी टीम को छात्रा का पता लगाने का निर्देश दिया।

प्रशासन की तत्परता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महज 12 घंटे के भीतर नेहा को ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी गई। रविवार को जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी स्वयं भारीडीह गांव

पहुंचे और छात्रा को ट्राइसाइकिल सौंपते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने नेहा का हौसला बढ़ाते हुए उसे नियमित रूप से पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया।इस पहल को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए जिला पदाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी और दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग को निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर जिले के सभी स्कूलों से दिव्यांग बच्चों की रिपोर्ट तैयार की जाए। इसके बाद मिशन मोड में अभियान चलाकर ऐसे सभी जरूरतमंद बच्चों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।प्रशासन का उद्देश्य है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तेजी से और सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।इस अवसर पर बलुआ पंचायत के मुखिया कंदलाल मुर्मू सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने इस त्वरित और संवेदनशील पहल की सराहना की।

आईजी के सख्त निर्देश का असर पकड़ में आए दो स्मैक तस्कर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

- जांच के दौरान पांच सौ ग्राम स्मैक कार से बरामद
- पुलिस की सक्रियता से इसके पहले भी अम्बेदकर चौक पर पकड में आया था स्मैक तस्कर

मनिहारी (कटिहार)। रविवार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मनिहारी अम्बेदकर चौक पर वाहन जांच के दौरान एक कार से तकरीबन पांच सौ ग्राम स्मैक बरामद की है।अन्तराष्ट्रीय बाजार

मे इसकी कीमत पचास लाख होने का अनुमान है। सूचना पर मौके पर पहुंचे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल से नदी मार्ग से नाव के सहारे स्मैक की बडी खेप मनिहारी घाट की ओर बढ रही है। मिली सूचना के आलोक में मनिहारी थाना के एसआई अमित कुमार राय, एसआई आशिष कुमार, एएसआई संतोष कुमार ने बिना समय गवांये मनिहारी अम्बेदकर चौक पहुंचकर वाहनों की सघन जांच आरंभ की। इसी क्रम मे बीआर 11बी बीभी 2088 नम्बर की कार की जांच के दौरान थैले के अन्दर दो प्लास्टिक की थैली में छुपाकर रखे गये स्मैक 500 ग्राम पुलिस ने बरामद की।

पुलिस ने स्मैक तस्करी के आरोप में उस पर सवार दो युवक की पहचान फरियाद आलम (35) पिता अब्दूल रजा कुम्हरा, थाना रौतारा एवं मुर्तजा अली (33) पिता स्व अबदूर काहिर सिमरिया थाना कोढा जिला कटिहार निवासी के रुप में की है। पुलिस ने दण्डाधिकारी रामसागर पासवान की उपस्थिति में वाहन जांच की प्रक्रिया पूरी करते हुए स्मैक तस्करी में उपयोग मे लायी गयी काले रंग की कार को जप्त करते हुए अपनी अभिरक्षा मे थाने ले गयी। साथ ही पकडे गये दोनो स्मैक तस्कर से आगे की पूछताछ में जूट गयी है। मौके पर पहुंचे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद कुमार ने जानकारी दी कि पश्चिम बंगाल से स्मैक की तस्करी मनिहारी घाट से रिसीव कर इसे जिले के अन्य भागों में खपाने की योजना तस्करों की थी। लेकिन पुलिस की सक्रियता से धर दबोचे गये। शुक्रवार को मनिहारी थाना निरीक्षण के लिए पहुंचे पूर्णियां प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक डा विवेका नंद ने युवाओं में बढते सुखे नशे की प्रवृति और इसकी बढती तस्करी को चुनौती बताया था। जानकारी दी थी कि सूखे नशे की तस्करी के स्रोत पर प्रभावी नियंत्रण के सख्त निर्देश सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को दिये गये हैं।

प्रगणकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। नगर पंचायत सभागार में रविवार को जनगणना कार्य को सफल बनाने के उद्देश्य से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ नगर कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक कार्य है,जिसके तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की प्रक्रिया को लेकर पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा 33 बिंदुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक बैच

में 32-32 प्रगणक शामिल हैं। पहला बैच 19 से 21 अप्रैल तक तथा दूसरा बैच 22 से 24 अप्रैल तक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।उन्होंने लोगों से अपील की कि नागरिकों की सुविधा के लिये सेल्फ एन्यूमरेशन पोर्टल विकसित किया गया है। जिसके माध्यम से अपने मोबाइल नंबर से लॉगिन कर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार,मास्टर ट्रेनर रूप कुमार मंडल, संजीव भूषण प्रसाद सहित नपं सहायक आनंद कुमार व अन्य कर्मी उपस्थित रहे ।

अलग-अलग कांडों के दो आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार) । पुलिस ने थाना क्षेत्र के दो अलग अलग कांडों के वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि कुमारीपुर माराटोला निवासी मनिहारी थाना कांड संख्या 44/2026 में हत्या के प्रयास का वांछित आरोपी जीवन श्रृषि को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दूसरी ओर मनिहारी नगर क्षेत्र से नाबालिग मासूम बच्ची से छेडछाड के आरोपी एक अधेड व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मनिहारी थाना कांड संख्या 112/26 मे इनकी आरोपी बनाया गया था।

आंधी-बारिश से 18 घंटे बिजली रही बाधित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। बीते रात्रि आयी आंधी और वर्षा से मनसाही परिक्षेत्र में व्यापक असर देखा गया। आंधी और वर्षा से किसानों को मकई एवं साग सब्जी के फसलों के साथ-साथ के ला,आम और लीची के फसल को भी जहाँ नुकसान

पहुंचा हैं। वहीं क्षेत्र में कई जगह बड़े-बड़े पेड़ गिरने एवं बिजली के पोल गिरने से काफी नुकसान हुआ हैं। इस कारण क्षेत्र में बिजली 18 घंटे तक बाधित रही। और उपभोक्ताओं को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

वहीं तैयार हो रहे केला की फसल पूरी तरीके से गिरकर बर्बाद हो गया हैं।फसलों के नुकसान को लेकर किसान चिंतित दिखे। और मुआवजे की मांग की।

अग्नि सुरक्षा को सिमराहा में मॉक ड्रिल, लोगों को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिले के हिंगना औराही सिमराहा क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत अग्नि संचेतना जागरूकता एवं बचाव को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में आग लगने की स्थिति में बचाव के तरीकों का प्रदर्शन किया गया और लोगों को सतर्कता बरतने के उपायों की जानकारी दी गई।

उपस्थित अधिकारियों ने अपने अनुभव और सुझावों के माध्यम से लोगों को आगजनी की घटनाओं से बचने एवं त्वरित प्रतिक्रिया देने के

बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर ट्रैफिक डीएसपी श्री फखरे आलम, पद्म पराग वेणू जी, जिला अग्निशमन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जनहानि और संपत्ति के नुकसान को कम किया जा सके।

जोकीहाट में महिला सशक्तिकरण पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिले के जोकीहाट में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर महिलाओं को आरक्षण दिया गया है और जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर इसका अपेक्षित असर नहीं दिख रहा है। इसका ताजा उदाहरण शनिवार को जोकीहाट प्रखंड में आयोजित पंचायत समिति की बैठक में देखने को मिला।

बैठक में अधिकांश महिला जनप्रतिनिधियों की जगह उनके पति ही सक्रिय भूमिका में नजर आए, जबकि महिला प्रतिनिधि केवल दर्शक बनी रहीं। इस स्थिति ने महिला

सशक्तिकरण की नीतियों की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 26 पंचायतों वाले जोकीहाट प्रखंड में पंचायत समिति सदस्यों की कुल संख्या 35 है। इनमें प्रमुख और उपप्रमुख का पद महिला आरक्षित है। इसके अलावा 16 पंचायत समिति सदस्य भी महिलाएं हैं और लगभग इतनी ही संख्या में महिला मुखिया भी हैं। इसके बावजूद बैठकों में महिलाओं की उपस्थिति और भागीदारी अपेक्षाकृत कम रहती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था के कारण महिलाएं अब भी स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने और अपनी भूमिका निभाने में पीछे रह जाती हैं। कई मामलों में उनके स्थान पर उनके पति या परिवार के अन्य पुरुष सदस्य ही जिम्मेदारी निभाते दिखाई देते हैं।

जनगणना को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। नगर पंचायत सभागार में जनगणना को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण सत्र का आरंभ अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ, नगर कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद पासवान ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस मौके पर एसडीएम श्री सिंह ने प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को जनगणना से जूडें तकनीकी पहलुओं को बारिकी से समझने को कहा।

उन्होंने कहा कि यह सामुहिक दायित्ववाला कार्य है. सभी को आपसी समन्वय के साथ इस कार्य को सम्पादित करने की ताकीद की।

जानकारी दी कि 17 अप्रैल से 01 मई तक स्वगणना का कार्य किया जाना है। आमजन भी अपने मोबाईल से एप के माध्यम से थोडे से प्रयास स्वगणना कर सकते हैं। प्रशिक्षण के उपरांत प्रथम चरण में 02 मई से 31 मई तक प्रगणकों द्वारा निर्धारित क्षेत्र भ्रमणकर मकानों का सूचीकरण व गणना की जाएगी। श्री सिंह ने आम जन से भी इस कार्य मे अपेक्षित सहयोग की अपील की है। इस मौके पर नगर कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद पासवान ने भी प्रशिक्षणार्थियों को जनगणना की विविध पहलुओं की जानकारी दी।

कुसेर्ला फायरिंग कांड का आरोपी देसी कट्टा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कुसेर्ला थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 18 अप्रैल को कुसेर्ला थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि पूर्व विवाद को लेकर सेमापुर सिक्कट थाना-बरारी निवासी धीरेन्द्र यादव पिता- भूदेव यादव ने रेलवे पुल के नीचे कटरिया थाना-कुसेर्ला निवासी रंजीत सिंह पिता- जयचंद्र सिंह पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मामले का सत्यापन करते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी रंजीत

सिंह को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के क्रम में उसके पास से एक देशी कट्टा और 13 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने कांड दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना का कारण पूर्व का आपसी विवाद बताया जा रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और अन्य पहलुओं पर भी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के मामलों में लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

काढ़ागोला घाट पर चला स्वच्छता अभियान

परशुराम जयंती व अक्षय तृतीया पर हुए धार्मिक आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। रविवार को गंगा समग्र के स्वयंसेवकों ने काढ़ागोला घाट पर 379 वां साप्ताहिक स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान घाट परिसर की सफाई कर लोगों को गंगा की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।अभियान के बाद घाट पर भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई।स्वयंसेवकों ने भगवान परशुराम के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

इस मौके पर जिला सहसंयोजक मनोज साह,आरती प्रमुख जीवछ गुप्ता, घाट प्रमुख राजकुमार साह, राहुल राज, संजू राय, रूदल मंडल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत गंगा समग्र के जिला

संयोजक नवीन चौधरी बाबा के आवास पर अक्षय तृतीया के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। इसमें मनोज साह समेत कई स्वयंसेवकों ने भाग लिया। हवन के दौरान भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा की गई तथा बाद में जरूरतमंदों के बीच दान-पुण्य किया गया। इधर वैशाख शुक्ल तृतीया के पावन अवसर पर बरारी प्रखंड के विभिन्न मंदिरों में अक्षय तृतीया का पर्व आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। गुरुबाजार स्थित रामजानकी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। भक्तों ने कतार में लगकर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा संपन्न कराई गई। वहीं इस दिन आभूषण खरीदना शुभ मानते हुए ज्वेलरी दुकानों में भी महिलाओं की अच्छी भीड़ देखने को मिली। जिला संयोजक नवीन चौधरी बाबा ने बताया कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। उनका जीवन अन्याय के खिलाफ संघर्ष और धर्म की रक्षा का संदेश देता है।

नहीं बढ़े घरेलू सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी आज रविवार को कोई बदलाव नहीं किया

गया है। जिसकी वजह से पुरानी कीमतें ही बरकरार हैं। इस महीने की शुरुआत यानी 1 अप्रैल को एलपीजी सिलेंडर का रेट 205 रुपये तक बढ़ा दिया गया था। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार इजाफा 7 मार्च को कंपनियों ने किया था। उसके बाद से दाम स्थिर हैं। बता दें, बीते महीने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। 1 अप्रैल को कंपनियों ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 205 रुपये तक का इजाफा किया था। इससे पहले मार्च के महीने में 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 144.50 रुपये की बढ़ोतरी की थी। वहीं, तब ही घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में तब 60 रुपये का इजाफा हुआ था। बता दें, 5 किलोग्राम के गैस सिलेंडर का रेट 51 रुपये बढ़ा दिया गया था। जिसके बाद अब यह फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर 549 रुपये में मिल रहा है। ग्राहक बिना किसी एड्रेस प्रूफ के यह छोटकू गैस सिलेंडर डिस्ट्रीब्यूटर्स से प्राप्त कर सकते हैं। पिछले हफ्ते केंद्र सरकार की तरफ से दी जानकारी में बताया गया था कि एलपीजी की बुकिंग में गिरावट देखने को मिली है। अब रोजाना 46 से 50 लाख की बुकिंग हो रही है। इससे पहले यह 50 लाख से अधिक हो रही थी। सरकार ने कहा कि किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर्स के यहां से एलपीजी सिलेंडर पूरी तरह से खत्म होने की कोई जानकारी सामने नहीं है। सरकार ने कालाबाजारी रोकने के लिए एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग ओटीपी आधारित कर दिया है। गांव में 45 दिन और शहरों में 25 दिन में एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग की जा सकती है।

पेट्रोल 119.85 रुपये, डीजल 123 रुपये, रात में बढ़ गए तेल के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ गए है। बता दें, 1 अप्रैल को प्राइवेट तेल कंपनी शेल इंडिया ने पेट्रोल पर 7.4 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 25 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। जिसके बाद शेल इंडिया के पंप पर पेट्रोल का रेट 119.85 रुपये और डीजल का रेट 123 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। वहीं, पावर पेट्रोल का रेट शेल इंडिया के पंप पर 129.85 रुपये प्रति लीटर और प्रीमियम डीजल का रेट 133 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से बिक रहा है। मार्च के महीने में नायरा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया था। नायरा ने तब पेट्रोल का रेट 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया था। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव की वजह से कंपनी ने यह फैसला तब किया था। हालांकि, उसके बाद से कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं देखने को मिला है। 1 अप्रैल को इंडियन ऑयल पेट्रोल का रेट 11 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया था। जिसके बाद इसका रेट 149 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 160 रुपये प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, प्रीमियम डीजल का रेट बढ़ोतरी के बाद 91.49 रुपये से बढ़कर 92.99 रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पूरी जानकारी के साथ यह तय करना कि कहां निवेश किया जाए

क्या आपका क्रिप्टो एक्सचेंज एसएएफयू है निवेश से पहले 4 पिलर्स को जरूर करें चेक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े और सबसे पावरफुल क्रिप्टोकरेंसी बाजारों में से एक के रूप में उभर रहा है। लाखों नए खुदरा निवेशक (रिटेल इन्वेस्टर्स) अपने पोर्टफोलियो बनाने के लिए डिजिटल एसेट क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे में सोच-समझकर और पूरी जानकारी के साथ यह तय करना कि कहां निवेश किया जाए, पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है। अपनी संपत्ति को किसी थर्ड पार्टी को सौंपना एक जरूरी निर्णय है। इस बदलाव से लोगों में काफी उत्साह दिख रहा है, लेकिन निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी संपत्तियों की सुरक्षा करने वाले प्लेटफॉर्म हाई स्टैंडर्ड की सेफ्टी पर काम करते हों। आम निवेशकों के लिए सवाल यह है कि उन सुरक्षा मानकों को वास्तव में कैसे वेरिफाई किया जाए। डिजिटल एसेट कम्युनिटी में, सुरक्षा यानी सेफ्टी अब सिर्फ इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द नहीं है। शब्द की उत्पत्ति इकोसिस्टम में एक विशिष्ट आपातकालीन फंड के रूप में हुई थी, लेकिन तब से प्लेटफॉर्म सुरक्षा

के लिए इंटरनेट पर प्रचलित शब्द बन गया है। अब समय आ गया है कि इस शब्द का मतलब बदलें और इसे सिर्फ एक सुनने में अच्छे लगने वाले शब्द के बजाय सख्त और सत्यापन योग्य चेकलिस्ट में बदला जाए। प्लेटफॉर्म सुरक्षा वास्तव में कैसी दिखती है और उसके 300 करोड़ ग्लोबल यूजर्स को रियल-वर्ल्ड बेंचमार्क के तौर पर आधार मानकर, निवेशक आज के दौर के क्रिप्टो निवेशक के लिए चार मुख्य स्तंभों वाली एक गाइड तैयार कर सकते हैं। बैकअप (बराबर का फंड रखना) ही काफी नहीं है। बड़े प्लेटफॉर्म खुद को बेहतर साबित करने के लिए एक बहुत बड़ा इमरजेंसी फंड भी तैयार रखते हैं। मूल सिक्योर एसेट फंड फॉर यूजर्स सुरक्षा की आखिरी परत (अल्ट्रीमेट सिक्योरिटी लेयर) का काम करता है। जुलाई 2018 में बना यह फंड रोज की ट्रेडिंग फीस के एक तयह हिस्से से अपने आप भरता रहता है। फंड साइज, एक बिलियन डॉलर तक पहुंच गया और 2023 की शुरुआत से इस स्तर पर बना हुआ है। 2025 के एक बड़े अपडेट में, फंड को पूरी तरह से 15,000 में बदल दिया गया और ऑन-चेन वैरिफिकेशन के लिए वॉलेट का पता भी सार्वजनिक रूप से बता दिया गया। अगर बाजार में उतार-चढ़ाव की वजह से इस फंड की कीमत 800 मिलियन डॉलर से कम हो जाती है, तो प्लेटफॉर्म इसे फिर से भरने का वादा करता है। अगर आपके एक्सचेंज के पास इस लेवल की पारदर्शी आपातकालीन बफरिंग नहीं है, तो आप जोखिम उठा रहे हैं।

ट्रांसपेरेंसी और क्रिप्टोग्राफिक प्रूफ

किसी भी वित्तीय संस्थान के लिए सबसे बेसिक सवाल यह है कि क्या वह वास्तव में उन एसेट्स को रखता है, जिनका वह दावा कर रहा है। डिजिटल एसेट क्षेत्र में, किसी कॉरपोरेट बही-खातों (स्प्रेडशीट) पर भरोसा करना अब सुरक्षा का सही पैमाना नहीं रह गया है। निवेशकों को एक सख्त 'प्रूफ-ऑफ-रिजर्व सिस्टम देखना चाहिए। इसमें एक क्रिप्टोग्राफिक ऑडिट शामिल है, जो यह दर्शाता है कि एक्सचेंज सभी यूजर्स एसेट के लिए कम से कम 1:1 का समर्थन रखता है। हालांकि, बेसिक प्रूफ-ऑफ-रिजर्व तो बस एक शुरुआत है। टॉप लेवल के प्लेटफॉर्म मर्कल ट्री सत्यापन और 5द्म-स्ह्नत्र्थ तकनीक को इंटीग्रेट करते हैं।

अमेरिकी डॉलर छोड़ अब चीनी युआन में पेमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कंपनियों ने विदेश से चीजें खरीदने पर पेमेंट की रणनीति में बदलाव किया है। अब अमेरिकी डॉलर की जगह चीन की करेंसी युआन को तवज्जो दी जा रही है। हाल ही में ईरान से तेल खरीदने पर भारतीय कंपनियों ने इसका पेमेंट युआन में किया था। वहीं अब चीन से होने वाले आयात का पेमेंट भी युआन में किया जा रहा है। दरअसल, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में रेकॉर्ड गिरावट आई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इनपुट लागत में भारी उछाल का मुख्य कारण रुपये का गिरता स्तर है। इस कारण घरेलू कंपनियों को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं आयात की लागत कम करने और डॉलर पर निर्भरता घटाने के लिए कई भारतीय कंपनियां अब चीन से होने वाले आयात का भुगतान चीनी युआन में कर रही हैं और स्थानीय सोर्सिंग को तेजी से बढ़ावा दे रही हैं। इलेक्ट्रोप्लास्ट और सुपर प्लास्ट्रोनिक्स जैसी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनियों ने चीन से आने वाले कंपोनेंट्स के लिए युआन में भुगतान करना शुरू कर दिया है। इससे चीनी आपूर्तिकर्ताओं से बेहतर मूल्य निर्धारण प्राप्त करने में मदद मिल रही है। गोदरेज अप्लायंसेस भी इसी तरह की व्यवस्था पर विचार कर रही है। डिपार्टमेंटल स्टोर चेन लाइफस्टाइल ने पिछले दो-तीन महीनों में अपने कुल स्टॉक में आयात की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से घटाकर मात्र 5 प्रतिशत कर दी है। हमने कीमतों के दबाव को कम करने के लिए आयात में आक्रामक रूप से कटौती की है।

अक्षय तृतीया पर 20000 करोड़ के पार जा सकता है सोना-चांदी का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आज अक्षय तृतीया पर देशभर में सोना-चांदी की बिक्री 20,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचने का अनुमान है। यह

जानकारी कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने दी है। खास बात यह है कि यह रेकॉर्ड कारोबार ऐसे समय में होने जा रहा है, जब सोना और चांदी दोनों की कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर हैं। पिछले साल अक्षय तृतीया पर करीब 16,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। इस बार कीमतें बढ़ने के बावजूद कारोबार मूल्य में बड़ा उछाल देखा जा रहा है। पिछले साल सोना करीब 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो इस साल बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं चांदी पिछले साल 85,000 रुपये प्रति किलो थी, जो इस साल बढ़कर 2.55 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। अक्षय तृतीया 2026 परंपरा और वित्तीय समझदारी का एक अनोखा संगम है। आस्था अभी भी मांग को बढ़ा रही है, लेकिन अब भारतीय उपभोक्ता पारंपरिक विश्वास के साथ वित्तीय अनुशासन का भी तालमेल बिठा रहे हैं।

कैट के मुताबिक अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना परंपरा रही है, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण ग्राहकों की खरीदारी शैली बदल रही है। लुभावने ऑफर्स और डिजिटल गोल्ड अक्षय तृतीया पर ग्राहकों को खींचने के लिए ज्वेलर्स मेकिंग चार्जेस में कटौती और मुफ्त सोने के सिक्के जैसे ऑफर दे रहे हैं। वहीं फिजिकल गोल्ड के साथ-साथ डिजिटल गोल्ड, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड में निवेश के प्रति लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है।

वैल्यू बढ़ी लेकिन वॉल्यूम घटा

ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अनुसार सोना-चांदी व्यापार का मूल्य तो बढ़ा है, लेकिन मात्रा में गिरावट आई है। 16,000 करोड़ रुपये के सोने के व्यापार का मतलब है करीब 10 टन सोने की बिक्री से है। अगर इसे देश के 2 से 4 लाख ज्वेलर्स में बांटा जाए, तो औसतन एक ज्वेलर मात्र 25 से 50 ग्राम सोना ही बेच पाया। वहीं 4,000 करोड़ रुपये की चांदी का मतलब 157 टन चांदी की बिक्री से है। यानी प्रति ज्वेलर औसत बिक्री मात्र 400 से 800 ग्राम ही रहेगी।

ईरानी फायरिंग भी नहीं रोक पाई भारतीय जहाज 'देश गरिमा' का रास्ता, कच्चा तेल लेकर होर्मुज से निकला 10वां टैंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरानी गनबोट्स की फायरिंग और बढ़ते तनाव के बीच शनिवार को 10वां भारतीय ध्वज वाला जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने में सफल रहा। 'देश गरिमा' नामक यह जहाज कच्चा तेल लेकर मुंबई बंदरगाह की ओर जा रहा है। शनिवार को ईरानी गनबोट्स की गोलीबारी के कारण दो भारतीय टैंकरों को बीच रास्ते से लौटना पड़ा। इसके बावजूद 'देश गरिमा' ने जलडमरूमध्य पार कर लिया। शनिवार को ईरानी नौसेना की ओर से की गई गोलीबारी के कारण भारत के दो टैंकरों को अपना रास्ता बदलना पड़ा और वे वापस लौटने को मजबूर हो गए। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भारतीय ध्वज वाले जहाज जग अर्नव पर भी हमला किया। यह जहाज उन 16 जहाजों की सूची में शामिल है जिन्हें वहां से निकालने की तैयारी की जा रही थी।

सरकार ने कसी कमर

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालयों ने फंसे हुए जहाजों को निकालने के लिए बड़े स्तर पर योजना बनाई है: पेट्रोलियम मंत्रालय: निकासी के लिए 17 जहाजों की पहचान की गई है। इनमें 10 कच्चे तेल के टैंकर, 4 और 3 शामिल हैं। इन जहाजों में से 3 भारतीय ध्वज वाले हैं, जबकि 14 विदेशी ध्वज वाले जहाज हैं। रसायन मंत्रालय: 16 अन्य जहाजों की सूची तैयार की गई है, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाला जाना है। अब तक विभिन्न शिपिंग कंपनियों द्वारा 2,487 नाविकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग है।

ईरान युद्ध से दुनिया को 4.63 लाख करोड़ की चपत, बहाली में लगेंगे कई साल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध को शुरू हुए करीब 50 दिन बीत चुके हैं। इस दौरान दुनिया को जो आर्थिक चोट लगी है, उसकी भरपाई में कई साल लग सकते हैं। विश्लेषकों और रॉयटर्स के अनुसार, युद्ध के कारण अब तक 50 करोड़ बैरल कच्चे तेल का उत्पादन नहीं हो सका है। इसकी कीमत करीब 50 अरब डॉलर (करीब 4.63 लाख करोड़ रुपये) आंकी गई है। यानी दुनिया को इन 50 दिनों में करीब 4.63 लाख करोड़ रुपये का झटका लग चुका है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को हमला किया था। केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के अंत में संकट शुरू होने के बाद से वैश्विक बाजार से 50 करोड़ बैरल से अधिक कच्चा तेल और कंडेनसेट बाहर हो गया है। इसे ऊर्जा आपूर्ति का अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक संकट माना जा रहा है। इन 50 दिनों में 50 करोड़ बैरल कच्चे तेल का प्रोडक्शन नहीं हुआ है। एक्सपर्ट के अनुसार यह नुकसान कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस प्रकार लगाया जा सकता है: पूरी दुनिया की 5 दिन की तेल की जरूरत के बराबर है। यह वैश्विक स्तर पर 10 हफ्तों की एविएशन फ्यूल मांग के बराबर है। पूरी दुनिया में 11 दिनों तक चलने वाले वाहनों के ईंधन के बराबर है। अकेले अमेरिका की एक महीने की तेल मांग के बराबर है। अमेरिकी सेना के 6 साल के कुल ईंधन खपत के बराबर है। इतने तेल से यूरोप की एक महीने से ज्यादा की जरूरत पूरी हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय शिपिंग इंडस्ट्री को 4 महीने चलाने लायक ईंधन के बराबर है।

युद्ध के दौरान कच्चे तेल की औसत कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल रही है। केप्लर के वरिष्ठ विश्लेषक जोहान्स राउबल के अनुसार, बाजार से गायब हुए तेल का मूल्य करीब 50 अरब डॉलर है। यह रकम जर्मनी की वार्षिक जीडीपी के 1 प्रतिशत के बराबर है। वहीं यह लातविया या एस्टोनिया जैसे छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था के बराबर है। युद्ध के कारण मार्च में खाड़ी देशों ने प्रतिदिन लगभग 80 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन खो दिया। यानी वे इतना तेल निकाल नहीं पाए। सऊदी अरब, कतर, यूएई और कुवैत जैसे देशों से जेट ईंधन का निर्यात फरवरी के 1.96 करोड़ बैरल से गिरकर मार्च-अप्रैल में मात्र 41 लाख बैरल रह गया। यह नुकसान न्यूयॉर्क और लंदन के बीच 20,000 राउंड-ट्रिप उड़ानों के लिए पर्याप्त ईंधन के बराबर है। अगर संकट लंबा चला तो भारत समेत दुनिया में इसका असर दिखाई दे सकता है।

भारत ने चीन को दिया बड़ा झटका, अमेरिका के 40 प्रतिशत स्मार्टफोन बाजार पर अब हमारा कब्जा, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में भारत तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। अमेरिका जिन स्मार्टफोन्स का आयात पहले चीन से करता था, उनमें से करीब 40 प्रतिशत सप्लाई अब भारत से हो रही है। यह बड़ा खुलासा मैकिन्से एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में हुआ है। यह बदलाव भारत के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि इससे देश की मैन्युफैक्चरिंग ताकत और वैश्विक सप्लाई चेन में बढ़ती भूमिका साफ दिखाई देती है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने अपनी आयात निर्भरता को चीन से हटाकर दूसरे देशों की ओर मोड़ना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने चीन से मंगवाए जाने वाले लगभग 80 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के सामान का विकल्प खोज लिया है, जिसमें भारत और आसियान देशों की

भूमिका सबसे अहम रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात में इतनी बड़ी वृद्धि की है जो चीन द्वारा की जाने वाली सप्लाई के 40 प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। भारत और अमेरिका के बीच लगभग 13,000 किलोमीटर की भौगोलिक दूरी होने के बावजूद, निर्यात में यह भारी उछाल भारत की मजबूत होती मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दर्शाता है। स्मार्टफोन अब भारतीय निर्यात की पहचान बन चुके हैं और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की स्थिति को मजबूत कर रहे हैं।

स्मार्टफोन सेक्टर बना गेमचेंजर: भारत के कुल निर्यात में भले बहुत बड़ा बदलाव न दिखा हो, लेकिन स्मार्टफोन निर्यात सबसे बड़ा अपवाद रहा और इसी ने निर्यात वृद्धि को गति दी। विशेषज्ञ मानते हैं कि एप्पल जैसी कंपनियों की भारत में बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। भू-राजनीतिक बदलावों के कारण अमेरिका अपनी सप्लाई चेन में विविधता ला रहा है। आसियान देशों ने अमेरिका के उन दो-तिहाई लैपटॉप आयात की जगह ले ली है जो पहले चीन से आते थे। साल 2025 में मंदी की चिंताओं के बावजूद वैश्विक व्यापार मजबूत रहा।

3 बार फेल होने पर भी सुधा ने हिम्मत नहीं हारी, 2000 से शुरू किया बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो गरीबी और असफलता की बेड़ियां भी रास्ता नहीं रोक सकतीं। तमिलनाडु के नमक्कल जिले की रहने वाली सुधा की कहानी इसका जीता-जागता उदाहरण है। महज 2,000 रुपये की मामूली पूंजी से अपना स्टार्टअप शुरू करने वाली सुधा आज एक सफल बिजनेसवुमन हैं और लाखों रुपये कमा रही हैं। सुधा का बचपन बेहद अभावों में बीता। गरीबी के कारण उन्हें और उनकी बहन को दादा-दादी के पास रहने के लिए भेज दिया गया था। पढ़ाई में शुरुआती मार्गदर्शक न होने के कारण सुधा 5वीं कक्षा में ही फेल हो गईं। इसके बाद वह 6वीं कक्षा में पहुंची तो वहां भी फेल हो गईं। सिलसिला यहीं नहीं रुका। वह 7वीं कक्षा में भी फेल हो गई थीं। उनके भाई-बहनों ने हार मानकर पढ़ाई छोड़ दी, वहीं सुधा ने अपनी मां से प्रेरणा लेकर हार नहीं मानी। उन्होंने स्कूल बदला, कड़ी मेहनत की और न केवल 10वीं पास की, बल्कि क्रस्. कर अपने परिवार की पहली ग्रेजुएट बनीं। यही नहीं, इसके बाद उन्होंने रूस्. की डिग्री भी हासिल की।

कैसे आया बिजनेस का आइडिया

सुधा के बिजनेस की शुरुआत एक मां की अपनी बेटी के प्रति चिंता से हुई। साल 2011 में कोयंबटूर शिफ्ट होने के बाद उनकी 4 साल की बेटी खाने में बहुत नखरे करती थी। सुधा चाहती थीं कि उनकी बेटी

को पूरा पोषण मिले। सुधा ने मोरिंगा (सहजन), पुदीना और करी पत्ते को सुखाकर पाउडर बनाया और उसे इडली-डोसा के साथ मिलाकर अपनी बेटी को खिलाना शुरू किया। उनकी बेटी को यह स्वाद पसंद आया। यहीं से सुधा को अहसास हुआ कि यह समस्या हर मां की है और उनके पास एक बेहतरीन प्रोडक्ट है।

साल 2016 में अपनी नौकरी की सैलरी से बचाए हुए 2,000 रुपये के साथ सुधा ने घर से ही पाउडर बनाकर बेचना शुरू किया। साल 2018 में उन्होंने अपनी कंपनी इनिया ऑर्गेनिक्स रजिस्टर्ड की। वह स्थानीय किसानों से ताजी पालक, मोरिंगा पत्ते, पुदीना और धनिया खरीदती थीं। उन्हें धूप में सुखाकर अपनी खास रेसिपी से पीसकर बेचती थीं। जल्द ही ग्राहकों ने उनकी मां की रेसिपी वाले सांभर और रसम पाउडर की मांग शुरू कर दी, जिससे उनका कारोबार बढ़ता गया। अपने बिजनेस को पेशेवर बनाने के लिए सुधा ने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय से ट्रेनिंग ली। उन्होंने 2 लाख रुपये का लोन लेकर उन्होंने सोलर ड्रायर और अन्य मशीनें खरीदीं और एक प्रोडक्शन यूनिट स्थापित की। सुधा की सफलता को देखते हुए उनके पति कुमार ने भी अपनी नौकरी छोड़ दी और बिजनेस में हाथ बंटाने लगे। आज वह कोयंबटूर में अपनी दुकान चला रही हैं और 500 से अधिक परिवारों को अपने मसाले और पाउडर सप्लाई करती हैं। साल 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक वह हर महीने 120 किलोग्राम से ज्यादा प्रोडक्ट बेचती हैं। इनमें उनका सूप पाउडर सबसे ज्यादा बिकने वाला प्रोडक्ट है।

जब शबाना रजा बनीं 'नेहा'

एक नाम ने बदल दी पहचान और बना दिया खास चेहरा

फिल्मी दुनिया में नाम का बेहद महत्व होता है। कई बार एक नाम ही किसी कलाकार की पूरी पहचान बन जाता है और उसे लोगों के दिलों में खास जगह दिलाता है। ऐसी ही एक कहानी है अभिनेत्री शबाना रजा की, जिन्हें आज भी लोग 'नेहा' के नाम से याद करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह नाम उन्हें फिल्मों में आने के बाद मिला और धीरे-धीरे यही उनकी असली पहचान बन गया। शबाना रजा का जन्म 18 अप्रैल 1975 को हुआ था। वह एक साधारण परिवार से थीं, उन्होंने अपनी पढ़ाई दिल्ली से की। वह कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही सोच रखा था। एक दिन उन्हें फिल्मों में काम करने का मौका मिला, जिसे उन्होंने पहले तो ठुकरा दिया, लेकिन बाद में परिवार के समझाने पर उन्होंने हां कह दी। उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब उन्होंने साल 1998 में फिल्म 'करीब' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म के निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा थे। इसी फिल्म में उनके किरदार का नाम 'नेहा' था और निर्देशक ने उन्हें यही नाम अपनाने की सलाह दी। धीरे-धीरे यह नाम इतना लोकप्रिय हो गया कि शबाना रजा को लोग उनके असली से ज्यादा 'नेहा' के नाम से जानने लगे। फिल्म 'करीब' में उनके साथ बॉबी देओल नजर आए थे। इस फिल्म में उनकी सादगी और मासूमियत को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद, नेहा ने 'होगी प्यार की जीत' में अजय देवगन के साथ काम किया। यह फिल्म सफल रही और इससे उनकी पहचान और मजबूत हुई। उन्होंने 'फिजा' में ऋतिक रोशन के साथ भी काम किया। इसके अलावा, 'राहुल' और 'आत्मा' समेत कई फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों को दीवाना बनाया। हालांकि, उनका करियर ज्यादा समय तक नहीं रहा। धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों से दूरी बनानी शुरू कर दी और आखिरकार साल 2009 में 'एसिड फैक्ट्री' के बाद वह पूरी तरह से पर्दे से दूर हो गईं। निजी जिंदगी की बात करें तो, शबाना रजा ने मनोज बाजपेयी से 2006 में शादी की। दोनों के बीच दोस्ती हुई, जो बाद में प्यार में बदल गई। कई सालों तक एक-दूसरे को समझने के बाद उन्होंने शादी के बंधन में बंधने का फैसला लिया। शादी के बाद नेहा ने अपने परिवार को प्राथमिकता दी और फिल्मों से दूरी बना ली।

मां के लिए जरीन खान का छलका दर्द, नोट शेयर कर लिखा, 'आपके बिना सब खाली है'

अभिनेत्री जरीन खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ दिन पहले उनकी मां परवीन खान ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ पुरानी यादों का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती नजर आ रही हैं। जरीन ने पोस्ट में लिखा, 'निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा कैप्शन नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं। '

उन्होंने आगे लिखा, 'मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहें और ऊपर अच्छे से रहें, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं। ' अभिनेत्री जरीन खान की मां लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेत्री ने मां के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था और लगातार अपडेट दे रही थीं। इसके साथ ही, फैंस से उनकी जल्दी ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ करने की अपील कर रही थीं। जरीन खान अपनी मां के बहुत करीब थीं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती थीं। जरीन खान ने 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कटरीना कैफ से समानता के कारण चर्चा में आईं जरीन ने 'हाउसफुल 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'अक्सर 2' जैसी फिल्मों में अभिनय किया।

समय जल्दी बीत जाता है...

अमिताभ बच्चन ने क्यों कही ये बात? पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का किया जिक्र

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ब्लॉग पर भी लगातार सक्रिय हैं। वो अक्सर अपने ब्लॉग्स के जरिए भी लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और प्रेरणादायक बातें साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में सक्रिय और प्रेरित रहने के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इसके लिए उन्होंने अपने पिता व रचनाकार हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया।

शरीर को गतिशील रखें

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए अमिताभ ने समय की अस्थिरता और शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, 'बाबूजी की रचनाओं से कुछ विचार और दिन बीतते जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बीता था और अगला महीना शुरू होने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि समय कितनी जल्दी बीत जाता है। गतिशीलता ही कुंजी है। शरीर को गतिशील रखें, मन को गतिशील रखें और गतिशीलता की शक्ति अचानक स्पष्ट हो जाएगी, न कि बिना किसी कारण के बैठे रहने से।'

धैर्य और ज्ञान का बताया महत्व

बिग बी ने धैर्य और ज्ञान के महत्व पर भी बात की। उन्होंने लिखा, 'धैर्य उस पहेली की तरह है, जिसका हल हर पल चाहिए। एक पल भी धैर्य की परीक्षा है। आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि दार्शनिक दृष्टि से।' उन्होंने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, 'किसी भी विषय का अध्ययन युद्ध के संदर्भ में धनुष से कई तीर निकालने जैसा है।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस:

सरकारी गवाह बनना चाहती हैं जैकलीन, कोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक नया और बड़ा मोड़ सामने आया है। लंबे समय से चल रहे इस हाई-प्रोफाइल केस में अब जैकलीन ने खुद आगे आकर सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की इच्छा जताई है। दरअसल, पटियाला हाउस कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जैकलीन फर्नांडिस ने कहा कि वह इस मामले में जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करना चाहती हैं और सरकारी गवाह बनने के लिए भी तैयार हैं। इस पर अदालत ने बताया कि इसके लिए उन्हें सीधे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने औपचारिक आवेदन देना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जांच एजेंसी उनके बयान और सहयोग के आधार पर ही तय करेगी कि उन्हें अप्रूवर बनाया जाए या नहीं। अदालत ने इस मामले में ईडी को नोटिस भी जारी किया है और अगली सुनवाई की तारीख 20 अप्रैल तय की है।

इसके अलावा, जैकलीन को 24 अप्रैल से 25 मई के बीच विदेश यात्रा की अनुमति भी दे दी गई है। हालांकि, इस दौरान उन्हें तय शर्तों का पालन करना होगा और जांच में सहयोग जारी रखना होगा। बता दें कि पूरा मामला 200 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, जिसमें सुकेश चंद्रशेखर को मुख्य आरोपी माना गया है। आरोप है कि उसने जेल के अंदर रहते हुए ही ठगी और रंगदारी का बड़ा नेटवर्क चलाया और कई लोगों से करोड़ों रुपए वसूले। इसी दौरान उसका संपर्क बॉलीवुड से भी जुड़ा, और जैकलीन फर्नांडिस का नाम इस केस में सामने आया। ईडी की जांच के मुताबिक, सुकेश ने जैकलीन को कई महंगे तोहफे दिए थे, जिनमें लग्जरी घड़ियां, महंगे बैग, जूलरी और अन्य कीमती सामान शामिल हैं। एजेंसी का दावा है कि ये सभी चीजें गैरकानूनी तरीके से कमाए गए पैसों से खरीदी गई थीं। हालांकि, इस पर जैकलीन का कहना है कि उन्हें सुकेश की असली पहचान और उसके अपराधों के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने अदालत को बताया कि सुकेश ने खुद को एक बड़ा बिजनेसमैन बताकर उन्हें गुमराह किया था।

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ''मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।'' पत्रलेखा ने कहा, ''प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है। अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ''अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मेरी लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर कमेंट करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। कपल ने अपनी बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा।

युजवेंद्र चहल के 'मैसेज' विवाद पर

तान्या चटर्जी ने तोड़ी चुप्पी

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने दावा किया था कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। इस छोटे से मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। इंफ्लुएंसर ने आईएएनएस के साथ बातचीत में इस विषय पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'वह बस एक सामान्य मैसेज था। इसमें कोई बुराई या फिर विवाद छेड़ने जैसा कुछ भी नहीं था। मेरे मन में उनके लिए बहुत इज्जत है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वे एक भारतीय खिलाड़ी हैं और देश के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ 'क्यूट' कहा था और आईपीएल के बारे में बातचीत चल रही थी।' तान्या ने आगे बताया कि पूरी बातचीत के दौरान चहल से जुड़ा टॉपिक सामने आया और उन्होंने इसे ऐसे ही बता दिया। उन्होंने कहा, 'मेरा इरादा चहल को बदनाम करने का बिल्कुल भी नहीं था। मैं तो अपने दोस्तों के साथ भी इसी तरह रहती हूं। मुझमें वह मासूमियत अभी भी है। मेरे अंदर का बच्चा अभी भी जिंदा और हमेशा बरकरार रहेगा। उन्होंने मेरी तारीफ की थी, मुझे अच्छा लगा, बात खत्म। '

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं समझ नहीं पा रही हूं कि मानहानि का केस कैसे हो सकता है। मैंने तो उन्हें बदनाम नहीं किया, बल्कि, उनकी तारीफ ही की थी। ' उन्होंने कहा, 'चहल एक भारतीय क्रिकेटर हैं और आईपीएल में खेल रहे हैं। मैं उनकी निजी जिंदगी में दखल नहीं दे रही हूं और न ही किसी और चीज में। यह बस एक तारीफ थी, जिसे मैंने अपनी मासूमियत से सभी के सामने शेयर किया। ' तान्या ने अपनी बात को साफ करते हुए कहा कि यह घटना 2023 की है। अगर उन्हें कुछ ऐसा करना होता, तो वे पहले ही कर देती। यह 2023 में हुआ था। सबको पता था कि उस समय वह शादीशुदा थे। उन्होंने मुझे मैसेज किया था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। मुझे यह देर से पता चला। लेकिन अगर मैं उस समय किसी पीआर या ऐसी ही किसी टीम के साथ जुड़ी होती, तो शायद मुझे पता चल जाता। मेरा कोई पीआर नहीं है। इंफ्लुएंसर ने कहा कि मेरे वकील इस मामले को देख रहे हैं और उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ कहने से मना किया है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। वह एक प्यारा सा मैसेज था और एक बार नहीं, दो बार किया था।

अगले साल रिलीज होगी 'लव एंड वॉर', भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'लव एंड वॉर'... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की।

इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'लव एंड वॉर' एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं। वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म 'सांवरिया' में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद फिर से काम कर रहे हैं। 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

आज मुंबई इंडियंस पर बने दबाव का फायदा उठाने की कोशिश करेगा गुजरात टाइटंस

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले तीन मैच में जीत हासिल करके आत्मविश्वास से भारी गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार हार से दबाव में चल रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। पिछले कुछ सप्ताह में इन दोनों टीमों का प्रदर्शन बिल्कुल विपरीत रहा है। गुजरात टाइटंस ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन उसके बाद उसने लगातार तीन मैच जीत कर लय हासिल कर ली है और वह तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है।

इसके बिल्कुल विपरीत मुंबई ने अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन उसके बाद से उसका प्रदर्शन खराब होता चला गया है। उसे लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है और उनकी हार का अंतर बहुत बड़ा रहा है, जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है। पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई पर खराब प्रदर्शन के कारण काफी दबाव है और उसे अगर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो अब हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। उसकी टीम पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अनियमित प्रदर्शन और गेंदबाजी आक्रमण में धार की कमी ने उसे बुरी तरह प्रभावित किया है।

सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस के मध्यक्रम के मुख्य आधार रहे हैं लेकिन यह दोनों ही अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सूर्यकुमार ने भले ही एक अर्धशतक लगाया है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। दूसरी तरफ तिलक बेहद खराब फॉर्म में हैं और पांच पारियों में सिर्फ 43 रन ही बना पाए हैं। कप्तान हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन भी कुछ खास अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने चार मैचों में सिर्फ 81 रन बनाए हैं, जिससे मुंबई की बल्लेबाजी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

मुंबई की समस्या केवल बल्लेबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि उसके गेंदबाज भी नहीं चल पा रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी तक विकेट नहीं ले पाना उसके लिए बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने भले ही किफायती गेंदबाजी की है लेकिन बल्लेबाज उनके सामने जोखिम लेने से बचते हुए उन्हें आसानी से खेल रहे हैं। अन्य गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट नहीं ले पाए हैं जबकि हार्दिक भी गेंदबाजी में कोई कमाल नहीं दिखा पाए हैं। उनके स्पिनरों के प्रदर्शन में भी निरंतरता नहीं है।

हर बल्लेबाज रोहित शर्मा के चोटिल होने से मुंबई की समस्या और बढ़ गई है। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे और पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। इसके विपरीत गुजरात टाइटन्स ने अपनी समस्याओं के बावजूद जीत हासिल करने के तरीके खोज लिए हैं। उसकी बल्लेबाजी अभी भी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर काफी हद तक निर्भर है, जिसमें कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर ही अधिकतर रन बनाने का जिम्मा संभालते हैं।

ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाज अभी तक विश्वसनीय प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गेंदबाजी की बात करें तो गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। मोहम्मद सिराज और कागिसो रबाडा कई बार महंगे साबित हुए हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है।

टीमें

गुजरात टाइटंस – शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

मुंबई इंडियंस – हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मो. इज़हार, रघु शर्मा।

समय – शाम 7:30 बजे

धोनी की चोट पर सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा जल्दी वापसी करेंगे

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन के दौरान महेंद्र सिंह धोनी की वापसी को लेकर उम्मीद जताई है। यह पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभी तक आईपीएल 2026 में नहीं खेल पाए है, क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। हालांकि यह दाएं हाथ का बल्लेबाज नेट सेशन कर रहा है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह सीएसके की प्लेइंग 11 में कब वापसी करेंगे। शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 10 रन से हारने के बाद सीएसके के बैटिंग कोच हसी ने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धोनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और एक कोच के तौर पर वह उनकी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं। हसी ने कहा, वह अपने रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। और देखिए, मैं एक बैटिंग कोच हूं और मैं खुश हूं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। हसी ने कहा कि धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह उनकी फॉर्म से संतुष्ट हैं। हसी ने बताया कि धोनी के ठीक होने का मुख्य मकसद दौड़ने की फिटनेस और गति को बेहतर बनाना है, खासकर पारी के आखिरी ओवरों में विकेटों के बीच तेजी से रन बनाने के लिए। हसी ने कहा कि उन्हें धोनी की वापसी की सही तारीख तो नहीं पता, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। सीएसके के बैटिंग कोच ने कहा, जैसा कि आपने कल ट्रेनिंग में देखा, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह अपनी बल्लेबाजी के मौजूदा स्तर से काफी खुश थे। वह अभी बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर काम कर रहे हैं, क्योंकि अगर उन्हें पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करनी है, तो उन्हें दो रन और इस तरह के अन्य रन लेने के लिए तेजी से दौड़ना होगा। उन्हें बस अपनी दौड़ने की क्षमता पर भरोसा जगाने और अपनी गति बढ़ाने की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि वह कब खेलेंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सभी फैंस की तरह मैं भी चाहता हूं कि वह जल्द से जल्द वापसी करें।

पीसीआई का बड़ा फैसला

उत्पीड़न के आरोपों के बाद नीरज चोपड़ा के जेवलिन कोच बर्खास्त

नईदिल्ली (एजेंसी)। पैरालंपिक कमेटी आफ इंडिया पीसीआई ने बड़ा कदम उठाते हुए कोच नवल सिंह को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल द्वारा लगाए गए मानसिक उत्पीड़न के आरोपों और अन्य खिलाड़ियों की शिकायतों के बाद की गई, जिसमें नीरज चौपड़ा का नाम भी सामने आया।

सुमित अंतिल ने लगाए गंभीर आरोप – सुमित अंतिल ने नवल सिंह पर मानसिक प्रताड़ना और अपशब्द कहने के आरोप लगाए थे। उन्होंने इस मामले की शिकायत स्पोर्ट्स ऑथोराइट्स आफ इंडिया (साई) से भी की थी। अंतिल ने कहा कि कोच का व्यवहार खिलाड़ियों के लिए असहज और अपमानजनक था।

पीसीआई अध्यक्ष ने दी जानकारी –पीसीआई अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा- शिकायतें मिलने के बाद हमने तुरंत संज्ञान लिया। एथलीटों को अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया गया। आरोप गंभीर थे और शुरुआती सबूत भी मिले, जिसके बाद आपात बैठक में नवल सिंह को हटाने का फैसला लिया गया।

अन्य खिलाड़ियों ने भी की शिकायत – सिर्फ सुमित अंतिल ही नहीं, बल्कि अन्य खिलाड़ियों ने भी नवल सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नीरज चौपड़ा का नाम भी सामने आया, जिनके साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार किया गया।

मानसिक उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के आरोप – सुमित अंतिल ने आरोप लगाया- नवल सिंह ने हमारा मानसिक उत्पीड़न किया और मेरे व नीरज के परिवार के साथ भी दुर्व्यवहार किया। वह जानबूझकर अपमानजनक बातें रिकॉर्ड कर टीम मैनेजमेंट के साथ साझा करते थे।

आपात बैठक के बाद लिया गया फैसला – पीसीआई ने सभी शिकायतों और मौखिक सुनवाई की समीक्षा के बाद आपात बैठक बुलाई। जांच में शुरुआती स्तर पर आरोप सही पाए जाने के बाद कमेटी ने सर्वसम्मति से नवल सिंह को तुरंत हटाने का निर्णय लिया।

कोचिंग करियर पर लगा ब्रेक – द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित नवल सिंह 2015 से कोचिंग कर रहे थे और हाल ही में एथलीट सचिन यादव को ट्रेनिंग दे रहे थे।

अगरकर का कार्यकाल बढ़ा, 2027 वनडे वर्ल्डकप तक टीम चुनेंगे

इनके रहते में भारत ने 3 आईसीसी खिताब जीते; रोहित-कोहली जैसे दिग्गजों का संन्यास

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआईमने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। अब वे 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक इस पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि अगरकर का कार्यकाल रिन्यू किया गया है, एक्सटेंड नहीं। वे अपनी परफॉर्मेंस के आधार पर चौथे साल के लिए पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के नियमों के मुताबिक, सिलेक्टर अधिकतम चार साल तक पद पर रह सकता है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि अगरकर ने खुद बीसीसीआई से अपना कार्यकाल 2027 वनडे वर्ल्ड कप बढ़ाने की मांग की थी। बोर्ड ने 2023 में दो साल के लिए अगरकर को चीफ सिलेक्टर बनाया था। 2025 में उन्हें पहले ही एक साल का एक्सटेंशन मिल चुका था। अब उनका कार्यकाल 2027 तक के लिए रिन्यू किया जा रहा है। इस तरह अगरकर कुल चार साल चीफ सिलेक्टर रहेंगे।

कार्यकाल में भारत के नाम दो टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी

अजित अगरकर का अब तक का कार्यकाल बेहद सफल रहा। अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच उनके द्वारा चुनी गई भारतीय टीमों ने चार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में जगह बनाई। इनमें से भारत ने तीन खिताब अपने नाम किए। 2024 और 2026 में दो टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

कोहली-रोहित के संन्यास और शमी को बाहर करने जैसे कड़े फैसले – अगरकर की अगुवाई वाली कमेटी ने कई कड़े और बड़े फैसले लिए। इसमें सबसे प्रमुख विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की प्रक्रिया को संभालना और सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करना था। वहीं 2026 टी-20 वर्ल्ड कप टीम से टेस्ट और वनडे कैप्टन शुभमन गिल को ड्रॉप करके ईशान किशन जैसे इन-फॉर्म खिलाड़ी को मौका देने जैसे बड़े फैसले भी लिए।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए कंटिन्यूटी पर फोकस – अगला वनडे वर्ल्ड कप 2027 में होना है। बीसीसीआई चाहता है कि टीम की कोर और चयन प्रक्रिया में स्थिरता बनी रहे। अगरकर का कार्यकाल बढ़ने का मतलब है कि वे अगले वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार करने के मिशन पर काम जारी रखेंगे। बोर्ड का मानना है कि इस समय चयन समिति के नेतृत्व में बदलाव करना टीम की लय को बिगाड़ सकता है।

आयुष म्हात्रे के हैमस्ट्रिंग चोट की पुष्टि

सीएसके कोच ने कहा – यह काफी गंभीर लग रही है

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बैटिंग कोच माइकल हसी ने बताया कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव (आ गया है और यह काफी गंभीर लग रही है। शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सीएसके के मैच के दौरान 18 साल के इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को विकेटों के बीच दौड़ते समय परेशानी का सामना करते देखा गया था।

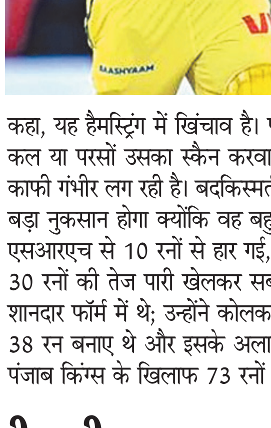

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में माइकल हसी ने पुष्टि की कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। उन्होंने कहा कि स्कैन होने तक चोट की गंभीरता के बारे में ठीक-ठीक कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन उन्होंने माना कि यह गंभीर लग रही है और खिलाड़ी की अच्छी फॉर्म को देखते हुए यह टीम के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। माइकल हसी ने कहा, यह हैमस्ट्रिंग में खिंचाव है। पता नहीं यह कितना गंभीर है। हम शायद कल या परसों उसका स्कैन करवाएंगे। मुझे पक्का नहीं पता, लेकिन हां, यह काफी गंभीर लग रही है। बदकिस्मती से, उसका बाहर होना टीम के लिए एक बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में था। सीएसके यह मैच एसआरएच से 10 रनों से हार गई, लेकिन आयुष म्हात्रे ने सिर्फ 13 गेंदों में 30 रनों की तेज पारी खेलकर सबको प्रभावित किया। वह इससे पहले भी शानदार फॉर्म में थे; उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 गेंदों में 38 रन बनाए थे और इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 59 और पंजाब किंग्स के खिलाफ 73 रनों की यादगार पारियां भी खेली थीं।

सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको को हराकर कोपा डेल रे का खिताब जीता

सेविले (स्पेन) (एजेंसी)। रियाल सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको मैड्रिड को हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता।

फाइनल मैच अतिरिक्त समय के बाद 2-2 से बराबरी पर था जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया। सोसिडाड के गोलकीपर उनाई मैरेरो ने अलेक्जेंडर सोरलॉथ और जूलियन अल्वारेज़ के शॉट को बचाया। इसके बाद पाब्लो मारिन ने अंतिम किक को गोल में बदला जिससे सोसिडाड ने शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की। अमेरिका के पेलेग्रिनो माटाराज़ो के सोसिडाड का कोच बनने के बाद स्पेन के क्लब की यह पहली जीत है। माटाराजो ने कहा, यह अविश्वसनीय सफर रहा है और मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत हो सकती है।

अर्जेंटीना के खिलाफ भारतीय महिला हॉकी टीम की शानदार वापसी, सीरीज 2-2 से ड्रॉ

ब्यूनर्सआयर्स (एजेंसी)। ब्यूनस आयर्स में खेली गई चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय महिला हॉकी टीम ने दमदार जज्बा दिखाते हुए अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। शुरुआती दो मुकाबले हारने के बाद टीम इंडिया ने जबरदस्त वापसी करते हुए आखिरी दो मैच जीतकर सीरीज ड्रॉ कर ली। इस प्रदर्शन ने टीम की मानसिक मजबूती और जुझारूपन को दर्शाया।

पहले दो मैचों में अर्जेंटीना का दबदबा – श्रृंखला की शुरुआत 13 अप्रैल को हुई, जहां पहले मैच में अर्जेंटीना ने भारत को 4-2 से हराया। भारत के लिए नवनीत कौर और अन्नु ने गोल किए, लेकिन मेजबान टीम की आक्रामकता के सामने यह नाकाफी साबित हुआ। जूलिएटा जांकुनास ने दो गोल दागकर मैच का रुख तय किया। दूसरे मैच में भी अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की। भारत के लिए इशिका ने एकमात्र गोल किया, जबकि आगस्टिना गोर्जेलानी ने दो गोल कर अपनी टीम को लगातार दूसरी जीत दिलाई। इस हार के बाद भारत पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा था।

तीसरे मैच से भारत की दमदार वापसी– 16 अप्रैल को खेले गए तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। नवनीत कौर और नेहा ने गोल कर टीम को मजबूती दी। इस जीत ने भारत को सीरीज में वापसी का मौका दिया और खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया। भारतीय टीम ने इस मैच में आक्रामक और संतुलित खेल दिखाया, जिससे अर्जेंटीना की टीम दबाव में नजर आई।

आखिरी मैच में शूटआउट से जीती टीम इंडिया – 17 अप्रैल को खेले गए चौथे और आखिरी मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को कोई मौका नहीं दिया।

अगर आप कहें तो रिटायर हो जाऊं

पाकिस्तान बल्लेबाज मो. रिजवान ने खराब फॉर्म पर तोड़ी चुप्पी

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान ने खराब फॉर्म को लेकर हो रही आलोचना पर खुलकर बात की है। पीएसएल 2026 में टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने माना कि उनकी मौजूदा फॉर्म टी20 टीम में जगह के लायक नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि वह हार मानने वाले नहीं हैं।

फॉर्म को लेकर खुद पर उठाए सवाल

रिजवान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के हकदार नहीं हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं पाकिस्तान टीम में जगह डिजर्व नहीं करता। लोग कहते थे कि मैं छक्के नहीं मार सकता, लेकिन मैं हमेशा सच बोलता हूं।

- **हारिस रऊफ को भी कही थी यही बात** – रिजवान ने खुलासा किया कि उन्होंने हारिस रऊफ से भी यही बात कही थी। उन्होंने कहा, हारिस रऊफ यहां बैठे हैं, वह गवाह हैं। हमने डिनर के दौरान बात की थी और मैंने उनसे भी कहा था कि मेरी मौजूदा फॉर्म के आधार पर मुझे टीम में नहीं होना चाहिए।
- **अगर आप कहें तो रिटायर हो जाऊं** – रिजवान ने साफ कहा कि वह मुश्किल सवालों से नहीं डरते और अगर लोग उन्हें रिटायर होने की सलाह देते हैं, तो वह इस पर भी विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हम सब इंसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा।

हार नहीं मानेंगे, वापसी का किया वादा

खराब फॉर्म के बावजूद रिजवान ने वापसी का भरोसा जताया और कहा कि क्रिकेट ही उनकी पहचान है। उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है। मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा।

आंकड़ों में गिरावट साफ

- रिजवान का हालिया प्रदर्शन उनके संघर्ष को दर्शाता है-
- 2025- 14 पारियों में 242 रन, औसत 17.28, स्ट्राइक रेट 107
- पीएसएल 2026- 7 पारियों में 107 रन, औसत 15.28
- टी-20 टीम से दिसंबर 2024 से बाहर
- हालांकि टेस्ट क्रिकेट में उनके पास वापसी का मौका है, जहां पाकिस्तान जल्द ही बांग्लादेश दौरे पर जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अब दिल्ली में एंट्री करने पर लगेगा ज्यादा शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बड़े व्यावसायिक वाहनों से व्यवसाय करना महंगा हो गया है। एमसीडी ने व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश के लिए लगने वाले टोल में पर्यावरण क्षतिपूर्ण शुल्क (ईसीसी) की दरों में वृद्धि की है। इसमें दो एक्सएल और तीन व चार एक्सएल वाले वाहनों में बढ़ोत्तरी की गई है। निगम के जारी आदेश के अनुसार, श्रेणी दो के तहत आने वाले ट्रकों की दर पहले जहां 1400 रुपये थी, जिसे बढ़ाकर 2000 कर दिया है। इसी प्रकार तीन और चार एक्सएल वाले ट्रकों पर दिल्ली में प्रवेश के लिए 2600 रुपये का ईसीसी लगता था, जिसे बढ़ाकर 4000 कर दिया गया है। ऐसे में इन वाहनों से आने वाले सामान जैसे मोटरसाइकिल, पैकर्स एंड मूवर्स का व्यवसाय करने वाले लोगों अब ज्यादा शुल्क देना होगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में प्रतिदिन 3500 के करीब दो एक्सएल वाले ट्रक प्रवेश करते हैं, जबकि तीन और चार धुरी (एक्सएल) वाले वाहनों की संख्या 1500 प्रतिदिन है। दिल्ली में ईसीसी शुल्क पर्यावरण पर होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए लिया जाता है। टोल नाकों पर इसे एमसीडी वसूलती है। जिसे एक विशेष खाते में दिल्ली सरकार को जमा किया जाता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका पर केंद्र और एनजीटी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के समक्ष आवेदन, अपील और अन्य विविध आवेदन दाखिल करने के लिए बहुत ज्यादा फीस लगाने को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार व एनजीटी से जवाब मांगा है। याचिका पर अदालत ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ-साथ एनजीटी को नोटिस जारी कर हलफनाम दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता अजय दुबे ने याचिका में एनजीटी (प्रैक्टिसेस एंड प्रोसीजर) नियम-2011 के अलग-अलग प्रविधानों के साथ-साथ एक कार्यालय आदेश भी चुनौती दी है। इसके तहत अतिरिक्त प्रिंटिंग चार्ज लगाए गए हैं। याचिका के अनुसार नियम 12(दो) के तहत एनजीटी में आवेदन या अपील दाखिल करने के लिए 1000 रुपये की फीस तय है, जबकि नियम 12(दो ए) के तहत हर विविध आवेदन के लिए कम से कम 500 रुपये की फीस जरूरी है, चाहे वह किसी भी तरह का हो।

दिल्ली जू में गीदड़ प्रकरण पर नए खुलासे, अधिकारी आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। चिड़ियाघर में दिसंबर 2025 में सामने आए गीदड़ प्रकरण ने अब प्रशासनिक हलकों में गंभीर विवाद का रूप ले लिया है। विभागीय कार्रवाई झेल रहे असिस्टेंट कीपर नंद सिंह राणा और क्यूरेटर (एजुकेशन) डा. मनोज कुमार के बयानों में स्पष्ट अंतर सामने आने से घटनाक्रम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। नंद सिंह राणा ने अपने लिखित बचाव में कहा है कि 13 दिसंबर 2025 को हिमालयन भालू के बाड़े में गीदड़ दिखने की सूचना उन्हें ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों से मिली, जिसके बाद उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। उनके अनुसार, उन्हें निर्देश दिया गया कि भालू को बाड़े में न छोड़ा जाए और इस घटना का उल्लेख दैनिक रिपोर्ट, हेड कीपर रजिस्टर या अन्य आधिकारिक अभिलेखों में न किया जाए। राणा का कहना है कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए उसी के अनुरूप कार्य किया। राणा के अनुसार, 14 दिसंबर को भी गीदड़ को पकड़ने के प्रयास जारी रहे, लेकिन वह बिल से बाहर नहीं आया। इसके बाद वह अवकाश पर चले गए। 18 दिसंबर को ड्यूटी पर लौटने पर उन्होंने बाड़े का निरीक्षण किया, जहां बिल के पास आग के अवशेष और लाल मिर्च पाई गई। तलाशी के दौरान गीदड़ को बिल के अंदर निष्क्रिय अवस्था में पाया गया, जिसे बाहर निकालने पर वह मृत-प्रतीत स्थिति में था। उनका दावा है कि इस संबंध में उन्होंने बीट रजिस्टर में प्रविष्टि भी की थी, जिसमें बाद में बदलाव किए जाने की बात कही गई है। दूसरी ओर, क्यूरेटर डा. मनोज कुमार ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में इन आरोपों को खारिज किया है।

दिल्ली में तीन लाख शादियों में होगा 50 हजार करोड़ रूपये का कारोबार

वेडिंग सीजन पर बाजार में लौटेगी रौनक!

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया के साथ रविवार से दिल्ली और देश में शादियों का सीजन शुरू हो गया है, 19 अप्रैल से 13 जुलाई तक शादियों के 28 शुभ मुहूर्त हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध से करीब दो माह की बंदी से जूझ रहे व्यापारी जगत को अब शादियों के मौसम के साथ कारोबार मे तेजी की उम्मीद है। एक अनुमान के अनुसार, इस बार शादियों के सीजन में देशभर में 35 लाख से अधिक विवाह उत्सव का अनुमान है जिससे कि देश भर में तीन लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है।

चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) ने यह अनुमान व्यक्त करते हुए कहा है कि दिल्ली में लगभग तीन लाख शादियों से 50 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि इस शादी के सीजन से देश में 50 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है, जिससे सजावट, कैटरर, फूल-माला, कलाकार, परिवहन, सेवा क्षेत्र के लोग सीधे लाभान्वित होंगे। वस्त्र, ज्वैलरी, हस्तशिल्प, पैकेजिंग और ढुलाई जैसे एमएसएमई क्षेत्रों को भी मौसमी बढ़ावा मिलेगा। शादी के खर्च को सामान और सेवाओं के बीच विभाजित किया जाता है जिसमें मुख्य रूप से वस्त्र, साड़ियां, लहंगे, और अन्य परिधान पर 10 प्रतिशत, आभूषण 15 प्रतिशत, इलेक्ट्रानिक्स, बिजली उपकरण, और उपभोक्ता उपयोग में पांच प्रतिशत, सूखे मेवे, मिठाइयां व स्नैक्स में पांच प्रतिशत, किराना और सब्जियां पांच प्रतिशत, उपहार आइटम्स चार प्रतिशत, तथा अन्य वस्तुओं पर छह प्रतिशत का अमूमन खर्च होता है। वहीं, दूसरी ओर शादियां में सेवा क्षेत्र में बैंक्वेट हाल, होटल और शादी के स्थल पांच प्रतिशत, इवेंट प्रबंधन में तीन, टेंट सजावट में 10, केटरिंग व सेवाएं 10, फूल सजावट चार, परिवहन और कैब सेवाएं तीन, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी दो, आर्केस्ट्रा, संगीत समेत अन्य में खर्च है। चांदनी चौक, सदर बाजार, कूचा महाजनी, किनारी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, कमला नगर, करोल बाग, लाजपत नगर, सरोजिनी नगर, राजौरी गार्डन, साउथ एक्सटेंशन आदि बाजारों में कपड़े, लहंगे, उपहार के आइटम, सजावटी सामान, मिठाइयां, ड्राई फ्रूट्स, शादी कार्ड्स, गोटा जरी, फुटवियर, सौंदर्य प्रसाधन समेत अन्य सामान की दुकानों में चहल पहल देखी जा रही हैं। सीटीआइ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा ने बताया कि पिछले वर्ष जीएसटी की दरों में कटौती के बाद उपभोक्ता के खरीदी व्यवहार में बड़ा परिवर्तन आया है और वो अब विदेशी सामान के मुकाबले भारतीय उत्पादों को खरीदने में ज्यादा तरजीह दे रहे हैं।

उपराज्यपाल संधू का संकल्प

महिला सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, राजधानी को बनाएंगे भयमुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी की सड़कें दिन ही नहीं रात में भी महिलाओं के लिए सुरक्षित हों। सिनेमा देखना हो या घूमना, जब किसी की बेटी या बहन बाहर निकले तो डर या हिचक का नामो-निशान न हो। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखते हुए दिल्ली को भयमुक्त बनाने के लिए हर जतन किए जाएंगे। यह बातें डीडीए पुरातात्विक पार्क महरौली में आयोजित विरासत सप्ताह से समापन कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कही। उन्होंने कालेज के दिनों के संस्मरण भी सुनाए। बताया पढ़ाई के दिनों में इंग्लैंड की सहपाठी के साथ रात 12 बजे फिल्म देखकर लौटते थे। उस समय सुरक्षा को लेकर जो भाव था, उसे दोबारा स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक जाम भी है। ट्रैफिक व्यवस्था, जाम और इससे जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए आरडब्ल्यूए का सहयोग लिया जाएगा। वहीं सड़क किनारे अवैध रूप से पार्क होने वाले वाहनों की समस्या को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाई जाएगी। इसके अलावा राजधानी में स्ट्रीट लाइट और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। उपराज्यपाल ने कहा कि ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए आरडब्ल्यूए का सुझाव और सहयोग लिया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर आरडब्ल्यूए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर काम करेंगी। दिल्ली मास्टर प्लान 2041 की अधिसूचना जारी करने समेत द्वारका स्थित

भारत दर्शन पार्क को शुरू करने जैसे सवालों पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। कहा सभी योजनाओं पर कार्य जारी है। प्रदूषण की समस्या और यमुना सफाई पर भी लगातार काम होने की बात कही। इस अवसर पर दक्षिणी दिल्ली सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी भी उपस्थित रहे। पुरातात्विक पार्क में 13 अप्रैल से चल रहे विरासत सप्ताह के तहत पेंटिंग, निबंध लेखन और चित्रकारी जैसी स्पर्धा आयोजित हुई। फोटोग्राफी में भी छात्रों ने हाथ आजमाए। छह दिन तक चली प्रतियोगिता में सरकारी व प्राइवेट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। समापन कार्यक्रम में सभी वर्ग के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। वहीं इसके बाद आयोजित रूह ए दिल्ली कार्यक्रम में नियाजी निजामी ब्रदर्स ने कव्वाली की शानदार प्रस्तुति दी।

दुष्कर्म केस में सीबीआई अधिकारी आरोपमुक्त, कोर्ट ने शिकायतकर्ता को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दुष्कर्म के आरोपों का सामना कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) के एक अधिकारी को आरोपमुक्त कर दिया है। अदालत ने मामले में शिकायतकर्ता के बयानों में गंभीर विरोधाभास पाते हुए यह फैसला सुनाया। साथ ही, अदालत ने शिकायतकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि उसके खिलाफ झूठा बयान देने के लिए कार्रवाई क्यों न की जाए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीप्ति देवेश ने कहा कि शिकायतकर्ता ने अलग-अलग चरणों में अपने बयान बदले, जिससे उसके आरोपों की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष के दावों और उपलब्ध साक्ष्यों के बीच स्पष्ट असंगति भी दर्ज की। कोर्ट ने कालोनी के सीसीटीवी को महत्वपूर्ण साक्ष्य बताते हुए कहा कि इसमें आरोपित और शिकायतकर्ता एक साथ आते-जाते देखे गया। कोर्ट के अनुसार यह फुटेज हिंसक घटना के दावे से मेल नहीं खाता और आरोपित के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला भी स्थापित नहीं होता। अदालत ने कहा कि अभियोजन सिर्फ संदेह से आगे बढ़कर गंभीर संदेह तक पहुंचने में विफल रहा है। उपलब्ध सामग्री के आधार पर दो संभावित दृष्टिकोण बनते हैं, ऐसे में आरोप तय करने के इस चरण पर आरोपित के पक्ष में निर्णय लिया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि बीएनएसएस की धाराओं 183 और 180 के तहत दर्ज शिकायतकर्ता के बयान इस स्तर पर सत्य प्रतीत नहीं होते। घटना के तुरंत बाद आंतरिक मेडिकल जांच से इन्कार को भी अदालत ने संदेह का कारण माना। फारेंसिक साक्ष्य, जैविक नमूनों और कपड़ों की जब्ती जैसे अहम सुबूतों का अभाव भी अदालत के फैसले का आधार बना।

धमाके के अगले ही महीने लाल किले की रेकी करने गया था आतंकी शेख रहमान, जिहाद के नाम पर युवाओं को उकसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरफ्तार चार आतंकियों में से एक शेख रहमान नवंबर 2025 में दिल्ली में धमाके के अगले ही माह लाल किला की रेकी करने पहुंचा था। लाल किला के साथ वह इंडिया गेट भी पहुंचा था। आशंका है कि वह कई संवेदनशील स्थानों की रेकी कर चुका है। युवाओं को आतंकी बनाने के लिए लाल किले की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें लाल किला के ऊपर एडिटेड काला झंडा लगा था। पुलिस के मुताबिक, चारों आतंकियों के काम बंटे हुए थे। शेख इमरानः भुवनेश्वर से पढ़ाई करने के बाद इसने सिक्योरिटी गार्ड व डिलीवरी ब्वॉय के रूप में काम किया। 2024 में इसने तारिक जमील, इसरार अहमद, जाकिर नाइक आदि के लेक्चर सुनना शुरू किया, जिससे धीरे-धीरे उसमें कट्टरपंथी विचार पनपने लगे। सोशल मीडिया के जरिये उसकी मुलाकात मोहम्मद हम्माद व मोसैब अहमद उर्फ 'सोनू' से हुई। सभी ने एक ग्रुप बनाया, जिसमें जिहाद, खिलाफत व 'गजवा-ए-हिंद' जैसे विषयों पर चर्चाएं होती थीं। उन्होंने राम मंदिर, संसद व सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की

साजिशों पर बात की। दिसंबर में वह लाल किला व इंडिया गेट की रेकी करने दिल्ली आया था। उसने ग्रुप के सदस्यों से वादा किया कि वह ओडिशा में हथियारों की ट्रेनिंग व घुड़सवारी सहित शारीरिक प्रशिक्षण का इंतजाम करेगा। इसके लिए उसने सदस्यों से चंदा देने को कहा था। आजमगढ़ का रहने वाला है। उसने भारत व विदेश (सऊदी अरब व कतर) में वेल्डर, ऑटो मैकेनिक व ऑटो इलेक्ट्रीशियन का काम कर चुका है। फिलहाल, वह ठाणे में एक निजी आटोमोबाइल वर्कशाप में काम कर रहा था और कई ऑनलाइन ग्रुप से जुड़ा था, जहां 'लश्कर-ए-महदी' और 'जिहाद' से जुड़ी चर्चाएं होती थीं। उसने आतंकी मोहम्मद हम्माद की मदद की और बम बनाने के लिए एक रिमोट-कंट्रोल वाला खिलौना कार बम की तस्वीर ग्रुप में साझा की थी। मुंबई का रहने वाला है। जनवरी में वह एक ग्रुप से जुड़ा, जिसमें मोसैब अहमद जैसे कई सदस्य शामिल थे। इस ग्रुप में 'जिहाद' और 'गज़वा-ए-हिंद' पर चर्चाएं होती थीं। उसने बम बनाने के सामान के तौर पर बाल बेयरिंग, कीलें, रिमोट-कंट्रोल खिलौना कार और बक्सों की तस्वीरें एक ग्रुप में साझा की थी।

कर्ज नहीं चुका पा रहा मालदीव, मुइज्जू को आई भारत की याद

करेंसी स्वैपिंग की मांग रहे मदद

माले, एजेंसी। मालदीव में गहराते आर्थिक तनाव के बीच भारत सरकार मालदीव द्वारा करेंसी स्वैप सुविधा को विस्तार देने के अनुरोध पर विचार कर रही है। हालांकि, मौजूदा नियमों और सख्त शर्तों के कारण भारत के लिए इस अनुरोध को स्वीकार करना कूटनीतिक और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो गया है। मालदीव वर्तमान में भारी अंतरराष्ट्रीय कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण गंभीर वित्तीय दबाव में है। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष ने पर्यटन और ऊर्जा लागतों को प्रभावित कर मालदीव की कमर और तोड़ दी है।

सूत्रों के मुताबिक, मालदीव ने भारत से फिर से करेंसी स्वैप सुविधा बढ़ाने की

गुहार लगाई है। लेकिन भारतीय नियमों के अनुसार, दो बार निकासी के बीच एक कूलिंग-ऑफ (निश्चित समय का अंतर) का होना अनिवार्य है। साथ ही रोल-ओवर (कर्ज की अवधि बढ़ाना) की भी एक तय सीमा होती है। इन तकनीकी कारणों से भारत के लिए दोबारा मदद देना आसान नहीं है। यदि भारत इस बार विस्तार नहीं दे पाता है, तो मालदीव की वित्तीय स्थिति अल्पावधि में और अधिक बिगड़ सकती है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मालदीव की समस्याओं को दूर करने के लिए कई असाधारण कदम उठाए हैं। अक्टूबर 2024 में भारत ने 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप सुविधा प्रदान की थी, जिसे सख्त नियमों के बावजूद दो बार रोल-ओवर किया गया। मई और सितंबर 2025 में भारत ने 50-50 मिलियन डॉलर के दो ब्याज मुक्त ट्रेजरी बिलों की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी। जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान बुनियादी ढांचे के लिए 565 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' और ऋण चुकाने की शर्तों में ढील देने की घोषणा की गई थी।

● ट्रंप ने विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए

निगरानी कार्यक्रम का 30 अप्रैल तक विस्तार; अब संसद में होगी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद एक विवादित निगरानी कार्यक्रम को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। यह कम अवधि का विस्तार है। इसके बाद अब इस मुद्दे पर कांग्रेस (संसद) में बहस होने की संभावना है।

सीनेट में अंतिम क्षण में पारित हुआ विधेयक

यह विधेयक शुक्रवार को सीनेट में अंतिम क्षण में पारित किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निगरानी का अधिकार कुछ ही दिनों में समाप्त न हो जाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी

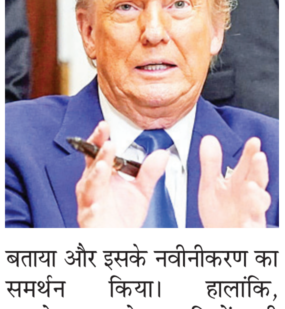

बताया और इसके नवीनीकरण का समर्थन किया। हालांकि, आलोचक इसे नागरिकों की आजादी के लिए खतरा मान रहे हैं। विदेशी खुफिया निगराई कानून की धारा 702 पर विवाद क्यों है? इस विवाद के केंद्र में 'धारा 702' है। यह विदेशी खुफिया निगरानी कानून का हिस्सा है। यह धारा केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी (सीआईए), राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए), संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य एजेंसियों को बिना वारंट के विदेशी संचार को बड़ी मात्रा में एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में कभी-कभी अमेरिकी नागरिकों के संदेश भी शामिल हो जाते हैं, अगर वे विदेशी लक्ष्यों से संपर्क में हों। इस कार्यक्रम के विस्तार को लेकर लंबे समय से सियासी टकराव चलता आ रहा है।

ट्रंप प्रशासन के लिए खतरा हैं मुनीर, ईरान से करीबी संबंध

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित 'रेड फ्लैग' यानी जोखिम साबित हो सकते हैं। इसकी वजह उनके ईरान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व से लंबे समय से संबंध बताए जा रहे हैं। फॉक्स न्यूज की हालिया रिपोर्ट और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की आकलन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में ईरानी नेतृत्व से गहरे और लंबे समय से संबंधों के कारण मुनीर को उनके ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित जोखिम बताया गया है। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त जनरल ने फॉक्स न्यूज डिजिटल को बताया कि मुनीर के ईरान के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, जिनमें कुद्स फोर्स के मारे गए कमांडर कासिम सुलेमानी और आईआरजीसी कमांडर होसैन सलामी शामिल हैं। पर्दे के पीछे मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे मुनीर ये संबंध ऐसे समय में चर्चा में हैं, जब मुनीर अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच पीछे वाले दरवाजे से मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इस भूमिका के तहत वह दोनों देशों के बीच गोपनीय स्तर पर संवाद बनाए रखने और बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' बताते हैं। लेकिन, खुफिया अधिकारियों का कहना है कि उनकी दोहरी भूमिका अमेरिकी हितों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। फॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए, खासकर अफगानिस्तान में उसकी भूमिका को लेकर उसे एक 'भरोसेमंद सहयोगी नहीं' माना जा सकता है।

नेतन्याहू के गुस्से से घबराए डोनाल्ड ट्रंप?: इस्राइल को बताया महान सहयोगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी ईरान संकट और इस्राइल-लेबनान तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल के रिश्तों में भी हलचल देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयानों ने कूटनीतिक स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है। क्षेत्रीय अस्थिरता के इस दौर में, विशेष रूप से युद्धविराम प्रोटोकॉल और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री संचालन की सुरक्षा को लेकर बातचीत जटिल बनी हुई है। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि इस्राइल को लेबनान में एयरस्ट्राइक रोकनी होगी। उन्होंने लिखा था कि 'अब बहुत हो गया', जिससे यह संकेत गया कि अमेरिका ने इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया है। इस बयान के बाद इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके सलाहकारों में चिंता बढ़ गई

और व्हाइट हाउस से स्पष्टीकरण मांगा गया।

ट्रंप ने बदला रुख, इस्राइल को बताया मजबूत सहयोगी

विवाद बढ़ने के बाद ट्रंप ने अपने रुख में नरमी दिखाई और इस्राइल की तारीफ करते हुए उसे अमेरिका का महान सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस्राइल साहसी, मजबूत, वफादार और समझदार देश है, जो कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती से खड़ा रहता है। ट्रंप के इस बयान को उनके पहले दिए गए सख्त संदेश के उलट माना जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि समझौता केवल आक्रामक सैन्य अभियानों पर रोक लगाता है, लेकिन आत्मरक्षा का अधिकार सुरक्षित रहता है। इस बयान से यह स्पष्ट करने की कोशिश की गई कि इस्राइल अपनी सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है। इस बीच पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी इस्राइल की नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक ऐसे संघर्ष में शामिल हो गया है, जिसे अमेरिकी जनता नहीं चाहती थी। उनका आरोप है कि मौजूदा हालात में अमेरिका को अनावश्यक सैन्य तनाव में खींचा गया है। अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में कासिम ने कहा कि शांति तभी संभव है।

बेकाबू मालगाड़ी बोकारो थर्मल पावर प्लांट का गेट तोड़ बाहर निकली

बाल बाल बचा स्कॉर्पियो चालक, टला एक बड़ा हादसा, मची अफरा-तफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। डीवीसी के बोकारो थर्मल पावर प्लांट में बड़ा हादसा होते होते बच गया। किसी की जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन रेलवे गेट पार कर रही है स्कॉर्पियो को अपने चपेट में ले लिया। स्कॉर्पियो के ड्राइवर ने कूद कर अपनी जान बचाई।

खबर है कि कोयला खाली कर एक मालगाड़ी अचानक बेकाबू होकर प्लांट के गेट को तोड़ते हुए बाहर निकल गई। जिससे तत्काल वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मालगाड़ी ने ट्रैक के पास खड़ी स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मारते हुए उसे करीब 400 से 500 मीटर तक घसीटते हुए लेते चली गई। कथारा निवासी स्कॉर्पियो के मालिक जो खुद स्कॉर्पियो चला रहे थे अमरदीप ने समय रहते गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना में स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

घटना में रेलवे और रैक प्रबंधन की लापरवाही स्पष्ट दिखाई दे रही है। सुबह करीब 4 बजे कोयला लदा रैक प्लांट में दाखिल हुआ था और 7 बजे तक खाली कर लिया गया था। नियमतः रैक को इंजन आगे की तरफ रखकर बाहर निकाला जाता है लेकिन इसे रिवर्स में बाहर लाया जा रहा था जिससे यह घटना घटी। जबकि पीछे गार्ड की बोगी रहती है वह भी नहीं था और न कोई सिग्नल जिसके कारण यह हादसा हुआ है। रफ्तार अधिक होने के कारण गेट तोड़ते हुए करीब 500 मीटर दूर जाकर रैक का पिछला हिस्सा बेपटरी हो जाने के कारण गाड़ी रुकी। मामला अधिक भयावह तब हो जाता है जब मेन लाइन का गेट खुला होता क्योंकि गोमो-चोपन पैसेंजर के आने का समय था। इस कारण मेन लाइन का गेट बंद था नहीं तो बड़ा ट्रेन हादसा हो सकता था।

घटना की जानकारी होते ही स्थानीय थाना पुलिस और रेलवे के अधिकारी, सीआईएसएफ मौके पर पहुंचे। बोकारो थर्मल थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव और स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार, सीआईएसएफ निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। रैक चालक अरुण कुमार पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार ने कहा की मामले में प्लांट के अधिकारियों से बात कर तू कहां हुई है इसकी जांच की जाएगी और इससे संबंधित जो भी लोग उन पर कार्रवाई के लिए आगे भेज दिया जाएगा तत्काल रेलवे लाइन प्रभावित नहीं है।

घटना को लेकर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के खिलाफ लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है।

डीवीसी कर्मियों में भी गुस्सा दिखाई दे रहा है, उनका मानना है कि अगर ओवरब्रिज का उद्घाटन समय पर हो गया होता तो आज यह घटना नहीं होता।

सिख समाज की वीरता, त्याग और राष्ट्रभक्ति का इतिहास रहा है गौरवशाली : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चास नगर निगम स्थित गुरुद्वारा में उपायुक्त अजय नाथ झा ने पहुंचकर माथा टेका और जिलेवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही लोगों के साथ बैठकर लंगर भी खाए। इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारा में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया और सिख समुदाय के लोगों से आत्मीय मुलाकात की।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को वैसाखी पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व खुशहाली, नई फसल और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वैसाखी पर्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को भी मजबूत करने वाला पर्व है। इस अवसर पर सिख समाज के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त का स्वागत किया और उन्हें सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उपायुक्त ने समुदाय के लोगों से उनकी समस्याओं एवं सुझावों के बारे में भी जानकारी ली और आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

गुरुद्वारा परिसर में इस दौरान कीर्तन, अरदास एवं लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।उपायुक्त ने कहा कि सिख समुदाय के लोगों ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सिख समाज की वीरता, त्याग और राष्ट्रभक्ति का इतिहास गौरवशाली रहा है, जो आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि सिख समुदाय हमेशा से सामाजिक एकता, सेवा भाव और मानवता की मिसाल पेश करता रहा है, और जिले के विकास एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में भी उनकी अहम भूमिका रही है। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

तालाब में डूबने से दस वर्षीय बच्चे की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चास में एक दर्दनाक हादसा हुआ। तालाब में डूबने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। चास के रामनगर कॉलोनी स्थित पुराने बांध तालाब में डूबने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहन कुमार (पिता- मुन्ना साव) के रूप में हुई है, जो कैलाश नगर चास का निवासी बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, रोहन कुमार रविवार सुबह करीब 11 बजे घर से निकला था। वह अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया था, इसी दौरान यह हादसा हो गया। नहाने के क्रम में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की मदद से बच्चे को तालाब से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि रोहन अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। वह मेन रोड स्थित बांग्ला मध्य विद्यालय का छात्र था। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे इलाके में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तालाब के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है।

पुष्पा हत्याकांड की जांच पर नजर रखेंगे : आईजी

बोकारो। पुष्पा हत्याकांड मामले को लेकर बोकारो के जोनल आईजी सुनील भास्कर का तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर शैलेंद्र कुमार सिंह को जोनल आईजी नियुक्त किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद पुष्पा हत्याकांड पर प्रतिक्रिया देते हुए आईजी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस मामले की मॉनिटरिंग स्वयं उच्च न्यायालय द्वारा की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर उनकी नए एसपी से बातचीत हुई है और पूरे रिकॉर्ड के साथ उन्हें बुलाया गया है, ताकि इस केस की गहराई से जानकारी ली जा सके। आईजी ने कहा कि इस मामले में क्या कदम उठाए जाने हैं और क्या नहीं, इसका बारीकी से आकलन किया जाएगा। आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने स्वीकार किया कि गलतियां हो सकती हैं, लेकिन इस मामले में किस तरह की खामियां रहीं, इसकी भी विस्तृत पड़ताल की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुष्पा हत्याकांड को लेकर उच्च न्यायालय के जो भी दिशा-निर्देश हैं, उनका पालन पूरी सख्ती और गंभीरता के साथ किया जाएगा।

न्याय के लिए 6 साल से दर दर भटक रही दो बच्चों की मां

बोकारो। बोकारो में एक महिला पिछले 6 साल से न्याय के लिए दर-दर भटक रही है। दो बच्चों की मां अपने पति की कथित प्रताड़ना से परेशान होकर थाने से लेकर एसपी कार्यालय तक गुहार लगा चुकी है, लेकिन अब तक उसे न्याय नहीं मिल पाया है। मामला सियालजोरी थाना क्षेत्र के आसनसोल गांव का है, जहां पीड़िता छोटी कुमारी ने अपने पति सुनील कुमार रवानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसका पति मजदूरी करता है और शराब पीने के लिए पैसे की मांग करता है। पैसे नहीं देने पर वह उसके साथ मारपीट करता है और गाली-गलौज करता है और घर से बाहर निकाल देता है। इतना ही नहीं, पीड़िता का आरोप है कि पति बच्चों के साथ भी मारपीट करता है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। ससुराल पक्ष भी पति का साथ देता है, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ जाती है। महिला का कहना है कि कई बार थाने जाने के बावजूद पुलिस सिर्फ समझा-बुझाकर उसे वापस भेज देती है। एक महीने पहले एसपी के पास जाने पर निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन हालात नहीं बदले। न्याय सदन में भी सुनवाई हुई, फिर भी प्रताड़ना जारी है। अब थक-हारकर महिला एक बार फिर एसपी कार्यालय पहुंची है और न्याय की गुहार लगा रही है।

एस मोहम्मद याकूब बने धनबाद ग्रामीण एसपी

धनबाद। धनबाद में कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। रविवार को एस मोहम्मद याकूब ने ग्रामीण एसपी का पदभार संभालते ही साफ संकेत दे दिया कि अब अपराधियों की खैर नहीं। पूर्व एसपी कपील चौधरी के तबादले के बाद नई जिम्मेदारी संभालते ही याकूब ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दीं। उन्होंने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण, अवैध गतिविधियों पर सख्ती और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनका पहला लक्ष्य होगा। सबसे खास बात ये रही कि नए एसपी ने आम जनता से सीधे जुड़ने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि अब उनकी शिकायतें सीधे सुनी जाएंगी और तुरंत कार्रवाई होगी।

कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल महिला सशक्तिकरण के विरोधी : कमलेश राय

बोकारो। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलेश राय ने कांग्रेस समेत समस्त इंडी गठबंधन पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाया है । संसद में महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो पाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है । उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सदैव देश के विकास और प्रगति का बाधक है। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के अनेकों कार्य किए जा रहे हैं वहीं कांग्रेस और उसके साथी दल केवल नारी शक्ति को ठगने और बरगलाने का काम करती है । उनका दोहरा चरित्र उजागर हो गया है कि कैसे उन्होंने नारी शक्ति के साथ वादाखिलाफी कर उनका अपमान किया है । वे लोग केवल अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के लिए सदन में बोलते हैं । उन्हें यह डर है कि कहीं इस बिल को पास हो कानून बनने से देश की आधी आबादी का पूर्णतः झुकाव या समर्थन भाजपा और नरेन्द्र मोदी के साथ चला जाएगा।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर कार्यक्रम

बोकारो। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर बोकारो के सेक्टरझ्4 में ब्रह्मर्षि परिवार द्वारा श्रद्धापूर्ण एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने भगवान परशुराम के आदर्श जीवन, त्याग, पराक्रम और धर्मनिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। साथ ही समाज में एकता, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में कमलेश राय, नग नारायण प्रसाद शाही, प्रेम कुमार,नरेन्द्र कुमार, श्याम मनोहर सिंह, देवनारायण सुधांशु, बैजनाथ प्रसाद शर्मा , सर्वेश चौधरी ,संजय कुमार, मिथिलेश पांडेय, अवधेश कुमार सिंह, नवल किशोर शर्मा, साधु शरण सिंह रहे।

राधा कृष्ण प्रतिमा स्थापित करने को लेकर कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। खैराचातर मेन रोड स्थित सार्वजनिक हरि मंदिर में आज राधा कृष्ण प्रतिमा स्थापित करने को लेकर कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय अनुष्ठान प्रारंभ किया गया। इस दौरान हरे रामा, हरे कृष्ण के जयकारा के साथ हरि मंदिर प्रांगण से मेंन रोड, पुरुलिया रोड होते हुए बाबू बांध तक महिलाओं तथा किशोरियों ने कलश यात्रा में भाग लिया। तालाब में कलश में जल भरकर पुनः भ्रमण कर मंदिर पहुंची। आयोजन समिति के संजय कुमार ,कुमार गौरव तथा कुमार मयंक ने बताया कि इस अनुष्ठान के दौरान रात्रि में भक्ति जागरण के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। काशी विश्वनाथ से पधारे आचार्य दीपक मिश्रा, रामावतार पांडेय, विनय मिश्रा के द्वारा आज मंदिर में दिन भर अनुष्ठान का आयोजन किया गया है। आज दोपहर को भंडारा का भी आयोजन किया गया। अनुष्ठान आगामी 21 अप्रैल को राधा कृष्ण प्रतिमा के साथ नगर भ्रमण के बाद मंदिर में स्थापित की जाएगी। प्रतिदिन रात्रि को जागरण तथा अनुष्ठान का आयोजन के साथ-साथ भंडारे का आयोजन होगा। कलश यात्रा के दौरान स्थानीय ग्रामीण अमरेश कुमार जायसवाल, श्याम प्रकाश जायसवाल, गौतम सागर, अमर कुमार जायसवाल, सुबोध कुमार जायसवाल, सतीश कुमार जायसवाल, चितरंजन जायसवाल, मनीष जायसवाल, रूपेश कुमार, उज्वल कुमार, बबीता जायसवाल, कल्याणी सागर, लीना जायसवाल, नीरा जायसवाल आदि उपस्थित थी।

प्रिंस खान का करीबी सहयोगी कोलकाता एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। संगठित अपराध के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत धनबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के करीबी सहयोगी सैफी उर्फ मेजर को कोलकाता एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, उसे रविवार देर रात तक धनबाद लाया जाएगा।

पुलिस के अनुसार, सैफी लंबे समय से झारखंड के व्यवसायियों के लिए आतंक का पर्याय बना हुआ था। वह प्रिंस खान के इशारे पर व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी वसूलता था। सूत्रों ने बताया कि गैंग के संचालन में उसकी अहम भूमिका थी, जिसमें रंगदारी की वसूली का समन्वय और अवैध वित्तीय लेनदेन को अंजाम देना शामिल था।

धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि सैफी पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। जैसे ही उसे दुबई से भारत लाया गया, कोलकाता एयरपोर्ट पर ही उसे दबोच लिया गया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान गैंग से जुड़े कई अहम खुलासे होने की संभावना है।

पुलिस ने यह भी खुलासा किया है कि प्रिंस खान, जिस पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं, ने अपना ठिकाना दुबई से बदलकर पाकिस्तान कर लिया है। यह गिरोह झारखंड के बड़े व्यवसायियों को निशाना बनाकर रंगदारी की रकम हवाला के जरिए विदेश भेजता रहा है।

होमगार्ड भर्ती : महिला अभ्यर्थियों ने दी शारीरिक दक्षता परीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) की बहाली प्रक्रिया में आज धनबाद शहरी गैर तकनिकी के महिला अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बहाली प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए पूरी कार्यवाही की सीसीटीवी और वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चयन केवल योग्यता और शारीरिक दक्षता के आधार पर ही किया जा रहा है। अभ्यर्थियों ने दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद और गोला फेंक जैसी शारीरिक स्पधाओं में भाग लिया। मैदान में प्रवेश से पहले सभी अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की गहन जांच की गई।

मौके पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे समेत जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी और चिकित्सा दल मौजूद रहे। गर्मी को देखते हुए मैदान में पेयजल की व्यवस्था की गई थी। साथ हीं समय समय पर ट्रैक पर पानी का छिड़काव भी किया जा रहा था, ताकि अभ्यार्थियों को परेशानी न हो।

बंदियों को मिला जेल अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

तेनुघाट। तेनुघाट स्थित उपकारा (जेल) में रविवार को जेल अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय के नेतृत्व में आयोजित शिविर में जेल में बंदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया।

कानूनी जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय ने बताया कि जेल अदालत के साथ-साथ मेडिकल कैंप भी लगाया जा रहा है। जिससे सभी बंदियों को दोनों का फायदा प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने बताया कि जेल में बंदियों को जागरूक करने के कारण आज जेल में बंदियों की संख्या कम हो रही है। जिससे यह पता चलता है कि बंदी जागरूक हो रहे हैं और वे अपराध से दूर हो रहे हैं। इसी के तहत प्रत्येक महीने जेल अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि आज न्यायालय में अगर आपका मुकदमा है तो आपको मुफ्त अधिवक्ता, कानूनी सलाह दिया जाता है।

आगे बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से कारा में संसीमित बंदियों को निरंतर विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बंदियों के बीच से ही पारा लीगल वॉलिंटियर्स की नियुक्ति की गई है। जो निरंतर बंदियों के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं को कारा प्रशासन के माध्यम से विधिक सेवा प्राधिकार तक पहुंचाते हैं। जहां अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करने की दिशा में कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि वैसे बंदी जो स्वयं के खर्च पर अपना अधिवक्ता रख पाने में असमर्थ हैं, उनके लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के तहत अधिवक्ताओं की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो उन बंदियों के केस में संबंधित न्यायालय में निरंतर पैरवी करते हैं।

अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सक डॉ शंभू कुमार ने बताया कि हम सभी को आजादी से जीने का हक है, मगर हमें कानून का भी पालन करना चाहिए। शिविर में पैनल अधिवक्ता शैलेश कुमार सिन्हा ने बताया कि जेल में बंदियों को किसी भी तरह की समस्या की जानकारी मिलते ही उनकी समस्या का समाधान किया जाता है। दहेज अधिनियम के बारे मे जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि दहेज लेना और देना दोनो अपराध है। जानकारी के अनुसार इस अवसर पर जेल में लगे मेडिकल कैंप में बंदियों ने स्वास्थ्य जांच कराया। जिसमें सामान्य जांच, आंख जांच और दांत जांच शामिल है। शिविर में स्वागत भाषण करते हुए जेलर नीरज कुमार ने कहा कि हमें यहां से अपने आप को सुधार कर आगे बढ़ना चाहिए।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाहों की रोकथाम को मनाया सतर्कता दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे संगठन सहयोगिनी ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। इसमें बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) , सहिया, आशा , बोकारो जिला बाल संरक्षण इकाई ने भी सहयोग दिया और जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। सहयोगिनी जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा है। सहयोगिनी देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।

जिले में अब तक बाल विवाह के खिलाफ अभियान की सफलता पर संतोष जाहिर करते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की सतर्कता से अब अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाहों की संख्या में खासी कमी आई है लेकिन हमें इसे पूरी तरह रोकने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि चंद वर्षों पहले तक लोगों को यह भी नहीं पता था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है।

सेल लीज लाईसेंसधारी संघ का पुनर्गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। रविवार को स्थानीय सेक्टर चार वीर कुंवर सिंह पार्क में सेल लीज-लाईसेंसधारी संघ की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संघ का पुनर्गठन करते हुए सेल प्रबंधन से विभिन्न मुद्दों को लेकर लंबी लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया।

नवगठित समिति में कुमार राकेश को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा डा अलाउद्दीन को सचिव, विनेश्वर कुमार को कोषाध्यक्ष तथा डीके सिंह और मिथिलेश झा को उपाध्यक्ष बनाया गया।

सर्व सम्मति से पूरे बोकारो में सभी लीज और लाईसेंसधारियों के बीच सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सेल प्रबंधन द्वारा रद्द की गयी शापिंग सेंटर की दुकानों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। सेल प्रबंधन से मांग की गई कि जो भी दुकानदार बकाया भुगतान कर दुकानें रखना चाहते हैं, उन्हें कैंसिल सूची से हटाया जाये। इन दुकानदारों ने संयुक्त रूप से न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष कुमार राकेश ने कहा कि प्रबंधन ने लीज और लाईसेंस की दुकानों या मकानों में नये-नये नियम बनाकर परेशान कर रही है। इसके समाधान के लिए लंबी लड़ाई लड़ने की तैयारी करनी है। संघ के माध्यम से कानूनी लड़ाई के साथ आंदोलन का भी सहारा लिया जाएगा।

बैठक में कई प्रस्ताव पारित कर प्रबंधन से शीघ्र समाधान की मांग की गयी। पारित प्रस्तावों में शापिंग सेंटर की सभी दुकानों को नये सिरे से रिन्यूअल करने, उनकी मरम्मत कराने, आवेदन करने वाले सभी विस्थापित भाईयों को पुरानी दुकान की जगह हर सेक्टर में नया माल बनाकर दुकान आबंटन करने, दुकानों और टेलिफोन बूथों का बढ़ा हुआ मनमाना शुल्क वापस लेने, लीज के आवासों में अतिरिक्त निर्माण को सशुल्क नियमित करने, लाईसेंस के आवास में अतिरिक्त निर्माण को अतिक्रमण नहीं मानने और तत्काल बिना शर्त नवीकरण करने, सिटी सेंटर और सेंटर मार्केट के प्लॉटधारियों के लीज नवीकरण और कई तरह की शुल्क वृद्धि का समाधान करने तथा सभी लीजधारियों और लाईसेंसधारियों के विद्युत शुल्क मीटर-यूनिट के आधार पर लेने की मांग की गई है।

बैठक में किशोर साव, गौरीशंकर गुप्ता, एजाज खान, पंकज चौधरी, एस एन सिंह, राजेश कुमार सिंह, मनौवर अंसारी, अशोक साव, गौरव कुमार, रौशन कुमार, विजय कुमार शर्मा, राकेश कुमार, युवराज सिंह मुकेश कुमार, ब्रजेश कुमार सिंह, भूपेंद्र सिंह, अमरनाथ तिवारी, हरेराम, अनिल कुमार, डा मंजूर आलम सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com